हरिभूमि

जबलपुर
सोमवार 30 मार्च 2026
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

VIDYAPEETH
IIT-JEE | NEET | FOUNDATION

आपकी तैयारी का विश्वास

जबलपुर में, sahi शुरुआत

What Makes VIDYAPEETH Unique

- Expert Faculties with Proven Track Record
- Tech-enabled Smart Classrooms
- Personalized Mentorship
- Result oriented preparation methodology
- Numerous Success Stories in JEE, NEET & Olympiad
- 1 to 1 Doubt Support for clarity
- All India Test Series with rigorous assessment and analysis

MEET OUR SUPERSTARS

MAJID MUJAHID HUSAIN	KAVYA SHARMA	SHAKSHAM JHA	SUGAM THAKUR	DEVRAJ AMOL PATIL	VAISHNAVI DAS	DASHRATH MEENA	ARGHYADEEP SAHA
IIT BOMBAY	IIT DELHI	IIT DELHI	IIT BOMBAY	AIIMS DELHI	AIIMS RAIPUR	AIIMS RISHIKESH	AIIMS BHUBANESWAR

SAT
PHYSICS WALLAH SCHOLARSHIP CUM ADMISSION TEST
GET UP TO 90% SCHOLARSHIP

ADMISSIONS OPEN 2026-27
For Classes 8th - 12th & Droppers

Class 9th & 10th	Class 10th to 11th	Class 11th to 12th	Class 12th Pass Dropper Course
Foundation Batch 1st April 2026	JEE: 1st April 2026 NEET (UG): 1st April 2026	JEE: 1st April 2026 NEET (UG): 1st April 2026	JEE: 15th April 2026 NEET (UG): 15th April 2026

VIDYAPEETH CENTERS

VIDYAPEETH (OFFLINE CENTRES)
Jabalpur : 1620, Napier Town, Opp. Aditya Hospital, MLB School Road
Bhopal | Gwalior | Indore

PATHSHALA (CENTRES)
Chhatarpur | Kanchan Bhawan, Opposite Maharaja College | Chhindwara | SN Tower, Behind Pantaloons, Nagpur Road
Sagar | Ramsaroj Plaza, Narsinghpur Road, Above Zudio Mall, Makroniya | Satna | HIG-3, Vimla Tower, Bharhut Nagar
Rewa | Above Titan Showroom, Near John Tower - College Chauraha, Shilpi Plaza Road

ENROLL NOW
For Classes 8th - 12th & Dropper

For Vidyapeeth Enquiry 07314850132
For Pathshala Enquiry 9205115570

पं. दीनदयाल उपाध्याय और ठाकरे के जीवन से सीखें कार्यकर्ता : खंडेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भोपाल-नर्मदापुरम में आयोजित मंडल प्रशिक्षण वर्गों को किया संबोधित

[कहा, भारतीय जनता पार्टी ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया]

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के तहत भोपाल जिले के गोविंदपुरा विधानसभा के इंद्रपुरी मंडल और नर्मदापुरम में नर्मदापुरम मंडल के रामानंद गार्डन में प्रशिक्षण वर्ग का शनिवार को आयोजित किया गया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन कर संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। बदलते हुए समय में कार्यपद्धति में बदलाव आवश्यक है, लेकिन विचारधारा से कभी समझौता नहीं हुआ। पार्टी कार्यकर्ता पं. दीनदयाल उपाध्याय और कुशभाऊ ठाकरे के जीवन से सीखें कि उन्होंने किस प्रकार संगठन को गढ़ने का कार्य किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्तमान वैश्विक स्थिति में दुनिया भर के देशों के साथ समन्वय बनाकर भारत के हितों की रक्षा कर रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री के कार्यों से यह भी सीखना चाहिए कि अपने देश, देश की जनता के हितों के लिए किस प्रकार से कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपनी विचारधारा और संगठनात्मक पद्धति को सर्वोपरि रखते हुए देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। खण्डेलवाल ने नर्मदापुरम में प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करने के बाद जिला बैठक एवं जिला जनप्रतिनिधि बैठक को भी संबोधित किया। भोपाल में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग को प्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर, जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने भी संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पुष्प चक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतूल के शहीद भवन में सेहरा निवासी, भारतीय सेना की ईएमई कोर ग्वालियर में सूबेदार पद पर सेवारत दयानंद लिल्लोरे के दुःखद निधन पर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने कुचली परिवार की खुशियां

रायपुर। अभनपुर क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। शादी समारोह से लौट रहे एक परिवार को तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने कुचल दिया, जिसमें 10 वर्षीय बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह घटना अभनपुर थाना क्षेत्र के केंद्री स्थित बीआईटी मोड़ के पास हुई। जानकारी के मुताबिक, गरियाबंद जिले के ग्राम कुटेना निवासी जमुना सोनवानी अपनी बेटी राजनंदनी और रिश्तेदारों मंजू बघेल व गोंदा बघेल के साथ सिंगारभांठा गांव में एक विवाह समारोह में शामिल होने आई थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी लोग पैदल वापस लौट रहे थे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि 10 साल की मासूम राजनंदनी की मौके पर ही हालत गंभीर हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत अभनपुर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य घायल महिलाओं का इलाज जारी है और उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबल के जवानों ने पेश की मानवता की अद्भुत मिसाल

दर्द से कराह रही गर्भवती महिला को जंगल एवं दुर्गम पहाड़ी रास्ते से ले जाकर जवानों ने पहुंचाया अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबल के जवानों के काम की तारीफ हो रही है। नक्सल विरोधी अभियान पर तैनात आईटीबीपी के जवानों ने एक गर्भवती महिला की जिंदगी बचाई है। इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान के अंदर बसे बोटेर गांव में अचानक एक महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। महिला दर्द से तड़प रही थी। इस बात की जानकारी जैसे ही आईटीबीपी के जवानों को हुई। जवानों ने महिला के सफल रेस्क्यू किया।

सुरक्षाबल के जवान करीब 5 किलोमीटर तक दुर्गम जंगल और पहाड़ी रास्तों से स्ट्रेचर पर लिटाकर महिला को अस्पताल पहुंचा। महिला ने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। डॉक्टरों के अनुसार, समय पर अस्पताल पहुंचने के कारण मां और नवजात दोनों सुरक्षित हैं। दरअसल, घटना

27 मार्च की है। बोटेर गांव में तैनात सुरक्षाबल के जवानों को सूचना मिली की एक गर्भवती महिला की हालत गंभीर है। वह प्रसव पीड़ा के कारण तड़प रही है। जिस इलाज की जरुरत है। ऐसे में आईटीपीबीपी की 29वीं बटालियन की एक क्विक रिएक्शन टीम मौके पर पहुंची और महिला का सुरक्षित रेस्क्यू किया। बोटेर गांव कभी नक्सल प्रभावित था। इस गांव में अभी भी पहुंचने के लिए सड़क नहीं है। दुर्गम पहाड़ी में बसे इस गांव में सुरक्षाबल के जवान नक्सल विरोधी अभियान के तहत सर्चिंग अभियान चला रहे थे। गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने के लिए जवानों ने ओरछा स्थित सीओबी से एंबुलेंस को अलर्ट रहने के लिए कहा था लेकिन रास्ता नहीं होने के कारण एंबुलेंस की टीम वहां नहीं पहुंच सकी। जिसके बाद जवानों ने घने जंगल, ऊबड़-खाबड़ पगडंडियां और खड़ी चढ़ाइयों के बीच हाथ से बनाए गए स्ट्रेचर पर महिला को लेटाकर करीब 5 किमी तक पैदल चले। जवान महिला को बोटेर और कुदमेल के बीच वहां पहुंचे जहां पहले से एंबुलेंस खड़ी थी। उसके बाद महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओरछा में भर्ती कराया। गांव में जाने का रास्ता नहीं था।

कोटा क्षेत्र के बेलगहना स्थित कुरदर के एथनिक रिसार्ट का मामला

पर्यटन मंडल के रिसॉर्ट में हिरण के शिकार के बाद बनाया उसका मीट, मैनेजर समेत चार गिरफ्तार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में हिरण के शिकार का मामला सामने आया है। पर्यटन मंडल के रिसार्ट में हिरण के शिकार के बाद उसका मीट बनाया गया था। वन विभाग की टीम ने रिसार्ट में छापेमारी कर हिरण के पके मीट बरामद किए है। इसके साथ ही रिसार्ट के मैनेजर समेत 4 कर्मचारियों को मौके से गिरफ्तार किया है। मामला कोटा क्षेत्र के बेलगहना स्थित कुरदर के एथनिक रिसार्ट का है। टीम को सूचना मिली थी की बेलगहना वन परिक्षेत्र के कुरदर स्थित प्राइवेट रिसार्ट में हिरण के शिकार के बाद उसका मांस पकाया जा रहा था। जिसके बाद अधिकारियों की एक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने छापेमारी करते हुए किचन में पहुंची। जहां हिरण के मांस को पकाया जा रहा था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि एथनिक रिसार्ट का संचालन पर्यटन मंडल के द्वारा किया जाता है। इस रिसॉर्ट में 8 से 10 कर्मचारी काम करते हैं। हिरण के मांस का मीट रिसार्ट के मैनेजर और कर्मचारियों के लिए बनाया जा रहा था। टीम ने छापेमारी करते हुए कुक रामकुमार टोप्पो, रिसॉर्ट के मैनेजर रजनीश सिंह समेत दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि सभी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण कानून के उल्लंघन का केस दर्ज किया गया है।

ये रही मामले की खास बातें

पर्यटन मंडल द्वारा संचालित था रिसार्ट रिसार्ट में मैनेजर के लिए पक रहा था मीट, वन विभाग की टीम ने छापेमारी कर पकड़ा, जांच के लिए जबलपुर भेजा गया मांस का सैंपल, मुखबिर की सूचना पर वन विभाग का छापा, मैनेजर ने कहा मांस की जानकारी नहीं वन विभाग के अधिकारियों की पूछताछ में रिसार्ट के मैनेजर रजनीश सिंह ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं कि किचन में जो मांस पकाया जा रहा था वह किस जानवर का है। उन्होंने कहा कि कुक को पता होगा कि मांस किसका है। वहीं, कुक ने कहा कि गांव के एक बैगा ने उसे मांस लाकर दिया था जिस कारण से उसे भी जानकारी नहीं है कि यह मांस किसका है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि किचन से जब्त मांस की जांच के लिए उसके सैंपल को जबलपुर लैब भेजा जाएगा। हिरण का मांस होने पर कार्रवाई की जाएगी।

दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की

छिंदवाड़ा हादसा लापरवाही और दबाव की राजनीति का परिणाम

घायलों से मिलते पटवारी।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू ने हादसे के घायलों से मुलाकात कर पूछी कुशलक्षेम

- घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की
- वरिष्ठ नेतागण इस दौरान उपस्थिति रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी शनिवार को छिंदवाड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लौटते समय हुई भीषण सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से भेंट कर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवारों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

पटवारी ने अस्पताल पहुंचकर दुर्घटना में घायल लोगों से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान विधायकगण सोहन वाल्मीकि, निलेश उइके, सुनील उइके, विजय चौरे, सुजीत चौधरी, जिला कांग्रेस प्रभारी सुनील जायसवाल एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

हादसे के पीड़ित परिवारों से चर्चा करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी।

पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा नहीं दिया: जीतू

जीतू पटवारी ने कहा कि छिंदवाड़ा की यह घटना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। यह केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं, बल्कि सरकार की लापरवाही, अव्यवस्था और जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को डराकर और दबाव बनाकर कार्यक्रम में शामिल किया गया। महिलाओं को 1500 का प्रलोभन देकर सभा में ले जाया गया, जिसके चलते यह दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें 10 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई और कई लोग घायल हुए। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद भी सरकार का रवैया संवेदनहीन रहा और पीड़ित परिवारों को न तो उचित मुआवजा दिया गया और न ही पर्याप्त राहत दी गई।

मामले में ठोस कार्रवाई का अभाव चिंता का विषय

पटवारी ने यह भी कहा कि छिंदवाड़ा में इससे पहले कथित रूप से सिरप पीने से 26 बच्चों की मौत का मामला सामने आया था, जो प्रशासनिक लापरवाही की गंभीर तस्वीर पेश करता है। ऐसे मामलों में ठोस कार्रवाई का अभाव चिंता का विषय है।

पूरे क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल, पुलिस बल तैनात

मामूली विवाद ने ले लिया हिंसक रूप, दो पक्षों में जबरदस्त विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

आजाद चौक थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मोमिन पारा और बढ़ई पारा इलाके में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव फैल गया। हालात को काबू में करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल को मौके पर तैनात करना पड़ा।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विवाद की जड़ एक बाइक टक्कर को बताया जा रहा है। बढ़ई पारा के कुछ नाबालिग लड़कों की बाइक से हुई टक्कर के बाद मोमिन पारा के युवकों के साथ कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते झगड़े में बदल गई। रात करीब 10:30 से 11 बजे के बीच शुरू हुए इस विवाद ने जल्द ही दोनों पक्षों के अन्य लोगों को भी अपनी चपेट में ले आया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब दोनों ओर से लाठी-डंडों के साथ हमला शुरू हो गया।

भय और अफरा-तफरी का माहौल

झड़प में तीन युवकों के सिर पर गंभीर चोटें आईं, जबकि दोनों पक्षों के करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस दौरान कुछ लोगों द्वारा धारदार हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया, जिससे भय और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग थाने पहुंच गए, जिससे माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर 50 से अधिक जवानों और अधिकारियों को तैनात कर स्थिति को नियंत्रण में लिया।

मध्यप्रदेश प्रकृति संरक्षण शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत शिक्षकों को दी ट्रेनिंग

प्रकृति संरक्षण के लिए शिक्षकों का विशेष प्रशिक्षण

प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की कला सिखाने शिक्षकों को दी प्राकृतिक शिक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित मध्यप्रदेश प्रकृति संरक्षण शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमपीटीटीएनसी 2025-2028) के तहत शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2021 में हुए कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज़-26 में प्रारंभ किए गए मिशन लाइफ (लाइफ स्टायल फॉर एनवारनमेंट) के उद्देश्यों से प्रेरित यह प्रशिक्षण डब्ल्यूडब्ल्यूएफ -इंडिया, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान (भोपाल) और पीसीपीसी के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। इसका लक्ष्य प्रकृति के अविवेकपूर्ण उपभोग के स्थान पर सचेत और विचारशील उपयोग को बढ़ावा देना है। शिक्षक प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को प्रकृति संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली के संबंध में प्रशिक्षित कर विद्यार्थियों को जिम्मेदार और जागरुक नागरिक के रूप में विकसित करना है।

पन्ना नेचर कैंप्स के अनुभव से मिली प्रेरणा

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की परिकल्पना पूर्व में आयोजित पन्ना नेचर कैंप्स की सफलता से प्रेरित हो कर की गई है। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ -इंडिया के सहयोग से संचालित इन शिविरों ने पन्ना टाइगर पुनर्स्थापन परियोजना की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लगभग 15 वर्षों तक चले इस प्रयास ने यह सिद्ध कर दिया कि संरक्षण कार्योंमें समाज और समुदाय की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पर्यावरण संरक्षण के संवैधानिक दायित्व पर फोकस

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस तथ्य पर विशेष जोर दिया गया कि राज्यों को पर्यावरण की रक्षा और सुधार का दायित्व देता है, जबकि हर नागरिक को प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करने और सभी जीवों के प्रति करुणा रखने का मौलिक कर्तव्य सौंपता है। इसके तहत वन, झील, नदियां और वन्यजीवों की सुरक्षा को सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में रेखांकित किया गया है। प्रकृति संरक्षण की चुनौतियों पर चर्चा शिक्षक प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम में प्रकृति संरक्षण से जुड़ी वर्तमान चुनौतियों पर भी विस्तृत चर्चा की गई है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह की दी गई समयसीमा के बीच तेज हुआ ऑपरेशन

बस्तर में नक्सल उन्मूलन अभियान निर्णायक दौर में

नक्सलमुक्ति की ओर छत्तीसगढ़: 4 हजार नक्सली आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे

पापाराव के सरेंडर से कमजोर पड़ा माओवाद, माओवादियों की संख्या व हथियारों का जखीरा हुआ कम

जगदलपुर से लौटकर मनीष मान ▶▶

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। अब तक करीब 4 हजार नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में वापसी की है, जिससे नक्सली संगठन बेहद कमजोर हो चुका है। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि माओवादियों की संख्या लगातार घट रही है और हथियारों का जखीरा भी कम हुआ है।

गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 31 मार्च तक देश को नक्सलमुक्त बनाने के लक्ष्य के तहत छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने कार्रवाई और तेज कर दी है। इसके फलस्वरूप सफलता भी मिल रही है।

अभियान की जानकारी देते सुरक्षा बल के अधिकारी।

2024-25 में सुरक्षा बलों ने 600 माओवादी ढेर किए

आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि वर्ष 2024-25 में सुरक्षा बलों ने करीब 600 माओवादियों के शव बरामद किए, जो इस अभियान की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पूरा होने के बाद भी नक्सल विरोधी ऑपरेशन जारी रहेगा, ताकि किसी भी तरह की पुनसक्रियता को रोका जा सके।

सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर हिंसा का रास्ता छोड़ रहे नक्सली

कांकेर और राजनांदगांव सीमा पर मुठभेड़ के बाद चार महिलाएं समेत छह नक्सलियों ने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया। इन नक्सलियों ने सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर हिंसा का रास्ता छोड़ने का फैसला लिया। सबसे बड़ा झटका नक्सल संगठन को तब लगा, जब बस्तर के आखिरी बड़े कैडर पापाराव उर्फ मंगू ने अपने साथियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। वह एके-47 जैसे आधुनिक हथियारों के साथ बीजापुर में सरेंडर करने पहुंचा। पापाराव पश्चिम बस्तर डिवीजन का प्रमुख चेहरा था और उसके समर्पण से संगठन लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है।

फाइल फोटो

26 महीनों में 2700 से अधिक नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके

सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत पिछले 26 महीनों में 2700 से अधिक नक्सली मुख्यधारा में लौट चुके हैं। आईजी सुंदरराज पी. ने शेष नक्सलियों से भी हिंसा छोड़कर सम्मानजनक जीवन अपनाने की अपील की है। उनका कहना है कि और भी नक्सली मुख्यधारा में लौटने के लिए तैयार हैं। इससे साफ है कि छत्तीसगढ़ अब नक्सलमुक्ति की ओर तेजी से बढ़ रहा है और बस्तर क्षेत्र में शांति स्थापना की उम्मीद मजबूत हो गई है।

लंबे समय से बिना सूचना के गायब पटवारी निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बलौदाबाजार

राजस्व विभाग में लापरवाही के चलते एक पटवारी पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। लंबे समय से बिना सूचना ड्यूटी से गायब रहने पर उसे निलंबित कर दिया गया है।

सिमगा राजस्व अनुभाग के अंतर्गत ग्राम धोधा में पदस्थ पटवारी चंद्रप्रकाश 20 फरवरी 2026 से लगातार अपने मुख्यालय से अनुपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने न तो किसी प्रकार की सूचना दी और न ही अवकाश स्वीकृत कराया। उनके इस रवैये के कारण क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे थे, जिससे आम जनता को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर एसडीएम सिमगा ने कार्रवाई करते हुए पटवारी को निलंबित कर दिया। प्रशासन ने इसे छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1966 का उल्लंघन माना है। जारी आदेश के मुताबिक, निलंबन अवधि के दौरान पटवारी का मुख्यालय तहसील कार्यालय सिमगा निर्धारित किया गया है।

जबलपुर, सोमवार 30 मार्च 2026 ■ चैत्र मास शुक्ल पक्ष -12 ■ वर्ष : 20, अंक : 328 ■ पृष्ठ : 2+6+6=14 मूल्य : 3.00 * मौसम अधि. 32 न्यून. 19 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

नगर परिषदों में 4-4, नगर पालिकाओं में 6-6 पार्षद किए गए मनोनीत

प्रदेश के 169 निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई, कहा नागरिक सुविधाओं को दें महत्व

- ये एल्डरमैन परिषदों में निर्वाचित पार्षदों की तरह ही काम करेंगे लेकिन इन्हें मतदान में हिस्सा लेने का अधिकार नहीं होगा
- नियुक्ति बहुत विलंब से हुई है क्योंकि निकायों का कार्यकाल ही लगभग एक साल शेष बचा

विशेष प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

राज्य सरकार ने लंबे इंतजार के बाद रविवार को प्रदेश के 169 नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए। आदेश के जरिए फिलहाल 123 नगर परिषदों में 4-4 और 46 नगर पालिका परिषदों के लिए 6-6 पार्षद (एल्डरमैन) मनोनीत किए गए हैं। ये परिषदों में निर्वाचित पार्षदों की तरह ही काम करेंगे लेकिन इन्हें मतदान में हिस्सा लेने का अधिकार नहीं होगा। हालांकि, नियुक्ति बहुत विलंब से हुई है क्योंकि निकायों का कार्यकाल ही लगभग एक साल शेष बचा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नवनियुक्ति एल्डरमैन को बधाई, शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा की है कि वे नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देंगे। मुख्यमंत्री उन्होंने कहा कि नव नियुक्त सभी एल्डरमैन नागरिक सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दें। शहरों के समग्र विकास, सुशासन और जन-भागीदारी को बढ़ाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी समस्त एल्डरमैन को सौंपी गई है। डॉ. यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि 'विकसित मध्यप्रदेश-विकसित भारत' के संकल्प के साथ नव नियुक्त एल्डरमैन अपनी ऊर्जा, अनुभव और समर्पण से अपने-अपने नगरों में प्रगति के नए आयाम जोड़ेंगे।

डॉ. मोहन यादव

एल्डरमैन की भूमिका मार्गदर्शक की, निर्णायक की नहीं

एल्डरमैन का कार्यकाल परिषद के कार्यकाल के साथ ही समाप्त होता है। ये परिषद के मार्गदर्शक की भूमिका में होते हैं, निर्णायक की नहीं। इसीलिए इन्हें वोट देने का अधिकार नहीं होता। संगठन की सिफारिश पर नियुक्त होने वाले एल्डरमैन परिषद की बैठकों और चर्चाओं में ही सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं। नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति का मुख्य आधार प्रशासनिक अनुभव और नगर पालिका अधिनियम की जानकारी होता है।

मकसद कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करना भी

भाजपा इस बार एल्डरमैन की नियुक्तियों को केवल पद भरने के तौर पर नहीं, बल्कि निकाय चुनावों से पहले कार्यकर्ताओं को एक्टिव करने के रूप में देख रही है। इसलिए नियुक्ति में उन पुराने और अनुभवी नेताओं को प्राथमिकता दी गई है।

महावीर जयंती पर 31 के बजाए 30 मार्च को शासकीय अवकाश

राजधानी भोपाल समेत कई जिलों में महावीर जयंती पर अब 30 मार्च सोमवार को शासकीय अवकाश रहेगा। इससे पहले राज्य सरकार ने 31 मार्च को साामन्य अवकाश घोषित किया था, किंतु कई संगठनों के आग्रह पर सरकार ने इसमें संशोधन कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने अपने आदेश में कहा कि अवकाश घोषित करने की जवाबदारी स्थानीय स्तर पर कलेक्टरों को दी गई है। कलेक्टर स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप

अवकाश के संबंध में निर्णय ले सकेंगे। इसके बाद भोपाल कलेक्टर समेत कई जिलों के कलेक्टरों ने आदेश जारी कर 30 मार्च को अवकाश घोषित कर दिया।

खबर संक्षेप

भारत में जन्मी पहली चीता 'मुखी' तीन साल की हुई

श्योपुर। देश की धरती पर बने चीतों के पहले घर श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में जन्मी पहली मादा शावक 'मुखी' ने 29 मार्च को अपने जीवन के 3 साल पूरे कर लिए हैं। भारत में जन्मी पहली मादा चीता के रूप में मुखी अब चीता पुनर्स्थापन परियोजना की बड़ी उम्मीद बनकर उभरी है।

ममता ने कहा- मेरी जान को खतरा, साजिश की बू

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में चुनावी माहौल के बीच ममता बेनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाए कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है, यहां तक कि उनकी जान को भी खतरा हो सकता है।

हार्वेस्टर ने 3 युवकों को मारी टक्कर, 1 की मौत

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर-छिंदवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग 547 पर एक हार्वेस्टर ने सड़क किनारे खड़े तीन युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक घायल हैं। घायलों का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना ग्राम धुवघट के पास पाइप फैक्ट्री के नजदीक हुआ।

न्यूयार्क में ट्रंप के खिलाफ जुटे लाखों लोग

ट्रंप का भारी विरोध, 'नो किंग्स' रैलियों में शामिल हुए लाखों लोग

ईरान के साथ युद्ध को लेकर अमेरिका से यूरोप तक फैला ट्रंप का भारी विरोध

90 लाख लोगों ने कहा- ट्रंप को रोकिए... वे 'किंग' नहीं

मिनेसोटा के अलावा न्यूयॉर्क, वाशिंगटन, लॉस एंजिल्स, शिकागो और सैन फ्रांसिस्को जैसे बड़े शहरों में हजारों प्रदर्शनकारियों ने हिस्सा लिया

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर हमले को लेकर बुरी तरह फंस गए हैं। यूएस समेत पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और मानवता को वे तबाह करने पर आमादा हैं। इस बात से चिंतित अमेरिका ही नहीं यूरोप भी सड़कों पर आने लगा है। ये लोग कह रहे हैं कि ट्रंप कोई राजा नहीं हैं, जो मनमाना बर्ताव कर रहे हैं। इनको रोकना होगा। इनकी सनक को रोकना होगा। अन्यथा, दुनिया की बर्बादी तय हो जाएगी। शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 'नो किंग्स' यानी 'कोई राजा नहीं' के बैनर तले हजारों रैलियां हुईं। यूरोप, लैटिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में भी लोग सड़कों पर उतरे।

सभी 50 राज्यों में 3,100 से अधिक कार्यक्रम रजिस्टर्ड किए गए

यूरोप, लैटिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में भी लोग सड़कों पर उतरे

ट्रंप व उनके समर्थक देशों के प्रमुखों के पुतले

उल्टा झंडा यानी ऐतिहासिक संकट का संकेत

सेंट पॉल में मिनेसोटा कैपिटल के लॉन और आस-पास की सड़कों पर हजारों लोग कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे। कुछ लोगों के हाथों में अमेरिका के उलटे झंडे थे, जो ऐतिहासिक रूप से संकट का संकेत माना जाता है। अमेरिकी आयोजकों का अनुमान है कि 90 लाख लोग इन विरोध प्रदर्शनों में शामिल हुए।

शेयर बाजार का बुरा हाल

7 बड़ी कंपनियों के 1.75 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली। युद्ध के बीच बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों के लिए किसी झटके से कम नहीं रहा। देश की सबसे मूल्यवान टॉप-10 कंपनियों में से सात को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है। चंद दिनों के भीतर ही इन दिग्गज कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू (बाजार पूंजीकरण) में से 1.75 लाख करोड़ रुपए साफ हो गए। पूरे हफ्ते के कारोबार पर नजर डालें तो बीएसई का प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत लुढ़क गया।

दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी भीषण नाराजगी

1 ग्रीस

राजधानी एथेंस में अमेरिकी दूतावास के बाहर युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। यह अमेरिका में चल रहे 'नो किंग्स' आंदोलन के समर्थन में था।

2 इटली

राजधानी रोम में लोगों ने कई बड़े नेताओं के पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मिलोनी और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन किए।

3 फ्रांस

राजधानी पेरिस में एक महिला स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के रूप में तैयार होकर प्रदर्शन में शामिल हुई। पेरिस, लंदन और लिस्बन जैसे शहरों में भी लोगों ने सड़कों पर उतरकर ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन किया।

बालाघाट में चलती कार बनी आग का गोला

3 की जिंदा जलकर मौत आठ साल की बच्ची बची

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बालाघाट

जिले में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें चलती आल्टो कार दुर्घटनाग्रस्त होकर आग का गोला बन गई। इस हादसे में कार में सवार तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं एक 8 वर्षीय बच्ची सुरक्षित बच गई।

ई-स्कूटी में ब्लास्ट शादी का सारा सामान जलकर खाक

शहडोल। जिले के अमलाई थाना क्षेत्र में शनिवार रात चार्जिंग में लगी एक ई-स्कूटी में अचानक ब्लास्ट हुआ और घर में खड़ी दो बाइक, एक ई-स्कूटी, लाखों रुपये के जेवरात, करीब दो लाख नकद और बेटी की शादी का पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया।

मप्र विधानसभा के हॉल में दो दिन चलेगा

युवा विधायक सम्मेलन आज से 3 राज्यों के विधायक होंगे शामिल

45 वर्ष से कम उम्र वाले मध्यप्रदेश के 37, राजस्थान के 13 और छत्तीसगढ़ के 13 विधायक आएंगे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं राजस्थान के युवा विधायकों का दो दिनी सम्मेलन 30-31 मार्च को मप्र विधानसभा में आयोजित होने जा रहा है। इसमें 45 वर्ष से कम उम्र वाले मध्यप्रदेश के 37, राजस्थान के 13 और छत्तीसगढ़ के 13 विधायक शामिल होंगे। सम्मेलन में मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी उपस्थित रहेंगे।

केरलम में पीएम मोदी का अलग अंदाज

धोती पहन मशहूर ड्रम 'चेंडा' पर आजमाया हाथ

एजेंसी ▸▸ पल्लकड़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को केरल दौरे पर रहे। उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में पलक्कड़ में जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करने से पहले उन्होंने केरल के मशहूर ड्रम 'चेंडा' पर हाथ आजमाया।

हवा में ही था इंडिगो का विमान

इमरजेंसी गेट खोलने लगा शख्स पकड़ा तो बोला- 'भूत ने करवाया'

शनिवार रात को बेंगलुरु से वाराणसी जा रही फ्लाइट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

शनिवार रात को बेंगलुरु से वाराणसी जा रही इंडिगो फ्लाइट 6ई-185 में एक यात्री ने दो बार इमरजेंसी एग्जिट डोर खोलने की कोशिश की। यात्री मोहम्मद अदनान ने पहली बार उड़ान भरने के 15 मिनट बाद और दूसरी बार लैंडिंग से ठीक पहले, जब विमान 500 फीट की ऊंचाई पर था, दरवाजा खोलने का प्रयास किया। दूसरी कोशिश के बाद पायलट ने लैंडिंग रद्द कर दी और विमान 10:35 बजे सुरक्षित उतरा, जिसके बाद अदनान को सुरक्षाकर्मियों के हवाले कर दिया गया। पूछताछ में अदनान ने पहले भूत चढ़ने का बहाना बनाया, फिर कहा कि उसे नहीं पता था कि वह हैंडल इमरजेंसी एग्जिट का है। इस घटना से विमान में मौजूद सभी यात्री डर गए और हड़कंप मच गया। प्रोटोकॉल के तहत अदनान को तुरंत एयरलाइन सिक्योरिटी और सीआईएसएफ के हवाले कर दिया गया। पुलिस को सूचना देकर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। अदनान ने कहा कि वह गोवा से छुट्टियां मनाकर लौट रहा था और उसे नहीं पता था कि वह हैंडल इमरजेंसी एग्जिट का है।

अदनान (आरोपी)

फाइल फोटो

प्रदेश में बाकी जगहों पर 37 से 38 डिग्री के बीच रहा तापमान

खजुराहो में 39.8 और मंडला-नौगांव में 39 डिग्री तक गर्मी

आज कई जिलों में आंधी- बौछारें भोपाल में सोमवार रात से मंगलवार के बीच बदलेगा मौसम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

ज्यादातर जिलों में बादलों के आने-जाने और कुछ जगह बूंदाबांदी के बीच रविवार को तापमान में डेढ़ से दो डिग्री तक बढ़त रही। राजस्थान की गर्म हवाओं और बादलों के असर से दिन और रात के तापमान में यह बढ़त दर्ज हुई है।

प्रदेश में सबसे गर्म रहे खजुराहो में दिन का पारा 39.8 डिग्री रहा, जबकि मंडला और नौगांव में 39 डिग्री तक दर्ज हुआ है। इन जिलों में करीब दो से 3 डिग्री तक बढ़त रही। भोपाल में दशमलव 4 डिग्री बढ़कर 36.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से दशमलव एक डिग्री अधिक है।

औसत अधिकतम पारे में करीब डेढ़ डिग्री की बढ़त

अधिकांश जिलों में रविवार को गर्मी में कुछ वृद्धि हुई है। करीब एक दर्जन जिलों में दिन का पारा 37 से 38 डिग्री के बीच रहा। इनमें दतिया, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, खंडवा, खरगौन, सतना, सिवनी और उमरिया में 38 डिग्री तक रहा। प्रदेश में औसत अधिकतम पारे में करीब डेढ़ डिग्री की बढ़त रही। वहीं, रात में एक डिग्री तक बढ़कर औसतन 21 डिग्री तक पहुंच गया। भोपाल में 2.6 डिग्री बढ़कर 22.2 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.3 डिग्री ज्यादा है।

पलक्कड़ में पीएम मोदी की महारैली, जनता को किया संबोधित, बोले

एलडीएफ-यूडीएफ ने किया सत्ता का व्यापार, एक भ्रष्ट तो दूसरा महाभ्रष्ट, राज्य को लूटकर आपस में 'बांटा'

दोनों ही गठबंधन वोट बैंक की राजनीति में लिप्त और राज्य हो रहा बेहाल

एजेंसी ▶▶ पलक्कड़

पीएम नरेंद्र मोदी केरल विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए पलक्कड़ पहुंचे। यहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री पारंपरिक केरल मुंडू (धोती) पहने हुए नजर आए। जनसभा में पहुंचने पर प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार उन्हें केरल में एक अलग ही माहौल दिखाई दे रहा है। भीड़ के उत्साह को देखकर कहा कि पलक्कड़ का यह मिजाज अब एक आंदोलन बन चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केरल के युवा, महिलाएं और किसान अब भाजपा और एनडीए पर पूरा भरोसा कर रहे हैं। उन्होंने उन कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने केरल में राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी जान गंवाई है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि दशकों से केरल दो प्रमुख गठबंधनों वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के बीच फंसा हुआ है। उन्होंने कहा कि दोनों ही गठबंधन वोट बैंक की राजनीति में लिप्त हैं और राज्य के विकास की अनदेखी करते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने केरल की सुंदरता की तारीफ करते हुए कहा कि इसे 'सुंदरतम' क्यों कहा जाता है?

लोगों से किए केवल खोखले वादे

पारंपरिक केरल मुंडू (धोती) पहने हुए नजर आए

अब यहां बदलाव नहीं जनआंदोलन दिखाई दे रहा

विकास करना इनसे कोसों दूर दिख रहा

पलक्कड़ में महारैली को संबधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, साथ में वरिष्ठ पार्टीजन

एक नई ऊर्जा और बदलाव की लहर

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें केरल में एक नई ऊर्जा और बदलाव की लहर महसूस हो रही है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय राज्य की जनता और भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि कई कार्यकर्ताओं ने राजनीतिक हिंसा के कारण अपने प्राण गंवाए हैं और उन्होंने मंच से उन सभी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना

विपक्ष पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि केरल दशकों से स्वार्थी राजनीति के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ को 'भ्रष्ट' और 'महाभ्रष्ट' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों गठबंधनों की नीतियां केवल वोटबैंक के लिए होती हैं और इन्हें विकास की कोई परवाह नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन दोनों ने दशकों तक केरल को लूटा और आपस में लाभ बांटा है। इनके बीच समझौता था कि कुछ साल एक सरकार चलाएगी और फिर दूसरी।

असम चुनाव के लिए कांग्रेस ने दी 6 गारंटी

महिलाओं के खाते में पैसे 25 लाख का कैशलेस इलाज

लखीमपुर। असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए कांग्रेस ने रविवार को 6 गारंटी का ऐलान किया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लखीमपुर में एक चुनावी जनसभा में इन पांच गारंटी का ऐलान किया। असलियत में यहां 'डबल लूट' की सरकार है।

कांग्रेस ने कहा

- हर महिला के बैंक खाते में बिना शर्त मासिक नकद हस्तांतरण
- व्यवसाय शुरू करने या बढ़ाने के लिए 50,000 की धनराशि
- हर परिवार को 25 लाख की कैशलेस हेल्थ कवर की गारंटी होगी

जारी की 284 नामों की सूची

बहरामपुर से अधीर रंजन

कोलकाता। बंगाल चुनाव के लिए कांग्रेस ने 294 सीटों में से 284 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान किया है। अधीर रंजन चौधरी बहरामपुर सीट से लड़ेंगे।

शाह ने सोनितपुर में चुनावी सभा में किया ऐलान

असम से हर घुसपैठिए की पहचान कर हटाएंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को असम के सोनितपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अगले 5 सालों में हम अपने राज्य से हर घुसपैठिए की पहचान करने और उसे हटाने का संकल्प लेते हैं। शाह ने जनता से कहा कि आपको ऐसे असम के लिए वोट देना चाहिए जो घुसपैठियों से मुक्त हो।

मुख्यमंत्री ममता की हुंकार

भाजपा अगर बंगाल में आई तो नॉनवेज खाना बंद कर देगी

पुरलिया। बंगाल में सत्ताधारी टीएमसी की तरफ से सीएम ममता बेनर्जी ताबड़तोड़ प्रचार अभियान में जुटी हुई हैं। इस बीच उन्होंने पुरुलिया में भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि अगर यहां में भाजपा आई तो लोग नॉनवेज नहीं खा पाएंगे। महिलाओं को लक्ष्मी भंडार से लाभ हुआ है, भाजपा चुनाव से पहले कुछ धनराशि देगी लेकिन बाद इसे बंद कर देगी। बंगाल चुनाव से पहले, एसआईआर के माध्यम से 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए।

शाह पर साधा निशाना

ममत ने कहा कि भाजपा के एक बड़े नेता ने टीएमसी के खिलाफ अपना 'आरोपपत्र' दाखिल कर दिया है। उनके खिलाफ भी 'आरोपपत्र' दाखिल किया जाना चाहिए। गुजरात में इतने दंगे हुए थे। लोग कहते हैं कि मैं पट्टी बांधकर घूमती हूं, मैंने मौत को मात दी है। डॉक्टर की रिपोर्ट देखें।

तमिलनाडु में टीवीके ने जारी की प्रत्याशियों की सूची

पार्टी प्रमुख विजय 2 सीटों से मैदान में उतरेंगे

तमिलनाडु चुनाव में टीवीके प्रमुख विजय ने रविवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। विजय ने घोषणा की कि चुनावों में दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ेंगे।वे चेन्नई के पेराम्बुर और त्रिची ईस्ट से 'सी जोसेफ विजय' के रूप में मैदान में उतरेंगे। विजय ने कहा मैंने ऐसे उम्मीदवार चुने हैं जो जनता के साथ खड़े होंगे।

बीआरएस के 24 विधायक दो दिन के लिए निलंबित

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा में सोमवार को भारी सियासी ड्रामा देखने को मिला। सदन की कार्यवाही में लगातार बाधा डालने और हंगामा करने के आरोप में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 24 विधायकों को दो दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। इस निलंबन के बाद विपक्षी दल ने सरकार पर लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाया है।

भ्रष्टाचार और अवैध खनन के आरोप पर भिड़े

पूरे विवाद की जड़ सूबे के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी पर लगे कथित भ्रष्टाचार और अवैध खनन के आरोप हैं। सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू हुई। मुख्य विपक्षी दल बीआरएस के विधायक इस मुद्दे को लेकर आक्रामक हो गए। विपक्षी सदस्यों ने मांग की कि इन आरोपों की जांच के लिए 'हाउस कमेटी' बनाई जाए। विपक्षी दल ने इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव लाने की भी कोशिश की।

2 मां और 2 बच्चों की मौतः चारों को ट्रकों ने कुचल दिया

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए 2दर्दनाक सड़क दुर्घटनाओं में कुल 4लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इन घटनाओं के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

डीसीएम ने ईरिक्शा में टक्कर मारी

डीसीएम लेकर भागने के प्रयास में ईरिक्शा में टक्कर मार दी। जिससे ई रिक्शा में सवार चालक समेत 5 लोग घायल हो गए। पठान पुरवा निवासी इसराइल अपनी पत्नी शाहमीन और तीन बेटियों के साथ बाइक से नीमगांव अपने मामा के यहां शादी समारोह में जा रहे थे। इसराइल ने बताया वह लखीमपुर मोहम्मदी मार्ग स्थिति राजेपुर गांव का पास पहुंचे थे।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने देशवासियों को किया संबोधित

कांग्रेस दुष्प्रचार कर जान खतरे में डाल रही

हमारे पड़ोस में भीषण युद्ध चल रहा, लोग अफवाहों से बचें और संयम बनाए रखें

इस दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' और प्रेरक प्रयासों का जिक्र भी किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मासिक रेडियो प्रोग्राम 'मन की बात' के 132वें एपिसोड को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इस एपिसोड की शुरुआत में मिडिल ईस्ट तनाव और ऊर्जा संकट का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान ऊर्जा संकट की स्थिति में भारत डटकर इसका मुकाबला कर रहा है।पीएम मोदी ने कहा हम सभी की अपेक्षा थी कि कोरोना के संकट से निकलने के बाद दुनिया एक नए सिरे से प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगी। लेकिन वर्तमान काल में दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में युद्ध और संघर्ष की स्थिति बनती चली गई है। हमारे पड़ोस में एक माह से भीषण युद्ध चल रहा है। खाड़ी देशों का आभार जताते हुए कहा कि हमारे लाखों परिवारों के सगे- संबंधी इन देशों में रहते हैं, खासतौर पर खाड़ी देशों में काम करते हैं। मैं गल्फ देशों का आभारी हूं कि वे ऐसे एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों को वहां पर हर प्रकार की मदद दे रहे हैं। दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल को लेकर संकट की स्थिति बनती जा रही है।

इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए

पीएम मोदी ने बताया कि भारत ऊर्जा संकट का मुकाबला कर रहा है। उन्होंने देश के लोगों से एकजुटता की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे वैश्विक संबंध, अलग-अलग देशों से मिल रहा सहयोग और पिछले एक दशक में जो देश का सामर्थ्य बना है, इनकी वजह से भारत इन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला कर रहा है। यह चुनौतीपूर्ण समय है। सभी देशवासियों से आग्रह करूंगा कि एकजुट होकर उस चुनौती से बाहर निकलना है। जो लोग इस विषय पर भी राजनीति कर रहे हैं, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। यह देश का सवाल है।

लोगों के जज्बे को सराहा

मोदी ने वाराणसी में हुए एक प्रेरक प्रयास का जिक्र किया। वहां सिर्फ एक घंटे में 2 लाख 51 हजार से अधिक पौधे लगाए गए और इस प्रयास ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस काम की सबसे खास बात यह थी कि हजारों लोग एक साथ जुड़े। छात्र, जवान, स्वयंसेवी संगठन और विभिन्न संस्थाओं ने मिलकर इसे संभव बनाया। यह जनभागीदारी का स्वरूप पहले से ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में दिखाई देता है। इस अभियान के तहत पूरे देश में करोड़ों पेड़ लगाए गए हैं।

जल संरक्षण पर भी दिया

पीएम मोदी ने देशवासियों से जल संरक्षण को लेकर जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है और यह समय जल संरक्षण के संकल्प को दोहराने का है। पीएम मोदी ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में 'जल संचय अभियान' ने देशभर में लोगों को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया है। इस अभियान के तहत करीब 50 लाख कृत्रिम जल संचयन संरचना बनाए गए हैं।कई स्थानों पर पुराने तालाबों की सफाई की जा रही है और बरसात के पानी को सहेजने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। मोदी ने बताया कि अमृत सरोवर अभियान के तहत देशभर में लगभग 70 हजार अमृत सरोवर बनाए गए हैं। मोदी ने कहा कि त्रिपुरा की जंपुई पहाड़ियों में स्थित वांगमुन गांव 3000 फीट की ऊंचाई पर बसा है। गांव वालों ने बारिश के पानी को सहेजने का संकल्प लिया।

शुगर और तेल का इस्तेमाल कम करें

प्रधानमंत्री ने कहा,जीवनशैली और खानपान में थोड़ा बदलाव करने से कई बीमारियों से बचाव में मदद मिल सकती है।खाने में शुगर व तेल की कटौती और रोजाना व्यायाम सबसे अहम है। पीएममोदी ने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

साइंस एजुकेशन में नवाचार को सराहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक पुरानी कहावत है 'करत करत अभ्यास के, जड़मत होत सुजान' यानी हम जब निरंतर अभ्यास करते हैं तो उतनी ही ज्यादा बुद्धिमत्ता हासिल करते जाते हैं। लोग भी सबसे बेहतर तब सीखते हैं जब उनकी सक्रिय भागीदारी होती है। उन्होंने बताया कि उन्हें बेंगलुरु में शिक्षा से जुड़े एक अनोखे प्रयास के बारे में जानकारी मिली है।

फिटनेस और स्वास्थ्य पर ध्यान दें, दुआ को किया याद

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से फिटनेस और स्वास्थ्य पर ध्यान देने का आग्रह किया। अफ्रीका के जिबूती में अल्मिस जी अरविंद योग सेंटर के माध्यम से योग को बढ़ावा दे रहे हैं। वे लोगों को योग सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर युवराज दुआ की पोस्ट पर उनके पिता के शुगर सेवन को कम करने पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

सरकार का दावा-उपलब्धता में हो रहा सुधार

देश में 6,000 पीएनजी ग्राहकों ने छोड़ा एलपीजी का कनेक्शन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

करीब 6,000 पीएनजी ग्राहकों ने एलपीजी कनेक्शन को छोड़ दिया है। इससे उन लोगों के लिए एलपीजी उपलब्धता में सुधार होगा, जिनके घरों के आसपास पीएनजी की सुविधा नहीं है। यह जानकारी पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सचिव नीरज मित्तल ने 'एक्स' पर दी। मित्तल ने पोस्ट में कहा कि शुक्रवार तक लगभग 6000 पीएनजी उपभोक्ताओं ने अपना एलपीजी कनेक्शन छोड़ दिया। उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद! सभी नागरिकों के इस मजबूत और साहसी समूह में शामिल हों, जिन्होंने बिना पीएनजी वाले लोगों को एलपीजी दिलाने में मदद करने के लिए एलपीजी कनेक्शन का उपयोग बंद कर दिया है। उन्होंने अन्य लोगों से भी एलपीजी छोड़ने का आग्रह किया जिनके पास पीएनजी कनेक्शन हैं।

और अभी भी एलपीजी का लाभ उठा रहे हैं। शनिवार को देशभर में 54 लाख से ज्यादा एलपीजी सिलेंडर्स की डिलेवरी हुई है।

देवबंद में होटल पर फायरिंग, तोड़फोड़

सहारनपुर। जिले के देवबंद में स्टेट हाइवे स्थित वीआईपी रोज होटल पर रविवार तड़के बाइक सवार युवकों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई। फायरिंग के दौरान होटल कर्मचारियों ने कमरों में छिपकर अपनी जान बचाई। गोलियां लगने से होटल के शीशे चकनाचूर हो गए।

गाजियाबाद में ऑयल फैक्ट्री में आग का तांडव

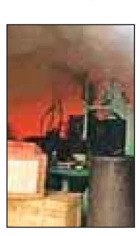

गाजियाबाद। साउथ साइड जीटी रोड इंडस्ट्रियल एरिया स्थित आजाद ऑयल एक्सपेलर फैक्ट्री में रविवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। फैक्ट्री में तेल, कच्चा माल और पैकिंग के गत्ते बड़ी मात्रा में रखे होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से दिखाई दे रहा था।

आद्रा रेलमंडल की 6 ट्रेनें 5 अप्रैल तक रद्द

चक्रधरपुर। आद्रा रेल मंडल में 31 मार्च से लेकर 5 अप्रैल तक रेल प्रशासन रोलिंग ब्लॉक लेकर रेल लाइन को दुरुस्त करने का कार्य करेगी। दक्षिण पूर्व रेलवे ने 6 ट्रेनों का परिचालन विभिन्न तिथियों में रद्द करने की घोषणा कर दी है। रेलवे ने 2 ट्रेनों को गंतव्य से पहले ही शोर्ट टर्मिनेशन और शोर्ट ओरिजिनेशन कर चलाने का फैसला किया है।

अल्मोड़ा में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 2 युवकों की मौत

अल्मोड़ा। तहसील देघाट के ग्राम चिन्तोली में रविवार को एक

दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। ग्राम प्रहरी चंदन सिंह ने घटना की सूचना थाना देघाट को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

कृषि मंत्री की अध्यक्षता में मंडी बोर्ड में हुई वार्षिक बजट बैठक

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन मंडी बोर्ड की वार्षिक बजट बैठक (बोर्ड) बैठक अध्यक्ष एवं कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना की अध्यक्षता में हुई। बैठक में निशांत बरबड़े सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग , आयुक्त सह प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम , देवेंद्र पी सिंह ज्वाइंट कमिश्नर सहकारिता, मंडी बोर्ड सदस्य अरुण सोनी ऑनलाइन जुड़े। इस मौके पर अनुराग सक्सेना अपर प्रबंध संचालक, आरआर अहिरवार अपर संचालक, मधुकर पवार अधीक्षण यंत्री , भारत भूषण सिंह चौधरी अधीक्षण यंत्री, योगेश नागले सहायक संचालक तथा मंडी बोर्ड के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों को चेतावनी दी

उत्तराखंड व पहाड़ी राज्यों में गिरेगी बर्फ-बारिश

कुछ राज्यों में गरज-चमक के साथ ओले भी गिरेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर पश्चिम भारत में अभी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। इसमें सोमवार को सबसे ज्यादा बारिश होगी। कश्मीर घाटी में बर्फबारी भी हो सकती है। उत्तर पश्चिमी भारत औरमध्य भारत के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि होने की संभावना है। इस हफ्ते के दौरान उत्तर पूर्वी और उससे सटे पूर्वी भारत में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ कहीं-कहीं से लेकर काफी बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है। एक अप्रैल के बीच उत्तर पूर्वी भारत में कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। इस हफ्ते के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ कहीं-कहीं बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।

अकोला रहा सबसे गर्म

महाराष्ट्र, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, आंतरिक ओडिशा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी मध्य प्रदेश के कई स्थानों पर, राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, दक्षिणी केरल के कुछ स्थानों पर और राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा, केरल में अधिकतम तापमान सीमा में रहा। अधिकतम तापमान 41.2 अकोला में दर्ज किया गया।

4 अप्रैल तक मौसम में रहेगा बदलाव

उत्तर पश्चिम भारत में 2 और 3 अप्रैल को जम्मू कश्मीर, लद्दाख, गिलगित बाल्टिस्तन, मुजफ्फराबाद में, 30 मार्च और फिर 3 और 4 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में, 29-31 मार्च को उत्तराखंड में, काफी बड़े इलाके से लेकर बड़े इलाके तक हल्की से मध्यम बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है।

पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में हल्की से मध्यम बारिश संभावित

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में कुछ जगहों से लेकर बिखरी हुई हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 30 मार्च को कश्मीर घाटी में कुछ जगहों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, जम्मू कश्मीर, पश्चिमी राजस्थान,हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पूर्वी राजस्थान, उत्तराखंड में कुछ जगहों पर ओले गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

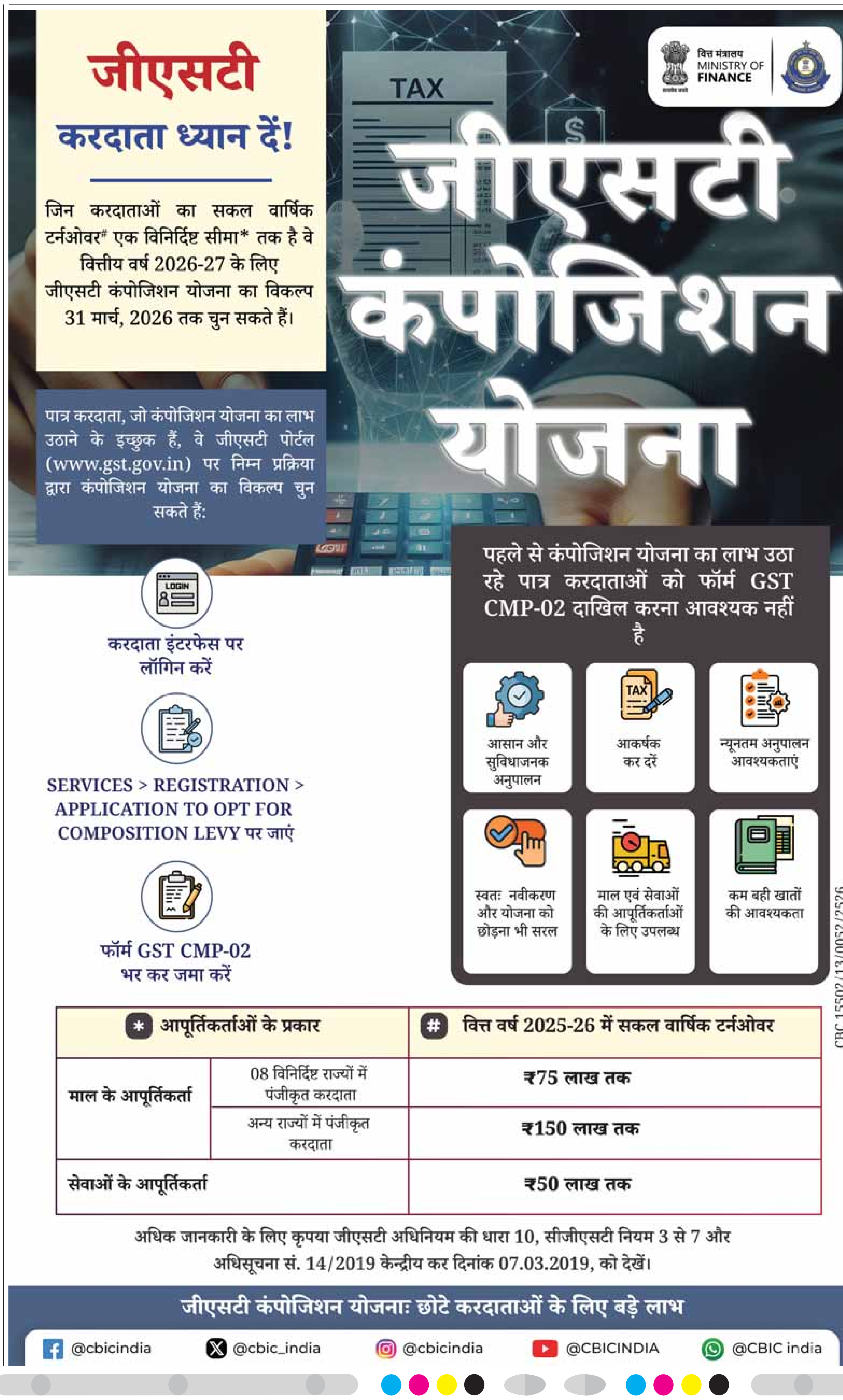

पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया : एलपीजी सिलेंडरों की ऑनलाइन बुकिंग 94 फीसदी तक बढ़ गई

55 लाख से ज्यादा सिलेंडर हुए वितरित, केंद्र सरकार बोली-एलपीजी आपूर्ति सामान्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पेट्रोलियम मंत्रालय ने रविवार को स्पष्ट किया है कि देश में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य है। अब तक 55 लाख से अधिक एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए।

इसके साथ ही 64,000 पांच किलोग्राम के फ्री-ट्रेड सिलेंडरों की बिक्री भी हुई। मंत्रालय के अनुसार किसी भी एलपीजी वितरक पर स्टॉक खत्म होने (ड्राई-आउट) की कोई रिपोर्ट नहीं है।

एलपीजी सिलेंडर

ऑनलाइन बुकिंग में बढ़ोतरी

उद्योग स्तर पर एलपीजी सिलेंडरों की ऑनलाइन बुकिंग 94 प्रतिशत तक बढ़ गई है। वितरकों के स्तर पर किसी भी तरह के विचलन को रोकने के लिए, डिलीवरी प्रमाणीकरण कोड (डीएसी) आधारित डिलीवरी का प्रतिशत फरवरी में 53 प्रतिशत से बढ़कर 84 प्रतिशत हो गया है।

एलपीजी कनेक्शन छोड़ने वालों को कहा- थैंक्यू

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सचिव नीरज मित्तल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कल तक लगभग 6000 पीएनजी उपभोक्ताओं ने अपना एलपीजी कनेक्शन छोड़ दिया। उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद! आप भी उन नेक नागरिकों के इस मजबूत और साहसी समूह में शामिल हों, जिन्होंने बिना पीएनजी वाले लोगों को एलपीजी दिलाने में मदद करने के लिए एलपीजी कनेक्शन का उपयोग बंद कर दिया है।

रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर कर रहीं काम

सरकार की ओर से बताया गया है कि सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। देश में पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक बना हुआ है। घरेलू खपत का समर्थन करने के लिए रिफाइनरियों से घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया है। देश भर में सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।

सरकार ने उपभोक्ताओं से की अपील

सरकार ने उपभोक्ताओं से एलपीजी बुकिंग ऑनलाइन करने और एलपीजी वितरकों के पास जाने से बचने का आग्रह किया है। नागरिकों से वैकल्पिक ईंधनों जैसे पीएनजी और इंडक्शन/इलेक्ट्रिक कुकटॉप का उपयोग करने का भी अनुरोध किया गया है। सरकार ने कहा कि सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपने दैनिक उपयोग में ऊर्जा संरक्षण के लिए आवश्यक प्रयास करें।

शासन-प्रशासन के आदेश के बाद भी होटल रेस्तरा संचालकों को नहीं मिल रहा गैस सिलेंडर

वाणिज्य प्रतिनिधि.भोपाल । केंद्र सरकार के दिशा निर्देश और आदेश के बावजूद राजधानी भोपाल के होस्टल और रेस्टोरेंट संचालकों को सिलेंडर नहीं मिल रहा है। गैस की किल्लत से होटल-रेस्टोरेंट संचालक परेशान है।

भोपाल होटल-रेस्टोरेंट व्यवसायी एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली जो रंजीत होटल के खुद संचालक हैं का कहना है कि पहला आदेश 23 मार्च को जारी हुआ इसके बाद दूसरा आदेश 27 मार्च 2026 को केंद्र सरकार द्वारा जारी किया गया कि होटल संचालकों को 10 फीसदी और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति मिलेगी। बावजूद इसके होटल-रेस्टोरेंट व्यवसायी को कमर्शियल गैस सिलेंडर सप्लाई नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर प्रशासन द्वारा कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति देने का

कमर्शियल सिलेंडर

आदेश कंपनियों को दिया गया, लेकिन कंपनियों और गैस एजेंसियों द्वारा होटल-रेस्टोरेंट को अभी भी सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। राजधानी भोपाल में 2 हजार से अधिक और समूचे मध्यप्रदेश में 50 हजार से अधिक होटल और रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि कई छोटे व्यवसायियों को अपनी दुकानें बंद करनी पड़ी हैं। कारोबार चौपट होने की कगार पर पहुंच चुका है, जिससे व्यापारियों में नाराजगी बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने रेस्तरां, ढाबों और कैंटीनों के लिए, 20 प्रतिशत गैस कोटा आवंटित करने के निर्देश दिए थे। लेकिन राजधानी भोपाल में सरकारी आदेश जारी हुआ और होटल -रेस्टोरेंट वालों को 9 फीसदी सिलेंडर की बात कही गई, इसके बावजूद व्यवसायी को सिलेंडर नहीं मिला। जानकारों का कहना है कि उद्योगों की परेशानी दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को वाणिज्यक एलपीजी का आवंटन 20 प्रतिशत तक बढ़ाकर युद्ध से पहले की मांग का 70 प्रतिशत कर दिया है। जिसमें इस्पात, ऑटोमोबाइल, कपड़ा, रंगाई, केमिकल और प्लास्टिक जैसे उद्योगों की परेशानी को कम करने और इन उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके, लेकिन देखना यह होगा कि व्यवधान जारी है।

होटल एसोसिएशन ने जताई चिंता

तेजकुलपाल सिंह पाली

एमपी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी ने बताया कि पिछले 6-7 दिनों से प्रदेश के किसी भी होटल या रेस्टोरेंट को एक भी कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई नहीं हुई है। भोपाल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली ने कहा कि बाजार में यह अफवाह चल रही थी कि होटल मालिकों को कमर्शियल सिलेंडर मिल रहे हैं, लेकिन मुझे अब तक एक सिलेंडर भी नहीं मिला। भोपाल स्थित गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि प्राप्त हो रही गाड़ियों में केवल घरेलू गैस सिलेंडर मिल रहे हैं कमर्शियल सिलेंडर नहीं। मध्यप्रदेश फेडरेशन चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहाकि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष का असर स्टील, सिरेमिक, ग्लास और प्लास्टिक उद्योग सहित उन सभी उद्योगों पर पड़ा है।

नमकीन और मिठाइयों की कीमतें भी प्रभावित हुईं

कारोबारी प्रेमनारायण यादव ने कहा कि आम आदमी के घर के बजट में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि हो गई है। कई क्षेत्रों पर इसका असर देखने को मिल रहा है। जिसमें खाद्य उद्योग जो कि पूरी तरह से एलपीजी गैस पर निर्भर करता है। इसकी आपूर्ति कम होने की वजह से नमकीन, मीठाई और मठरी बनाने की लागत 10 प्रतिशत तक बढ़ी है, साथ ही प्लास्टिक पैकेजिंग की लागत 25 प्रतिशत बढ़ने की वजह से 100 रुपए की नमकीन या मिठाई अब 150 रुपए तक बढ़ गई है।

वाणिज्यिक जीएसटी विभाग ने जारी की

एक अप्रैल 2026 से वर्चुअल 'व्यक्तिगत सुनवाई' के लिए मानक संचालन प्रक्रिया

वाणिज्य डेस्क ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश के वाणिज्यिक कर विभाग ने जीएसटी कार्यवाही में वर्चुअल व्यक्तिगत सुनवाई को अनिवार्य बनाने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। यह नया प्रोटोकॉल 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। विभाग ने बताया कि कर प्रशासन को पारदर्शी, कुशल और प्रौद्योगिकी-आधारित बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। इस निर्णय का उद्देश्य कर संबंधी कार्यवाही की प्रत्यक्ष प्रणाली को मजबूत करना और कर कार्यालयों में जाने की आवश्यकता को कम करना है। नई मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत मध्य प्रदेश वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम, 2017 की धारा 73, 74 और 74ए के अंतर्गत आने वाले मामलों में व्यक्तिगत सुनवाई, साथ ही विशिष्ट अपील कार्यवाही, वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी। कर मांग, जुर्माना या अन्य कार्रवाई के आदेश पारित करने से पहले ऐसी सुनवाई प्रभावी होगी।

विभाग की वर्चुअल सुनवाई इस बात की पुष्टि करेगी कि करदाताओं को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का उचित अवसर प्रदान किया जाता है, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के लिए महत्वपूर्ण है। मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत एनआईसी वेबएक्स, गूगल मीट या माइक्रोसॉफ्ट टीम्स जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुनवाई आयोजित करने की अनुमति है। करदाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों को सुनवाई से आमतौर पर एक दिन पहले बीओ पोर्टल, पंजीकृत ईमेल या मोबाइल नंबर के माध्यम से तिथि, समय और वर्चुअल मीटिंग लिंक प्राप्त होगा।

सुनवाई के बाद अधिकारी व्यक्तिगत सुनवाई का रिकॉर्ड पीडीएफ प्रारूप में तैयार करेगा

सुनवाई के बाद, अधिकारी व्यक्तिगत सुनवाई का रिकॉर्ड पीडीएफ प्रारूप में तैयार करेगा और उसकी एक प्रति करदाता को ईमेल के माध्यम से भेजेगा। विभाग ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक रूप से दाखिल किए गए दस्तावेज और वर्चुअल सुनवाई के रिकॉर्ड को जीएसटी कानून और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत वैध कानूनी रिकॉर्ड माना जाएगा।मानक परिचालन नीति (एसओपी) के तहत वर्चुअल सुनवाई अनिवार्य है।

पंप इंडस्ट्री ने सरकार के स्थिरता लाने वाले कदमों का किया स्वागत

नई दिल्ली। प्रमुख पंप निर्माता संगठनों इंडियन पंप मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच देश में स्थिरता और सामान्य स्थिति बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का स्वागत किया है। इंडस्ट्री संगठनों ने सुझाव दिया है कि मौजूदा वैश्विक उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए कुछ लक्षित नीतिगत सहायता उपायों की जरूरत है।

संगठनों ने पिछले छह महीनों में कच्चे माल की कीमतों में आई बढ़ोतरी पर गंभीर चिंता जताई है। जिसमें एमएसएमई आधारित पंप मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर भारी दबाव पड़ रहा है। पिछले एक साल में कॉपर की कीमतों में 50 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि हुई है, जो करीब 800-850 रु.प्रति किलो से बढ़कर 1,200 रू. प्रति किलो तक पहुंच गई है। कई तरह के पंपों में केवल कॉपर की हिस्सेदारी ही कुल लागत का 25-30 प्रतिशत होती है।

बैटरी टेक्नोलॉजी से मिल रही है ईवी विकास को रफ्तार

भारत की सड़कों पर 18.1 लाख से अधिक पंजीकृत ई-रिक्शा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम में एक प्रमुख बैटरी नवप्रवर्तक के रूप में, इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पिछले एक दशक में कंपनी की बैटरी तकनीकों ने देशभर में 5 लाख से अधिक ई-रिक्शा के संचालन को समर्थन दिया है।

मध्य प्रदेश,दिल्ली/एनसीआर, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार जैसे प्रमुख बाजारों में इसकी मजबूत उपस्थिति है। कंपनी हर साल 2 लाख से अधिक बैटरी पैक तैनात करती है और 200 से अधिक ओईएम के साथ साझेदारी कर रही है। ई-रिक्शा इकोसिस्टम ने रोजगार और आर्थिक अवसरों को भी बढ़ावा दिया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में हजारों लोग इससे अपनी आजीविका चला रहे हैं।

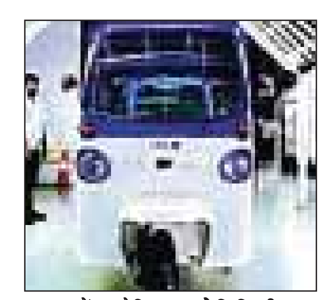

भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का विस्तार केवल यात्री इलेक्ट्रिक वाहनों तक सीमित नहीं है, बल्कि इलेक्ट्रिक रिक्शा (ई-रिक्शा) के व्यापक उपयोग ने इसे नई दिशा दी है। आज ई-रिक्शा देश के अंतिम मील (लास्ट-माइल) परिवहन का मजबूत आधार बन चुके हैं। भारत की सडक़ों पर वर्तमान में 18.1 लाख से अधिक पंजीकृत ई-रिक्शा संचालित हो रहे हैं, जिससे यह देश का सबसे बड़ा और व्यापक रूप से अपनाया गया इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट बन गया है।

भारत विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से नीचे

नई दिल्ली। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दो महीने बाद पहली बार 700 अरब डॉलर के नीचे आ गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 20 मार्च 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का कुल भंडार घटकर 698.35 अरब डॉलर रह गया, जो एक हफ्ते पहले 709.76 अरब डॉलर था। फरवरी अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 728.5 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास और ऊर्जा चरम पर रहेगी। करियर में नई पहल और रचनात्मक कामों से सफलता मिलेगी। धन लाभ के योग हैं।

वृष आदित्य मंगल योग से लाभ और तरक्की के संकेत हैं। धन आगमन प्रबल है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

मिथुन दिन व्यस्त रहेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा, लेकिन भावनाओं पर नियंत्रण रखें। अनावश्यक खर्च न करें। प्रेम में उतार-चढ़ाव संभव।

कर्क भावनात्मक संतुलन बनाए रखें। करियर में स्थिरता रहेगी, लेकिन नई योजनाओं में सतर्कता जरूरी। धन स्थिति सामान्य। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह आज का दिन खास रहेगा। करियर में अवसर और लाभ के मजबूत योग हैं। रचनात्मक कामों में सफलता मिलेगी। प्रेम और वैवाहिक जीवन सुखमय।

कन्या स्वास्थ्य और दिनचर्या पर ध्यान केंद्रित रहेगा। कार्य क्षेत्र में व्यावहारिक निर्णय फायदेमंद साबित होंगे। भावनात्मक रूप से संवेदनशील रहें।

तुला संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। पार्टनरशिप और बिजनेस में फायदा हो सकता है। करियर स्थिर, लेकिन यात्रा से थकान हो सकती है। धन स्थिति बेहतर रहेगी।

वृश्चिक गुप्त मामलों में सावधानी बरतें। करियर में मेहनत से प्रगति होगी। धन लाभ के अवसर, लेकिन निवेश में जोखिम न लें। प्रेम संबंध गहरे होंगे।

धनु यात्रा और उच्च शिक्षा से लाभ। करियर में नई जिम्मेदारियां आएंगी। परिवार में खुशहाली। स्वास्थ्य अच्छा, लेकिन थकान से बचें।

मकर करियर और आर्थिक मामलों में स्थिरता। पुरानी योजनाएं पूरी हो सकती हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। परिवार का साथ मिलेगा। अनावश्यक बहस से बचें।

कुंभ सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी। दोस्तों से मदद मिलेगी। करियर में छोटे बदलाव संभव। धन में वृद्धि के योग। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। वादे पूरे करें।

मीन दैनिक कार्यों और जिम्मेदारियों में व्यस्तता रहेगी। योजना बनाकर आगे बढ़ें। धन स्थिति स्थिर, लेकिन खर्च नियंत्रित रखें। प्रेम संबंधों में संतुलन जरूरी।

अप्रैल में 14 दिन बैंकों में काम नहीं होगा

4 रविवार और 2 शनिवार सहित अलग-अलग 8 दिन बैंक बंद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अगले महीने यानी अप्रैल में मध्यप्रदेश सहित देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 14 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। आरबीआई की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार अगले महीने 4 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 8 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंक बंद रहेंगे। महीने की शुरुआत यानी 1 अप्रैल को छुट्टी से होगी। पूरे देश में बैंक सालाना अकाउंट क्लोजिंग के कारण बंद रहेंगे। इस दिन बैंक में कोई भी ऑफलाइन काम नहीं हो पाएगा। बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसा का लेन-देन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

शेयर बाजार में 10 दिन कारोबार नहीं: अप्रैल 2026 में शेयर बाजार में 10 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 8 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 3 अप्रैल को गुड फ्राइडे और 14 अप्रैल को डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर जयंती पर भी बंद रहेगा।

टेक्नो स्पार्क-50 5जी डिवाइस लांच

नई दिल्ली। टेक्नो स्पार्क -50 5जी को भारतीय जीवन के अनिश्चित प्रवाह के लिए बनाया गया है। सफर से लेकर धूल, गिरने और अचानक होने वाली मॉनसून की बारिश तक यह डिवाइस हर स्थिति में साथ देने के लिए डिजाइन किया गया है। यह स्टाइल, मजबूती और रोजमर्रा की मुश्किलों को झेलने की क्षमता का बेहतरीन मेल है, टेक्नो मोबाइल इंडिया के सीईओ, अरिजीत तलापात्रा ने कहा टेक्नो स्पार्क 50 5जी के साथ हम तकनीकी शब्दों से आगे बढ़कर उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो असल दुनिया में वास्तव में मायने रखती हैं विश्वसनीयता, टिकाऊपन और ऐसा परफ़ॉर्मेंस जो लंबे, चुनौतीपूर्ण दिनों और अनिश्चित परिस्थितियों में भी आपका साथ निभाए।

न्यायालय नायब तहसीलदार मेंहदवानी तहसील शहपुरा जिला डिण्डौरी (म.प्र.)

उद्घोषणा

ग्राम कठौतिया, प.ह.न. 88
रा.नि.म. मेंहदवानी, तहसील शहपुरा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम कठौतिया को सूचित किया जाता है कि ग्राम कठौतिया प.ह.न. 88 रा.नि.म. मेंहदवानी स्थित भूमि ख.न. 978, 986, 865, 979 रकवा क्रमशः 0.60, 10.37, 3.85, 0.39 हे. भूमि मद शासकीय मध्यप्रदेश शासन को Narmada Valley Development Authority संस्था का प्रकार अन्य संस्था का पता Narmada Vikash Sambhaag No. 2 In front of State Bank (main Branch) Civil Line[Mandla द्वारा नगरेत तहसील व जिला डिण्डौरी हेतु उपरोक्त भूमि बसनिया बांध परियोजना से प्रभावित लोगों के पुनर्वास हेतु चाही गई है। उपरोक्त भूमि मान्य कर प्रस्तावित की गई है। उक्त भूमि नजूल निर्वतन निर्देश नियम 2020 के तहत आवंटित/हस्तांतरित किया जाना प्रस्तावित किया गया है संबंधित विभाग के प्रयोजन हेतु आवंटन किये जाने हेतु कलेक्टर महोदय डिण्डौरी द्वारा प्रतिवेदन चाहा गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति पेश करना है तो वह स्वयं या किसी अधिवक्ता के माध्यम से पेश कर सकता है, समयावधि पश्चात कोई आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

इश्तहार आज दिनांक 17/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक 17/03/2026
पेशी दिनांक 17/04/2026

नायब तहसीलदार
मेंहदवानी

G-27974/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

शब्द पहेली - 6180

बाएँ से दाए
1.धरोहर,थाती-4
5.अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8.गुणगान-3
9.प्रेम (अंग्रेजी-2)
11.भरोसा,विश्वास-3
12.दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14.हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15.गागर,घड़ा-3
17.जांघ-2
19.असावधान-5
22.करतूत,होशियारी-5
25.डूबा हुआ,समाप्त-2
26.तीक्ष्ण,तेज-3
27.अधर्म,अपकृत्य-2
28.मनमौजी,चंचल-4
30.हत्या,वध-3
31.पंख-2
33.मायका-3
35.व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36.कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे
2.फूलों का हार-2
3.वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4.शांति,सुख-चैन-3,2
5.अस्वस्थ,मरीज-3
6.दम,ताकत-2
7.भगवान राम के पुत्र-2,2
10.उन्मत,मदमस्त-4
13.दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16.बोलने का तरीका-3
17.रास्ता-2
18.पराया-2
20.परीक्षा-3
21.वचन-2
22.खेती-2
23.अभिमान-3
24.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान की मां-2,2
25.बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26.ईश्वर,राजा-4
28.मन को अच्छा लगने वाला-4
29.शाप से पीड़ित-3
32.अवकाश,मंजूरी-2
34.संध्या-2

शब्द पहेली- 6179 का हल

सूडोकू नवताल - 6190

★★★✩✩ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

MANGAL SENMOHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6189 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

आरआर और सीएसके के बीच आज शाम 7.30 बजे से गुवाहाटी में मुकाबला

पुरानी टीमों से टकराएंगे सैमसन-जडेजा, भिड़ंत होगी बेहद रोचक

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

पिछले एक दशक से अधिक राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रहे संजू सैमसन अब आईपीएल के मैच में सोमवार को उसी टीम के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में नजर आएंगे जबकि चेन्नई टीम का हिस्सा रहे रविंद्र जडेजा अब रॉयल्स के लिए खेलने जा रहे हैं। पिछले दस साल से अधिक समय से सैमसन रॉयल्स टीम के कप्तान और स्टार बल्लेबाज रहे हैं। उनकी कप्तानी में रॉयल्स 2022 में फाइनल तक पहुंची थी। जिस तरह से चेन्नई की पहचान महेंद्र सिंह धोनी हैं, वैसे ही रॉयल्स की पहचान सैमसन बन गए थे लेकिन इस सत्र से पहले हुई अदला-बदली में अब जडेजा रॉयल्स के लिए खेलेंगे और भारत की टी20 विश्व कप जीत के नायक रहे सैमसन चेन्नई टीम का हिस्सा होंगे।

नए सत्र में रॉयल्स के लिए खेलने जा रहे जडेजा

सैमसन होंगे कोर नेतृत्व का हिस्सा

सैमसन चेन्नई के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरुआत करेंगे और टीम के कोर नेतृत्व का भी हिस्सा होंगे चूंकि धोनी फिटनेस कारणों से कम से कम दो सप्ताह नहीं खेल पाएंगे। धोनी की गैर मौजूदगी में 20 साल के बाएं हाथ के स्पिनर हरफनमौला प्रशांत वीर को मौका मिल सकता है, जिन्होंने घरेलू टी20 मैचों में प्रभावित किया। उनके अलावा 14 .2 करोड़ रुपए में खरीदे गए कार्तिक शर्मा भी फोकस में होंगे, जो घरेलू सर्किट में छक्के लगाने के अपने हुनर के लिए जाने जाते हैं।

सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में आएंगे नजर

आरआर के लिए नए दौर की शुरुआत

रॉयल्स के लिए सैमसन का जाना एक युग का अंत है और रियान पराग की कप्तानी में एक नए दौर की शुरुआत है, जो अपने घरेलू मैदान से कप्तानी की शुरुआत करेंगे। जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। उनकी बल्लेबाजी का दारोमदार यशस्वी जायसवाल पर रहेगा। उनके साथ युवा वैभव सूर्यवंशी और फॉर्म में चल रहे शिमरोन हेटमायेर हैं। रॉयल्स के लिए चिंता का सबब उसकी गेंदबाजी है। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं लेकिन जोफ्रा आर्चर की अगुवाई में तेज गेंदबाजों को निरंतरता पर काम करना होगा।

टीमें इस प्रकार

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा । चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे , आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी । मैच का समय : शाम 7.30 बजे से।

खबर संक्षेप

विश्व वुशू चैंपियनशिपः भारतीय खिलाड़ियों ने जीते दो पदक

तियानजिन। भारतीय खिलाड़ियों ने 10वीं विश्व वुशू चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक जीते जबकि चार अन्य भी अलग-अलग वर्ग में फाइनल में पहुंच गए। भारत की अनु लड़कियों के वर्ग के सेमीफाइनल में चीन की झांग लिनिंग के सामने थीं लेकिन वह कड़े मुकाबले में हार गईं, जिससे उन्हें कांस्य पदक मिला। वहीं लड़कों के सेमीफाइनल में गौतम मनकास अपने प्रतिद्वंद्वी से हार गए, जिससे उन्हें भी कांस्य पदक मिला। इसके अलावा चार भारतीय खिलाड़ियों ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। उपेंद्रो थौगम ने मिस्र के अहमद मोहम्मद को हराकर फाइनल में प्रवेश किया जबकि पामा हेइबा सिंह ने सेनेगल के अलीमौ सी को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की।

हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकेः विटोरी

बेंगलुरु। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपनी टीम की गेंदबाजी को खराब बातते हुए कहा कि गेंदबाजों ने आईपीएल के पहले मैच में विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल को रन बनाने के काफी मौके दिए। विटोरी ने कहा,'आपको गेंदबाजी से अच्छी शुरुआत की जरूरत थी, जो फिल साल्ट का विकेट लेकर की भी , लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। हमने अनुशासित गेंदबाजी नहीं की। विराट और पडिक्कल को रन बनाने के काफी मौके दिए, जिन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया।' उन्होंने कहा कि सनराइजर्स ने देखा कि आरसीबी के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने कैसे गेंदबाजी की लेकिन उनके गेंदबाज रणनीति पर अमल नहीं कर पाए। उन्होंने कहा,' हमने आरसीबी की गेंदबाजी से काफी कुछ सीखा लेकिन उस पर अमल नहीं कर सके।

ब्रेक के बाद लय हासिल करने में मिली मदद : कोहली

बेंगलुरु। आईपीएल के 2026 सत्र की शुरुआत नाबाद अर्धशतक से करने वाले बल्लेबाज विराट कोहली का मानना है कि नियमित अंतराल पर खेल से ब्रेक लेने से उन्हें थकान से बचने और मानसिक रूप से तरोताजा होकर वापसी करने में मदद मिली। कोहली ने कहा,' वापिस यहां आकर अच्छा लग रहा है। आखिरी मैच मैंने पिछले साल आईपीएल फाइनल खेला था लेकिन हाल ही में वनडे श्रृंखलाओं में जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे मुझे लय हासिल करने में मदद मिली।' कोहली ने कहा, 'मैं वह शॉट्स नहीं खेल रहा था, जो आम तौर पर नहीं खेलता। मुझे पता है कि मैं लय में हूं और मैने फिटनेस पर भी काफी मेहनत की है तो प्रदर्शन अच्छा ही रहेगा।

फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को हराया

सबालेंका ने जीता मियामी ओपन का खिताब
सनशाइन डबल पूरा करने वाली बनीं खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

मियामी ओपन का खिताब आर्यना सबालेंका ने अपने नाम कर लिया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। इगा स्वियाटेक के बाद सबालेंका सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। आर्यना का ये लगातार दूसरा मियामी ओपन खिताब है। इससे पहले ऐश बार्टी और सेरेना विलियम्स ही लगातार ये टूर्नामेंट जीत पाई थीं। इस तरह सबालेंका ने दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह बना ली है।

स्टेफी, किम के क्लब में शामिल हुईं एरिना

आर्यना सबालेंका एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी में सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका से पहले स्टेफी ग्राफ, किम क्लिस्टर्स, विक्टोरिया अजारेंका और इगा स्वियाटेक ये कारनामा कर चुकी हैं। सबालेंका 2000 के बाद से चौथी खिलाड़ी हैं, जो साल के अपने पहले चार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची। उनसे पहले मार्टिना हिंगिस-2001, सेरेना विलियम्स-2003 और विक्टोरिया अजारेंका-2012 के फाइनल में पहुंची हैं।

ये खिताब काफी खास : सबालेंका

खिताब जीतने के बाद सबालेंका ने कहा कि, ये खिताब काफी खास है। मेरा लक्ष्य हमेशा इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना रहा है और मैंने बस वही किया। ये सुनने में बहुत अजीब लगता है। मुझे नहीं पता कि मैं ये कैसे कर पाई, लेकिन अभी मुझे बहुत गर्व है। बेशक, इस खूबसूरत ट्रॉफी से बहुत खुश हूं। सबालेंका ने कहा मैं तीसरे सेट में सकारात्मक मानसिकता बनाए रखने की कोशिश कर रही थी। मुझे बहुत खुशी है कि मैंने अपनी भावनाओं को अच्छी तरह से संभाला और शुरुआत से लेकर अंत तक अपना ध्यान केंद्रित रखा।

2 घंटे 11 मिनट तक चला मैच

मैच 2 घंटे 11 मिनट तक चला और गॉफ के एक वाइड बैकहैंड शॉट के साथ चौथी बार उनकी सर्विस टूटने पर समाप्त हुआ। एरिना की मियामी ओपन फाइनल में जीत ने उन्हें गॉफ के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में 7-6 से आगे कर दिया। गॉफ ने जोरदार वापसी करते हुए तीसरे सेट तक मैच को ले जाने की कोशिश की, लेकिन वह दर्शकों के जोरदार समर्थन से मिली गति को बरकरार नहीं रख सकीं। सबलेंका कई बार दर्शकों के शोर से परेशान हो गईं, खासकर तब जब एक लंबी रैली के दौरान किसी ने /"आउट/" चिल्ला दिया। उन्होंने उस दर्शक को अपशब्द कहे और चेयर अंपायर ने दर्शकों को चेतावनी दी, लेकिन साथ ही सबलेंका को आचार संहिता उल्लंघन का दंड भी दिया।

गॉफ ने किए सात डबल फॉल्ट

गॉफ की अनियमित सर्विस के कारण सात डबल फॉल्ट हुए, जबकि सबालेंका ने एक भी डबल फॉल्ट नहीं किया। सबालेंका ने तीसरे सेट के पहले गेम में गौफ की पारी तोड़ दी, जिसमें गॉफ की डबल फॉल्ट और एक अनफोर्स्ड एरर का भी योगदान रहा। ब्रेक प्वाइंट पर, सबालेंका ने बैकहैंड विनर लगाकर शानदार जीत हासिल की।

मैरी कॉम का नया पंच, अब प्रोफेशनल रिंग की तैयारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और छह बार की विश्व चैंपियन भारतीय मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम ने कहा कि वह पेशेवर मुक्केबाजी में उतर सकती हैं। लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी 43 वर्ष की मैरी कॉम ने कहा कि अमैच्योर सर्किट पर खेलने के लिए अब उनकी उम्र निकल चुकी है। उन्होंने कहा,' छह विश्व चैंपियनशिप जीतना खास रहा। अब मैं उस उम्र में हूं कि देश के लिए अमैच्योर सर्किट पर नहीं खेल सकती। पेशेवर मुक्केबाजी एक नया मौका हो सकता है।' मैरी कॉम ने कहा,' अभी इस बारे में सोच रही हूं। मैं कड़ी मेहनत करके वापसी की कोशिश में हूं ताकि लोगों को बता सकूं कि मैं क्या कर सकती हूं।' उन्होंने कहा,' मैं निजी तौर पर अपनी अकादमी से भी जुड़ी हूं। मैं मणिपुर आती जाती रहती हूं । कई बार मणिपुर के मौजूदा हालात के कारण मुश्किल हो जाती है लेकिन मैं जब नहीं जा पाती हूं तो भी फोन कॉल से अकादमी का कामकाज देखती हूं।'

फॉर्मूला वन

19 साल के एंटोनेली का कमाल जापान ग्रांप्री में लगातार दूसरी जीत

एजेंसी ▶▶| सुजुका

मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (एफ1) रेस जीत ली। इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा। फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे। एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं। सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है। उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन (शीर्ष स्थान से रेस शुरू करने का अधिकार) से जीत दर्ज की थी। तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं। वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं।

■ सत्र की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने किमी

शुरुआत को बेहतर करने पर देना होगा ध्यान

एंटोनेली ने कहा, ' चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं।' उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा। इस युवा ड्राइवर ने कहा, 'मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।'

फिट्जपैट्रिक ने जीता हीरो इंडियन ओपन का खिताब

एजेंसी ▶▶| गुरुग्राम

एलेक्स फिट्जपैट्रिक ने वापसी करते हुए चार शॉट की बढ़त से हीरो इंडियन ओपन खिताब अपने नाम किया, जो उनका पहला डीपी वर्ल्ड टूर खिताब है। उन्होंने जब आखिरी दिन की शुरुआत की तो वह शीर्ष पर चल रहे और गत चैंपियन यूजेनियो चाकारा से चार शॉट पीछे थे। लेकिन 18वें होल तक वह चार शॉट की बढ़त बनाए थे। फिट्जपैट्रिक ने आखिरी होल में डबल बोगी की, लेकिन तब तक वह ट्रॉफी जीतने के लिए दो शॉट की बढ़त बना चुके थे। इंग्लैंड के फिट्जपैट्रिक और चाकारा के बीच लंबे समय से प्रतिद्वंद्विता चली आ रही है, जो उनके एमेच्योर दिनों से शुरू हुई थी। एक साल पहले चाकारा ने हीरो इंडियन ओपन 2025 खिताब जीता था और तब फिट्जपैट्रिक संयुक्त 17वें स्थान पर थे। हीरो मोटोकोर्प के कार्यकारी निदेशक डॉ पवन मुंजाल ने फिट्जपैट्रिक को ट्रॉफी और 433,500 डॉलर का चेक प्रदान किया। उन्होंने 585 अंक भी हासिल किए और रेस टू दुबई रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए।

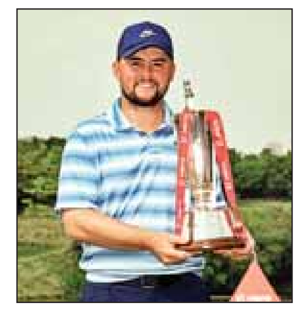

दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से बनाई बढ़त

रोमांचक मुकाबले में जीती साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड को 2 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

साउथ अफ्रीका की महिला टीम ने हैगली ओवल में खेले गए वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। इसी के साथ मेहमान टीम ने 3 मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। अगले मुकाबले 1 और 4 अप्रैल को वेलिंगटन में खेले जाने हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड की टीम 268 रन पर सिमट गई। इस टीम को सूजी बेट्स और जॉर्जिया प्लिम्मर की जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 9.1 ओवरों में 42 रन जोड़े। बेट्स 20 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जॉर्जिया ने 28 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। कप्तान अमेलिया केर ने 36 रन की पारी खेली। टीम 112 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो चुकी थी। यहां से मैडी ग्रीन ने इजाबेला गेज के साथ पांचवें विकेट के लिए 81 गेंदों में 70 रन की साझेदारी की। मैडी 83 गेंदों में 9 चौकों के साथ 85 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि गेज ने 37 रन बनाए।

साउथ अफ्रीकी टीम ने अंतिम गेंद पर दर्ज की जीत

इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम ने अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की। इस टीम ने 30 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो दिए थे। यहां से एनेरी डर्कसेन ने सुने लुस के साथ तीसरे विकेट के लिए 141 गेंदों में 123 रन जुटाकर टीम को जीत की पटरी पर ला दिया। डर्कसेन 93 गेंदों में 8 चौकों के साथ 72 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि लुस ने 53 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इस बीच कायला रेनेके ने नादिन डी क्लर्क के साथ सातवें विकेट के लिए 48 रन जुटाए। नादिन 39 रन बनाकर आउट हुईं। रेनेके ने 32 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ नाबाद 42 रन बनाए। इस टीम ने अंतिम ओवर में 14 रन बनाकर यह मैच जीता।

राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए सीधे क्वालीफाई करने का मौका

एशियाई चैंपियनशिप: मजबूत शुरुआत पर भारत की नजरें

एजेंसी ▶▶| उलानबटोर (मंगोलिया)

भारतीय मुक्केबाज सोमवार से शुरू हो रही एशियाई चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करके आगामी व्यस्त सत्र में हर मौके का पूरा फायदा उठाकर साल के आखिर में होने वाले बहु खेल टूर्नामेंटों के लिए सीधे कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे। इस टूर्नामेंट के जरिए नए व्यस्त सत्र की शुरुआत होगी, जिसमें जुलाई-अगस्त में ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल, सितंबर-अक्टूबर में जापान में एशियाई खेल और उजबेकिस्तान में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स होने हैं। इस चैंपियनशिप के जरिए मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए सीधे क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम पिछले 15 दिन से मंगोलिया में है और मंगोलिया, चीन, जोर्डन, थाईलैंड के मुक्केबाजों के साथ अभ्यास कर रही है।

भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी लवलीना

महिला वर्ग में भारतीय चुनौती की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किलो), दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किलो) , मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा (48 किलो) और जैसमीन लंबोरिया (57 किलो) करेंगी। लवलीना ने फरवरी में स्पेन में बॉक्सेम इंटरनेशनल जीता था। वहीं निकहत, मीनाक्षी और जैसमीन नवंबर के बाद पहला टूर्नामेंट खेलेंगी।

भारतीय कोचिंग ढांचे में बदलाव

भारतीय पुरुष टीम पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में मिली नाकामी का गम दूर करना चाहेगी, जहां 12 साल में पहली बार एक भी भारतीय पुरुष मुक्केबाज पदक नहीं जीत सका था। भारत के कोचिंग ढांचे में भी बदलाव हुआ है और तीसरी बार सीए कुटप्पा मुख्य कोच के रूप में लौटे हैं। भारतीय पुरुष टीम की उम्मीदों का दारोमदार विश्व कप पदक विजेता जादूमणि सिंह (55 किलो) और सचिन सिवाच (60 किलो) पर रहेगा।

भारतीय टीम

महिला : मीनाक्षी (48 किलो), निकहत जरीन (51 किलो), प्रीति पवार (54 किलो), जैसमीन लंबोरिया (57 किलो), प्रिया (60 किलो), अंकुशिता बोरो (65 किलो), अरुंधति चौधरी (70 किलो), लवलीना बोरगोहेन (75 किलो), पूजा रानी (80 किलो), अल्फिया तरन्नुम (80 प्लस किलो)। पुरुष : विश्वनाथ सुरेश (50 किलो), जादूमणि सिंह (55 किलो), सचिन (60 किलो), आदित्य प्रताप यादव (65 किलो), दीपक (70 किलो), आकाश (75 किलो), अंकुश (80 किलो), लोकेश (85 किलो), हर्ष चौधरी (90 किलो), नरेंदर बेरवाल (90 प्लस किलो)।

पत्रकारों से चर्चा में बोले प्रभारी मंत्री

ईंधन आपूर्ति पूरी तरह सामान्य : देवड़ा

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने रविवार को जबलपुर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश में ईंधन आपूर्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर जो आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं, वे तथ्यात्मक रूप से सही नहीं हैं। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर गैस एजेंसियों के बाहर भीड़ की तस्वीरें सामने आई थीं, लेकिन वह अस्थायी स्थिति थी। प्रशासन ने तत्काल समीक्षा कर अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित की। वर्तमान में किसी भी जिले में एलपीजी की वास्तविक कमी नहीं है और डिपो से नियमित रूप से स्टॉक भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं। राज्य स्तर पर अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया गया है। जहां शुरुआती दबाव था, वहां अतिरिक्त टैंकर और सिलेंडर भेजे गए हैं ताकि आम उपभोक्ता को परेशानी न हो। ईंधन कीमतों को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के निर्णय का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी में कमी की गई है और डीजल पर केंद्रीय कर में राहत दी गई है। इससे आम लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और परिवहन लागत पर भी असर पड़ेगा।

जमाखोरी और कृत्रिम किल्लत के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार सख्त रुख अपनाए हुए है। जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। यदि कोई अवैध भंडारण करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में तनाव के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव है, लेकिन प्रदेश में आपूर्ति तंत्र को मजबूत रखा गया है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अफवाहों से बचें और आवश्यकता अनुसार ही ईंधन लें। उपमुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार हर नागरिक तक आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रदेश में किसी भी प्रकार की वास्तविक कमी नहीं है।

1.40 करोड़ को मिलती है सस्ते दर पर बिजली: ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न तोमर

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश के कुल एक करोड़ 90 लाख बिजली उपभोक्ताओं में से लगभग एक करोड़ 40 लाख अर्थात 74 प्रतिशत उपभोक्ताओं को सस्ते दर पर बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। उपभोक्ता श्रेणी के आधार पर यह दर अधिकतम 2.78 रुपये प्रति यूनिट तक होती है, जो कि वास्तविक दर 7.05 प्रति यूनिट से काफी कम है। इन उपभोक्ताओं को दी जा रही सब्सिडी का भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जाता है। मंत्री श्री तोमर ने बताया है कि राज्य शासन द्वारा अटल गृह ज्योति योजना के अंतर्गत हर माह लगभग एक करोड़ घरेलू उपभोक्ताओं से प्रथम 100 यूनिट पर मात्र 100 रुपये ही लिये जा रहे हैं। इसी तरह अटल कृषि ज्योति योजना में लगभग 28 लाख कृषि उपभोक्ताओं से कुल वार्षिक देयक की मात्र 7 से 15 प्रतिशत राशि 2 किश्तों में ली जा रही है। इन दोनों योजनाओं में इनके वास्तविक बिजली बिल के अंतर की राशि राज्य शासन द्वारा सब्सिडी के रूप में विद्युत वितरण कम्पनियों को दी जा रही है। राज्य शासन द्वारा एक हेक्टेयर तक की भूमि एवं 5 एचपी क्षमता तक के स्थाई पम्प कनेक्शन वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कृषकों को निःशुल्क बिजली दी जा रही है। आवश्यकता अनुसार उपभोक्ताओं के हित को ध्यान में रखते हुए बिजली का विक्रय भी किया जाता है। पॉवर एक्सचेंज में विद्युत विक्रय केवल लाभकारी परिस्थितियों में ही किया जाता है, जब राज्य के भीतर विद्युत माँग अपेक्षाकृत कम होती है। साथ ही बाजार दर उपलब्ध अधिशेष विद्युत की लागत से अधिक होती है। इसकी निगरानी के लिये जबलपुर में 24x7 कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसके माध्यम से पॉवर एक्सचेंज में विद्युत विक्रय/क्रय का निर्णय लिया जाता है।

वायुसेवा संघर्ष समिति की बैठक

वायुसेवाओं को बढ़ाने समुचित प्रयास किए जाएंगे : तन्खा

जबलपुर। जबलपुर की वायु सेवाओं को बढ़ाने समुचित प्रयास किए जाएंगे ताकि यहां से भारत के प्रमुख शहरों के लिए वायु सेवाएं उपलब्ध हो सकें। यह कथन है राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा का जिन्होंने आज वायु सेवा संघर्ष समिति के साथ आयोजित बैठक में अपनी बात रखते हुए कहा की जबलपुर से पूर्व में पुणे, अहमदाबाद, कोलकाता तथा चेन्नई के लिए भी सीधी वायु सेवाएं उपलब्ध थीं जो कि किन्हीं कारणों से बंद हो चुकी हैं तथा इसका खामियाजा न केवल जबलपुर बल्कि संपूर्ण महाकौशल एवं पूर्वी मध्य प्रदेश के नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। इस अवसर पर उन्होंने कहा की जबलपुर की वायु सेवाओं को बढ़ाने समुचित सार्थक प्रयास किए जाएंगे। निकट भविष्य में प्राथमिकता के आधार पर जबलपुर पुणे की फ्लाइट शीघ्र ही आरंभ कराने भरसक प्रयास किए जाएंगे।

दो कंपनियों से चर्चा

इस अवसर पर वायुसेवा संघर्ष समिति के संयोजक हिमांशु खरे ने बताया कि आज समिति के सदस्यों ने राज्यसभा सांसद को जबलपुर की वायु सेवाओं के संबंध में एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा तथा समिति के प्रतिनिधिमंडल ने औपचारिक वार्ता कर सांसद महोदय से जबलपुर की वायु सेवाओं को सुधारने प्रयास करने आग्रह किया। हिमांशु खरे ने बताया कि उक्त अवसर पर श्री विवेक तन्खा ने त्वरित प्रयास करते हुए दो निजी एयरलाइन कंपनियों से दूरभाष पर बात की तथा उन्हें जबलपुर पुणे तथा अन्य मार्गों पर शीघ्र वायुसेवा आरंभ करने आग्रह किया। श्री तन्खा ने निजी विमानन कंपनियों को जबलपुर की महत्वत्ता के बारे में अवगत कराया। हिमांशु खरे ने बताया कि निकट भविष्य में वायुसेवा संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल, श्री तन्खा के साथ निजी विमानन कंपनियों के शीर्ष मैनेजमेंट के साथ वार्ता करेगा तथा उन्हें जबलपुर के विभिन्न वायु मार्गो की स्थिति से अवगत कराएगा ताकि कंपनियों का रुझान जबलपुर की ओर बढ़ सके।

बैठक में उपस्थित डॉ राजेश धीरावाणी, गीता शरत तिवारी, बलदीप मैनी, अंजना तिवारी, हिमांशु राय ने कहा की इंडिगो एयरलाइंस से हैदराबाद की फ्लाइट के समय को निर्धारण करने के लिए भी बात की जाएगी जिससे यात्रियों को आ रही कठिनाइयों से सुविधा मिल सके।

बैठक में उपस्थित सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजा सराफ, मनु शरत तिवारी, डॉ सुनील बहल, अजय बख्तावर, बब्बू यादव, प्रकाश राठौड़, लोकेश चौबे, प्रियंका केशरवानी, दिव्या पाठक, आदि ने सांसद महोदय से आग्रह किया कि जबलपुर के वायु सेवाओं में कटौती न हो तथा पूर्व की भांति प्रमुख शहरों के लिए सुचारू रूप से वायु सेवाएं संचालित हो सकें, इस हेतु आवश्यक प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बताया कि मार्च वर्ष 2024 में जबलपुर की घटती हुई वायुसेवाओं को बढ़ाने समिति ने एक वृहद आंदोलन किया था जिसमें 6 जून को नो फ्लाइंग डे मनाया गया था। आज दो वर्ष पश्चात भी कुछ सफलताओं के अलावा जबलपुर अनेक वायुमार्गों पर नहीं है। वायुसेवा संघर्ष समिति ने आशा व्यक्त की है कि सभी के प्रयासों से जबलपुर से अनेकों मार्गों पर निकट भविष्य में वायु सेवाएं संचालित होंगी।

नाईट स्वीपिंग कार्यों का लिया जायजा आधी रात सड़क पर उतरे निगमायुक्त

जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत शहर को नंबर वन बनाने की दिशा में नगर निगम अब एकदम 'एक्शन मोड' में नजर आ रहा है। इसी कड़ी में आधी रात निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शहर के व्यस्ततम क्षेत्र सिविक सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नाइट और रोड स्वीपिंग (रात्रि कालीन सफाई) कार्यों का जायजा लिया और जमीन पर उतरकर व्यवस्थाओं को परखा।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने केवल अधिकारियों को निर्देश ही नहीं दिए, बल्कि उन्होंने सिविक सेंटर के चारों ओर पैदल भ्रमण कर व्यक्तिगत रूप से एक-एक दुकानदार से संवाद किया। उन्होंने दुकानदारों को समझाईश देते हुए कहा, यह शहर आपका है। इसे स्वच्छ और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी जितनी प्रशासन की है, उतनी ही आपकी भी है।

डस्टबिन रखने का किया आह्वान

निगमायुक्त ने दुकानदारों से विशेष आग्रह किया कि वे अपनी दुकानों के बाहर कचरा न फैलाएं। उन्होंने सभी से अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखने और कचरे का सही निपटान करने का आह्वान किया। उनके इस सहज और संवेदी व्यवहार की व्यापारियों ने भी सराहना की और शहर को स्वच्छ रखने में सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने फायर ऑफिस का भी निरीक्षण किया और जानकारी ली।

लाठी से पीटकर वृद्ध की हत्या

जबलपुर। भेड़ाघाट थानान्तर्गत सरस्वतीघाट स्थित एक धर्मशाला में संदिग्ध हालत में मृत मिले वृद्ध की मौत की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। शराब पीने की बात पर हुये विवाद के दौरान वृद्ध को लाठी से बेरहमी से पीटा गया था जिसके कारण आई गंभीर चोटों की वजह से वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस ने हत्यारे की तलाश के लिए टीम का गठन किया। भेड़ाघाट पुलिस ने बताया कि शिल्पी नगर भेड़ाघाट निवासी सूर्यकांत वंशकार के बड़े पापा महेश वंशकार ढोल बजाने का काम करते थे जो गत सात वर्षो से वंशकार समाज की धर्मशाला सरस्वतीघाट में रहते थे। गत 22 मार्च को धर्मशाला में रहने वाले बाबा ने सूर्यकान्त को सूचना दी थी कि तुम्हारे बड़े पिता महेश वंशकार शराब पीकर सो गये थे सूचना पर सूर्यकान्त ने जाकर देखा कि उसके बड़े पापा महेश वंशकार की मौत हो गई थी जिनके शरीर में गंभीर चोटों के निशान थे सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रथम दृष्टया वृद्ध की मौत को संदिग्ध मानते हुए उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर जांच में लिया।

कैंट स्थित अंग्रेजों के बंगला नं. 5 से जुड़ा बेदखली आदेश निरस्त

हाईकोर्ट ने एस्टेट ऑफिसर के 26 साल पुराने आदेश को किया खारिज, कैप्टन हिक्सन के बंगले का मामला

जबलपुर। कैंट बोर्ड के अधीन स्थित अंग्रेजों के जमाने के बंगला नं. 5 से जुड़े मामले में हाईकोर्ट ने 26 साल पुराना बेदखली आदेश निरस्त कर दिया। जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने कहा कि प्रशासन अवैध निर्माण साबित नहीं कर सका। निचली अदालत का फैसला अनुमान पर आधारित था। बिना ठोस साक्ष्य के किसी भी निर्माण को अवैध नहीं माना जा सकता। इस मत के साथ कोर्ट ने डिफेंस एस्टेट ऑफिसर के 12 जुलाई 2000 व 05 मार्च 2002 के दोनों आदेशों को निरस्त कर दिया। आईडी दवांडे की ओर से याचिका दायर कर कहा गया कि उन्होंने 1000 वर्गफीट का एक पुराना मकान खरीदा था, जो बंगला नं. 5 के परिसर में स्थित है। यह बंगला अंग्रेज कैप्टन हिक्सन के बंगले के नाम से जाना जाता है। तर्क दिया गया कि उन्होंने कोई नया निर्माण नहीं किया। केवल मरम्मत कर मकान को रहने योग्य बनाया। इसके बावजूद एस्टेट ऑफिसर ने 8 अप्रैल 1999 को नोटिस जारी किया।12 जुलाई 2000 को बेदखली का आदेश दे दिया। आदेश के खिलाफ दायर अपील अपर जिला न्यायाधीश की कोर्ट ने 2002 में खारिज कर दिया था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में यह पुनरीक्षण की अर्जी दाखिल की थी।

पाटन–शाहपुरा मार्ग पर दर्दनाक हादसा

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

जबलपुर। पाटन–शाहपुरा मार्ग पर शनिवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में 21 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान शुभम मेहरा (21) के रूप में हुई है, जो पाटन क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुभम अपनी बाइक से पाटन की ओर जा रहा था, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि बाइक कई फीट दूर जा गिरी और शुभम सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन तब तक युवक की सांसें थम चुकी थीं। हादसे के बाद आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों ने बताया कि टक्कर मारने वाला वाहन संभवतः आयशर था, जो घटना के बाद बिना रुके मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। प्रारंभिक जांच में मामला हिट एंड रन का प्रतीत हो रहा है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि फरार वाहन की पहचान की जा सके।

ऑटो चालक ने फांसी लगाई

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत भट्टा मोहल्ला में एक आटो चालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अज्ञात है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार भट्टा मोहल्ला निवासी आटो चालक सौरभ विश्वकर्मा गत रात लगभग 10.30 बजे घर आया और घर पर सामान्य रुप से बातचीत कर खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। रविवार की सुबह लगभग 8 बजे उसके पिता रुपसिंह विश्वकर्मा ने उसे आवाज दिया और दरवाजा खटखटाया, जब सौरभ की आवाज नहीं आई तो उसने डायल 112 को सूचना दी।

बड़ी संख्या में भेजे जा रहे नोटिस, छुट्टियां रद्द कर बढ़ाई गई कार्य गति

वर्षांत से पहले आयकर विभाग अलर्ट मोड में

जबलपुर। वित्तीय वर्ष 2025-26 के समापन से पहले आयकर विभाग ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ क्षेत्र से जुड़े जबलपुर कार्यालय में इन दिनों असाधारण सक्रियता देखी जा रही है। राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। सप्ताहांत और सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी दफ्तर नियमित रूप से खुले रखे जा रहे हैं।

आयकर भवन सहित संभाग के विभिन्न जिला कार्यालयों में देर शाम तक लंबित प्रकरणों की समीक्षा, आंकलन आदेश तैयार करने और बकाया मामलों के निस्तारण का कार्य चल रहा है। विभागीय स्तर पर 31 मार्च की डेडलाइन को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक फाइल की अलग-अलग मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि लक्ष्य हासिल करने में कोई कमी न रह जाए।

पुनर्मूल्यांकन मामलों में तेजी

इन दिनों आयकर अधिनियम की धारा 148 के अंतर्गत मामलों की समीक्षा और नोटिस जारी करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्ष 2022-23 से संबंधित मामलों में जहां आय या रिटर्न से जुड़े तथ्यों में अंतर पाया गया है, वहां पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। निर्धारित समय-सीमा के भीतर पुराने मामलों को फिर से खोलकर कर निर्धारण पूरा करना विभाग के लिए प्राथमिकता बना हुआ है। जबलपुर सर्किल के विभिन्न वार्डों में वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में टीमों को सक्रिय किया गया है। संदिग्ध या अपूर्ण रिटर्न वाले मामलों में विस्तृत नोटिस तैयार कर संबंधित करदाताओं को भेजे जा रहे हैं। इन नोटिसों में अपेक्षित दस्तावेजों और कर देयता से जुड़ी जानकारी स्पष्ट रूप से अंकित की जा रही है।

निर्धारित लक्ष्य ने बढ़ाया दबाव

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ क्षेत्र के लिए 33,200 करोड़ रुपये का कर संग्रह लक्ष्य तय किया है। जबलपुर कार्यालय को भी इस लक्ष्य में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी निभानी है। बकाया करों की वसूली, लंबित मामलों का निपटारा और पुनर्मूल्यांकन की कार्रवाई इसी रणनीति का हिस्सा है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति में अब सीमित समय शेष होने से अधिकारियों पर लक्ष्य प्राप्ति का दबाव बढ़ गया है। करदाताओं को भी नोटिसों का समय पर जवाब देने और आवश्यक दस्तावेज शीघ्र उपलब्ध कराने की सलाह दी जा रही है, ताकि अनावश्यक दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके।

अवकाश के दिन भी जारी रहेगा काम

30 मार्च को महावीर जयंती का अवकाश होने के बावजूद विभागीय कामकाज प्रभावित नहीं होगा। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर उस दिन भी आवश्यक कार्य निपटाए जाएंगे। राजस्व से जुड़े अहम मामलों को प्राथमिकता देते हुए कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही डिजिटल माध्यम से प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण भी तेज कर दिया गया है। ऑनलाइन डेटा मिलान, रिटर्न की जांच और उच्च मूल्य के लेनदेन की पड़ताल कर संभावित कर अंतर की पहचान की जा रही है।

कर सलाहकारों के पास बढ़ी भीड़

नोटिसों की संख्या बढ़ने से चार्टर्ड अकाउंटेंट और टैक्स कंसल्टेंट के कार्यालयों में भी चहल-पहल बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वर्षांत में विभाग द्वारा सख्ती सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। ऐसे में करदाताओं को घबराने के बजाय नियमों के अनुरूप जवाब प्रस्तुत करना चाहिए। वर्ष 2025-26 की क्लोजिंग से पहले आयकर विभाग की यह सक्रियता संकेत दे रही है कि इस बार राजस्व लक्ष्य प्राप्ति को लेकर किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी। आने वाले दिनों में जांच और वसूली की प्रक्रिया और तेज होने की संभावना है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

शहीद स्मारक में आयोजित पुस्तक मेले के पांचवें दिन बरगी विधायक ने किया नवाचारों का अवलोकन

पुस्तक दान महादान, 'बुक बैंक' के माध्यम से विद्यार्थियों की मदद का अनूठा मंच: नीरज सिंह

जबलपुर। गोल बाजार स्थित ऐतिहासिक शहीद स्मारक परिसर में आयोजित तृतीय 'पुस्तक मेला 2026' के पांचवें दिन मुख्य अतिथि के रूप में बरगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज सिंह सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विधायक श्री सिंह द्वारा माँ सरस्वती के चरणों में वंदन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा और जिला महिला अधिकारी सुश्री हजरा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

नवाचारों और प्रतिस्पर्धी दरों की सराहना

अपने संबोधन में विधायक नीरज सिंह ने जबलपुर के इस 11 दिवसीय उत्सव को समाज को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण नवाचार बताया। उन्होंने कहा कि सेशन ब्रेक के बाद जब नया सत्र शुरू होता है, तब अभिभावक चाहते हैं कि उन्हें प्रतिस्पर्धी दरों पर पुस्तकें, जूते, बैग और कॉपियां मिलें और यह मेला एक ही छत के नीचे यह सभी सुविधाएं उपलब्ध कराकर अभिभावकों की चिंताओं को दूर कर रहा है। विधायक श्री सिंह ने 'बुक बैंक' की अवधारणा की सराहना करते हुए कहा कि यदि किसी छात्र की पढ़ाई पूर्ण हो गई है, तो पुस्तक दान करना एक बहुत बड़ा दान है। यह उन जरूरतमंद बच्चों के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है जो नई किताबें वहन नहीं कर सकते। वे रेड क्रॉस के माध्यम से न्यूनतम राशि देकर यहाँ से पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं, जिसका उपयोग जनहित में ही किया जाता है।

'रीड ऑन रेंट' और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

विधायक श्री नीरज सिंह ने मेले में शुरू किए गए 'रीड ऑन रेंट' कांसेप्ट की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि मात्र 5 रुपये के न्यूनतम शुल्क पर बच्चे सुबह से शाम तक पाठ्यक्रम से इतर अन्य ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ सकते हैं, जो ज्ञानवर्धन के लिए एक अभिनव पहल है। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा 'स्कूल चले हम' गीत पर दी गई मनमोहक प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। विधायक श्री सिंह ने कहा कि ऐसे मंचों के माध्यम से बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है, जो सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है।

पुस्तक बैंक हेतु अपील

इससे पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री घनश्याम सोनी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 2024 में शुरू हुआ यह प्रयोग अब 81 दुकानों के साथ एक भव्य मेले का स्वरूप ले चुका है। कार्यक्रम के अंत में विधायक श्री नीरज सिंह और शिक्षा विभाग द्वारा विशेष अपील की गई कि वर्तमान में 'बुक बैंक' में माध्यमिक शिक्षा मंडल की पुस्तकें पर्याप्त हैं, किंतु सीबीएसई और इंग्लिश मीडियम की पुस्तकों की उपलब्धता कम है। अतः कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र और अन्य दानदाता अपनी पुरानी पुस्तकें डोनेट करें ताकि अन्य विद्यार्थी कम दाम में इनका लाभ उठा सकें।
कार्यक्रम के दौरान मेले में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, डीपीसी योगेश शर्मा, मधुमिता हाजरा विधि प्रभारी कृष्णकांत शर्मा कौशल किशोर चौबे अरविन्द अग्रवाल, विवेकानंद शर्मा, सत्येंद्र उरैती आलोक शर्मा सहित विभिन्न अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जबलपुर में आयोजित "संगीताचार्य पं. सदाशिव भगवंत देशपांडे स्मृति समारोह" का समापन

स्मृति समारोह में साकार हुई शास्त्रीय कला की गरिमा

सुर, लय और साधना का अद्भुत समागम

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग अंतर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा जिला प्रशासन जबलपुर के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय संगीताचार्य पंडित सदाशिव भगवंत देशपांडे स्मृति समारोह के अंतिम दिवस उत्कृष्ट गायन, वादन एवं नृत्य की प्रस्तुतियां हुईं। संस्कृति थियेटर, भंवरताल गार्डन, जबलपुर में आयोजित इस प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन में भारत की समृद्ध संगीत परम्परा का जीवंत और मनोहारी स्वरूप साकार हुआ। सुर, ताल और लय की मधुर संगति ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया, वहीं कलाकारों की साधना, समर्पण और अभिव्यक्ति ने भारतीय शास्त्रीय कलाओं की गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया। विविध रंगों से सजी प्रस्तुतियों ने सांस्कृतिक विरासत की गहराई और व्यापकता का प्रभावी परिचय कराया। यह आयोजन न केवल कला-साधकों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना, बल्कि संगीत और नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की आत्मा को अनुभव करने का एक अद्वितीय अवसर भी सिद्ध हुआ है।

प्रदेश एवं देश के आमंत्रित सुविख्यात कलाकारों का स्वागत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर एवं उप निदेशक शेखर करहाड़कर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। कार्यक्रम की पहली सभा सितार-सरोद जुगलबंदी की थी। इस विशिष्ट प्रस्तुति में जबलपुर के ही सजल सोनी (सरोद), अनुष्का सोनी (सितार) एवं आंशिक सोनी (सरोद) ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत राग किरवानी की गंभीर और भावपूर्ण प्रस्तुति से हुई। कलाकारों ने इस राग के विभिन्न आयामों को अत्यंत कुशलता से उकेरा, जिसमें आलाप, जोड़ और झाला के साथ-साथ कई पारंपरिक बंदिशों को भी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। तीनों कलाकारों के बीच तालमेल, संवाद और रचनात्मकता ने जुगलबंदी को विशेष ऊँचाई प्रदान की। प्रस्तुति के दौरान कलाकारों की तकनीकी दक्षता और भावनात्मक अभिव्यक्ति ने संगीत प्रेमियों को पूरी तरह बांधे रखा। इस संगीतमय यात्रा को और भी सशक्त बनाया माधव सिंह ठाकुर ने, जिन्होंने तबला संगत में अपनी लयकारी और सटीक ताल से कार्यक्रम को जीवंतता प्रदान की।

कार्यक्रम की दूसरी सभा सुखदेव चतुर्वेदी, मुंबई की ध्रुपद गायन की थी। भारतीय शास्त्रीय संगीत की इस अत्यंत प्राचीन शैली में संगीत प्रेमियों ने जहां आध्यात्मिकता का अनुभव किया, वहीं गायन की गहराई और गंभीरता ने संगीत की श्रेष्ठता से भी परिचित कराया। उन्होंने गायन का आरंभ राग जयजयवंती से किया। इसमें उन्होंने नोम तोम का गहरा आलाप लेते हुए ध्रुपद बंदिश "मोर मुकुट कानन कुंडल" से राग को विस्तार दिया। अगली प्रस्तुति राग सरस्वती की थी, जिसमें उन्होंने धमार प्रस्तुत करते हुए "बहुरी धप बाजन लागे" से अपनी गायिकी को गहरा किया। अंत में उन्होंने राग शहाना में सूलताल की बंदिश "बिट्ठल प्रभु नमो नमो" से प्रस्तुति को विराम दिया। उनके साथ सारंगी पर आबिद हुसैन एवं पखावज पर जयवंत गायकवाड़ ने सधि संगत दी।

कार्यक्रम की तीसरी प्रस्तुति सुश्री अद्रिजा बसु, कोलकाता की गायन की थी। उन्होंने अपनी प्रस्तुति के आरम्भ के लिए मधुर राग बागेश्री का चयन किया। जिसमें उन्होंने विलंबित तीन ताल की बंदिश "कौन गत भई" से राग के सौन्दर्य को दिखाया। इसके बाद द्रुत तीन ताल में "सजना आए मोरे भाग जगाए" बंदिश से प्रियतम के आने की खुशी को अभिव्यक्त किया। अंत में उन्होंने राग बसंत में छोटा खयाल "कान्हा रंगवा न डारो" से रंगों के उत्सव के सौंदर्य को सुरों से सौंदर्यपूर्ण ढंग से व्यक्त किया। उनके साथ तबले पर तल्लीन त्रिवेदी एवं हारमोनियम पर सुश्री रचना शर्मा ने संगत दी। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति कथक समूह नृत्य की थी। जबलपुर की गुणी नृत्यांगना सुश्री नीलांगी कलंत्रे एवं साथी द्वारा यह प्रस्तुति दी गई। उनकी पहली प्रस्तुति गौरी रमण थी, जिसमें समुद्र मंथन का चित्रण किया गया। साथ ही शिव-पार्वती की महिमा का वर्णन किया गया। द्वितीय प्रस्तुति तीन ताल की थी, जिसमें कथक नृत्य की परंपरानुसार उठान, ठाठ, आमद, तोडे, परन, तिहाई, कवित्त एवं अंत में एक लड़ी की प्रस्तुति दी। नृत्य के तकनीकी पक्ष को दिखाती गई यह प्रस्तुति दर्शकों द्वारा सराही गई। तृतीय प्रस्तुति शेष-महेश की थी, जिसमें कृष्ण की बाल लीलाएं, जिसमें गोपियाँ बस थोड़ी से छाछ का लालच देकर कृष्ण को अंगुलियों पर नचाती हैं। चतुर्थ प्रस्तुति में प्रहलाद की कथा का वर्णन किया गया। जिसमें बताया गया कि किस प्रकार भक्त प्रहलाद को उसके ही पिता राजा हिरण्यकश्यप सिर्फ इसलिये मारना चाहते हैं कि वह विष्णु की आराधना करता है और भगवान विष्णु नरसिंह अवतार लेकर उसका वध करते हैं। पांचवीं प्रस्तुति पंडित बिरजू महाराज द्वारा रचित सरगम की थी एवं छठवीं प्रस्तुति ध्रुपद की थी। अंत में एक कजरी की प्रस्तुति थी, जिसमें यह बताया गया कि एक नायिका अपने प्रिया का इंतजार करती है और वो उन्हें हर जगह ढूंढती है।

हिन्दू परिषद और बजरंग दल की बैठक ने लिया संकल्प

1 करोड़ घरों से 1 मुट्ठी अनाज संग्रहण करने का लक्ष्य

जबलपुर। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के महाकौशल प्रांत की एक महत्वपूर्ण बैठक विजय नगर स्थित कचनार क्लब में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के आगामी लक्ष्यों और समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्पों को धरातल पर उतारने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में हिंदू हेल्थ लाइन के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. एल.बी. सिंह चंदेल (बेटू भैया) का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं को हिंदू समृद्धि, सुरक्षा, सम्मान और स्वास्थ्य के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने हेतु प्रेरित किया। बैठक में 1 लाख साप्ताहिक हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित करने, 1 करोड़ घरों से 'एक मुट्ठी अनाज' का संग्रह कर 1 करोड़ जरूरतमंदों तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया। इसी तरह स्वास्थ्य सेवा के तहत 1 लाख मुफ्त मेडिकल कैंप आयोजित करने के लिए 30 हजार डॉक्टरों को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया। इसी तरह जनसंख्या नियंत्रण कानून की आवश्यकता, महिला सुरक्षा प्रशिक्षण और राष्ट्र को आतंक मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष श्री अभिषेक मालू, प्रांत महामंत्री डॉ. अशोक सोनी, प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष अधि. प्रीति धनधारिया, प्रांत मंत्री अर्पित ठाकुर सहित महाकौशल प्रांत के 23 जिलों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आपसी खींचतान में रुक गए नाम

पनागर-सिहोरा के एल्डरमैन घोषित, जबलपुर के अटके

जबलपुर। मध्य प्रदेश में लंबे इंतजार के बाद रविवार को 169 नगरीय निकायों में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) के नामों की घोषणा कर दी गई, लेकिन जबलपुर नगर निगम में एक बार फिर सहमति नहीं बन सकी। पनागर और सिहोरा में जहां नामों पर मुहर लग गई, वहीं जबलपुर शहर में आपसी खींचतान के चलते सूची जारी नहीं हो पाई। राजनीतिक हलकों में इसे संगठन और स्थानीय नेतृत्व के बीच तालमेल की कमी के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले नगर निगम की एमआईसी (मेयर इन काउंसिल) के गठन में भी लंबा विवाद चला था और आज भी कई पद खाली हैं, जबकि अगले साल निगम का कार्यकाल समाप्त होने वाला है।

राज्य में 169 निकायों में घोषणा

प्रदेश के 123 नगर परिषदों में 4-4 और 46 नगर पालिकाओं में 6-6 एल्डरमैन नियुक्त किए गए हैं। जबलपुर जिले की सिहोरा और पनागर नगर पालिकाओं में नाम घोषित हुए हैं. सिहोरा में सत्य प्रकाश खरे, अमित खत्री, आलोक जैन, साकेत पांडे, गीता पटेल, विनोद गुप्ता। वहीं पनागरमें अनिल गौतम, रेखा ताम्रकार, विनय जैन, राजेश तिवारी, दुर्गेश बर्मन, सचिन पटेल को एल्डरमैन बनाया गया है। सूत्रों के अनुसार एल्डरमैन के नामों की घोषणा सबसे पहले नगर परिषद स्तर से शुरू की गई है।

जबलपुर शहर क्यों पिछड़ा

जबलपुर नगर निगम में पहले भी एमआईसी गठन को लेकर खींचतान सामने आ चुकी है। आधे पद अभी भी खाली हैं। अब एल्डरमैन सूची में देरी से यह सवाल उठने लगा है कि क्या स्थानीय स्तर पर गुटबाजी निर्णय प्रक्रिया पर भारी पड़ रही है? राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जब निगम का कार्यकाल समाप्ति की ओर है, ऐसे समय में नियुक्तियों में देरी से प्रशासनिक कामकाज और समन्वय प्रभावित हो सकता है।

क्या होती है एल्डरमैन की भूमिका

मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति प्रशासनिक अनुभव और नगर पालिका अधिनियम की समझ के आधार पर की जाती है। संगठन की सिफारिश पर नियुक्त एल्डरमैन परिषद की बैठकों और चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं, लेकिन उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं होता। इनका कार्यकाल परिषद के कार्यकाल के साथ ही समाप्त होता है। सरल शब्दों में, एल्डरमैन परिषद के मार्गदर्शक होते हैं, निर्णायक नहीं। अब नजर इस बात पर है कि जबलपुर नगर निगम में सहमति कब बनती है और क्या एमआईसी की तरह यह मुद्दा भी लंबा खिंचता है, या फिर जल्द कोई समाधान निकलता है।

लायसेंस नवीनीकरण कराने अब मात्र 2 दिन शेष

जबलपुर। नगर निगम द्वारा मध्यप्रदेश शासन के द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप 31 मार्च तक करदाताओं को बकाया करों की राशि पर छूट का लाभ दिया जा रहा है, इसके लिए अब मात्र 2 दिन शेष रह गये हैं। इसके साथ-साथ लायसेंस नवीनीकरण कराकर सम्मान के साथ व्यापार करने की अवधि भी 2 दिन शेष है। इस संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शहर के करदाताओं एवं व्यापारियों से अपील की है कि 31 मार्च तक अपने समस्त बकाया करों की राशि जमा कर अधिभार से बचें। वहीं उन्होंने व्यापारियों से भी अनुरोध किया है कि 31 मार्च के पहले लायसेंस नवीनीकरण कराएं और सम्मान के साथ व्यापार करें।

दोनों समय जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

जबलपुर। नगर निगम के अधीक्षण यंत्री और जल विभाग के प्रमुख कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि टाउन हॉल टैंक में कंटेनर लीकेज के सुधार कार्य एवम सप्लाई लाइन 600 एम.एम. की टी बदलने का कार्य किया जाना है। जिसके चलते आज 30 मार्च 2026 को सायंकालीन से कल 1 अप्रैल 2026 तक दोनो समय टैंक से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी।

---

25 से 28 वर्ष की सेवा के पश्चात परीक्षा लेना अनुचित?

ट्राइबल विभाग के 65 हजार शिक्षकों को देनी होगी पात्रता परीक्षा

जबलपुर। 25 से 28 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के पश्चात कर्मचारी की परीक्षा लेना क्या सही है ? यह सवाल मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय ने उठाया है। उन्होंने कहा है कि जनजातीय कार्य विभाग में पदस्थ शिक्षकों के लिए भी शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। नए निर्देशों के अनुसार ट्राइबल विभाग के करीब 65 हजार शिक्षकों को यह परीक्षा देनी होगी, जिससे बड़ी संख्या में शिक्षकों के सामने नौकरी को लेकर

असमंजस की स्थिति बन गई है। विभाग में करीब 95 हजार शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें से करीब 65 हजार को पात्रता परीक्षा देनी होगी। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश प्रवक्ता अनिल भार्गव (वायु) ने बताया है कि जनजातीय कार्य विभाग आयुक्त द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। सिविल अपील क्रमांक 1385/2025, 1386/2025 समेत अन्य मामलों में दिए गए आदेशों के आधार पर यह व्यवस्था लागू की जा रही है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों के तहत पात्रता परीक्षा को अनिवार्य बनाया गया है। प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को यह पात्रता परीक्षा दो वर्षों के भीतर अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण करनी होगी। इसके लिए विभाग ने जुलाई-अगस्त 2026 में विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित कराने की तैयारी भी शुरू कर दी है। संभागीय उपायुक्त, सहायक आयुक्त और जिला संयोजकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पदस्थ शिक्षकों को परीक्षा की जानकारी दें और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करें, विभाग ने स्पष्ट किया है कि जो शिक्षक अभी निर्धारित योग्यता पूरी नहीं करते हैं, उन्हें इस परीक्षा में शामिल होकर पात्रता हासिल करनी होगी। आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। संघ के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र सिंह ने इस प्रक्रिया पर रोष व्यक्त किया है उन्होंने कहा है कि जानकारी प्राप्त हुई है कि ए एन एम कार्यकर्ता वर्ष-2023 परीक्षा के अभ्यर्थियों का पुनः परीक्षण 6 अप्रैल से 17 अप्रैल तक अपर संचालक लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के आदेश पर होने की चर्चा है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (ए.एन.एम.) वर्ष 2023 परीक्षा के अंतर्गत अपात्र घोषित अभ्यर्थियों का पुनः परीक्षण कराना भी सही नहीं है। परीक्षण संचालनालय जयप्रकाश चिकित्सालय भोपाल, चिकित्सा शिक्षा विभाग सतपुड़ा भवन भोपाल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल एवं म.प्र. पब्लिक हेल्थ कॉर्पोरेशन लिमिटेड भोपाल में कराए जाने की चर्चा भी जोरों से हो रही है। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अटल उपाध्याय,अरुण चतुर्वेदी, योगेन्द्र मिश्रा, सतीश उपाध्याय ने पात्रता परीक्षा के नाम पर शिक्षको और कर्मचारियों की योग्यता सेवा में आने के 25 से 28 वर्ष पश्चात जांचने की प्रक्रिया को गलत बताया है। शासन से कर्मचारी हित में इस तरह के आदेश जारी न करने की मांग की है।

जबलपुर की नई वॉटर क्रांति, भंवरताल बनेगा जल संचयन का मॉडल : उपमुख्यमंत्री

जबलपुर। शहर के हृदय स्थल भँवरताल उद्यान में अब वर्षा की हर बूंद को सहेजने की तैयारी शुरू हो गई है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ सोकपिट निर्माण का भूमिपूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि जबलपुर में यह एक नई "वॉटर क्रांति" है, जो पूरे प्रदेश के लिए मॉडल बनेगी। उन्होंने बताया कि भँवरताल को जल संचयन का आदर्श केंद्र बनाया जा रहा है, जिससे भूजल स्तर बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने नगर निगम की इस पहल की सराहना करते हुए नागरिकों से भी अभियान में भागीदारी की अपील की।

10 एकड़ में बनेंगे 4 सोकपिट

करीब 10 एकड़ में फैले इस पार्क में 4 सोकपिट बनाए जा रहे हैं। इन सोकपिट के माध्यम से वर्षा जल सीधे जमीन में समाहित होगा और भूजल स्तर रिचार्ज होगा। मानसून के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या भी इससे कम होगी। संचित पानी धरती की प्यास बुझाएगा और आसपास के क्षेत्रों में ट्यूबवेल व कुओं के जल स्तर में सुधार होगा।

ननि का मिशन हार्वेस्टिंग

नगर निगम अब शहर के लगभग 200 उद्यानों के साथ-साथ शासकीय और अशासकीय भवनों में भी रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। निजी संस्थानों को भी इसके लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रशासन

का मानना है कि यह पहल जबलपुर को भविष्य के जल संकट से बचाने में कारगर साबित होगी। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, सांसद आशीष दुबे, विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय, विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, विधायक सुशील तिवारी इन्दू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, एम.आई.सी. सदस्य श्रीमती रजनी कैलाश साहू, डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, विवेक राम सोनकर, पार्षद अतुल जैन दानी, श्रीमती अर्चना सिसोदिया, श्रीमती अंजना मनीष अग्रहरी, श्रीमती वर्षा मनोज सेन, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

देवड़ा ने किया श्रमदान, जल संरक्षण का दिलाया संकल्प

जगदीश देवड़ा ने प्रवास के दौरान शासन के महत्वाकांक्षी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' में भाग लेते हुए ऐतिहासिक रानीताल पहुंचकर श्रमदान किया। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ तालाब परिसर की सफाई कर स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश दिया। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि जल संरक्षण को केवल अभियान न समझें, बल्कि इसे सामाजिक कर्तव्य के रूप में निभाएं। उन्होंने नारा दिया– जब जन-जन जुड़ेगा, तभी जल बचेगा। इस मौके पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, सांसद आशीष दुबे, विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय, विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी, विधायक सुशील तिवारी इन्दू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, एम.आई.सी. सदस्य श्रीमती रजनी कैलाश साहू, डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, विवेक राम सोनकर, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी और नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर तालाब की सफाई की और जल संचयन का संकल्प लिया।

भंवरताल में "संकल्प से समाधान" कार्यक्रम

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के मुख्य आतिथ्य में संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं हितग्राहियों को हितलाभ वितरण का कार्यक्रम भंवरताल गार्डन के समीप स्थित संस्कृति थियेटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देवड़ा ने कहा कि कुछ कार्यक्रम संख्या के आधार पर बड़े होते हैं, लेकिन कुछ कार्यक्रम भावनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का राजधर्म है कि वह जनता के दुखों को संवेदनशीलता से दूर करे। आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपये तक के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जिनका आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, उनकी औपचारिकताएं पूरी कर कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, भाजपा नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, एम.आई.सी. सदस्यगण श्रीमती रजनी कैलाश साहू, डॉ. सुभाष तिवारी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, विवेक राम सोनकर, पार्षद अतुल जैन दानी, श्रीमती अर्चना सिसोदिया, श्रीमती अंजना मनीष अग्रहरी, श्रीमती वर्षा मनोज सेन, कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय, नगर निगम कमिश्नर श्री रामप्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक गहलोत सहित बड़ी संख्या में हितग्राही और आमजन उपस्थित रहे।

बाना छेदे साधक, भाव खेलते पण्डा, नृत्य करतीं 9 देवियां और कलशों की छटा देखते ही बन रही थी

जगह-जगह स्वागत मंच लगाकर श्रद्धालुओं ने किया सत्कार

मां बड़ी खेरमाई के जवारों की निकली भव्य विसर्जन शोभायात्रा

जबलपुर। गुप्त शक्तिपीठ मां श्री बड़ी खेरमाई मंदिर परिसर में चैत्र की नवरात्र पर विराजमान जवारों की भव्य विसर्जन शोभायात्रा सम्पन्न हुई। श्री बड़ी खेरमाई मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल ने बताया कि जवारा शोभायात्रा अपने ऐतिहासिक और परम्परागत मार्ग से निकाली गई। जवारा शोभायात्रा का मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा मंच लगाकर स्वागत किया गया। बाजे-गाजे-ढोल-ढमाकों और भक्ति संगीत की मधुर धुनों के साथ निकली शोभायात्रा में आगे-आगे भाव खेलते पण्डा और बाना छेदे साधकों को देखकर लोग हैरत में पड़ गए। इसी के साथ नृत्य करतीं 9 देवियों की झांकियां और कलशों की शोभा देखते ही बन रही थी, श्रद्धा से नत हो रहे मस्तक स्वतः ही भगवती मातारानी का जयकारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। जवारा शोभायात्रा में माँ बड़ी खेरमाई माता की छवि का भव्य रथ आकर्षण का केंद्र रहा। मंदिर परिसर भानतलैया से शुरू हुई जवारा शोभायात्रा यहां से दुर्गा चौक होते हुए हनुमानताल से आगे राजा रसगुल्ला के सामने से होते हुए मिलौनीगंज की ओर बढ़ी, जहां से घोड़ा नक्कास होते हुए जवारा शोभायात्रा हनुमानताल थाने के सामने स्थित घाट पर पहुंची। यहां पर पूरे विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर जवारों का विसर्जन किया गया। इस दौरान पुलिस-प्रशासन द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। जवारा शोभायात्रा में माँ श्री बड़ी खेरमाई मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल, सचिव शशिकांत मिश्रा, उपाध्यक्ष अनिल पाल, महेंद्र जांगड़े, सुरेश आहूजा, जयकांत उपाध्याय, आशीष त्रिवेदी, दीपचंद साहू, राहुल चौरसिया, विनय केसरवानी, रोहित सेन, विशाल आहूजा, डीपी गूजर, गणेश रैकवार सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में गणमान्यजन शामिल हुए।

प्रोफेसर अरुण शुक्ल को दिल्ली में साहित्याचार्य विभूषण सम्मान से किया गया अलंकृत

जबलपुर। साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में सतत सक्रिय महाकोशल कॉलेज के सीनियर प्रोफेसर डॉ. अरुण शुक्ल को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित 'साहित्यकार सम्मान उत्सव' में सम्मानित किया गया। इंडिया नेटबुक्स व बीपीए फाउंडेशन द्वारा विगत दिवस दिल्ली के मयूर विहार स्थित होटल क्राउन प्लाजा में आयोजित इस भव्य समारोह में प्रोफेसर शुक्ल को उनकी साहित्यिक निष्ठा और अकादमिक योगदान के लिए 'साहित्याचार्य विभूषण सम्मान' से गौरवान्वित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध वरिष्ठ लेखिका ममता कालिया ने की, जिनकी देखरेख में चयन समिति ने देश भर की विभूतियों का चयन किया था।-**साहित्य के साथ सांस्कृतिक भूमिका भी अहम**प्रोफेसर अरुण शुक्ल केवल साहित्यिक लेखन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सांस्कृतिक गतिविधियों में भी निरंतर सक्रिय रहते हैं। वे वर्तमान में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना और दिव्यांग प्रकोष्ठ के महत्वपूर्ण पदों पर रहकर छात्र हितैषी कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण और समाज के वंचित वर्ग की सहायता में उनकी भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। श्री शुक्ल के मार्गदर्शन में युवाओं को करियर सम्बन्धी प्रेरक व्याख्यान व सेमिनार भी सतत आयोजित किये जाते हैं। इस सम्मान समारोह में उनके साथ प्रोफेसर बलदेव भाई शर्मा को वेद व्यास शिखर सम्मान तथा केशू भाई देसाई एवं डॉ. संतोष चौबे सहित अन्य विद्वानों को विभिन्न श्रेणियों में अलंकृत किया गया। प्रोफेसर श्री शुक्ल को उनकी इस उपलब्धि और साहित्य के प्रति उनके समर्पण के लिए शुभचिंतकों एवं सहयोगियों द्वारा बधाई दी जा रही है।

प्रदेश की बिजली बाहर सस्ती प्रदेश में मंहगी बेची जाएगी

प्रदेश के बाहर 3.81 रुपये यूनिट, प्रदेश में 7.05 रुपये में मिलेगी

जबलपुर। इस वर्ष के बिजली टैरिफ आदेश के पृष्ठ 77 टेबल 35 में प्रदेश के बाहर सरप्लस बिजली 3.81 रुपये प्रति यूनिट के रेट से पावर एक्सचेंज के मार्फत बेचने का निर्देश जारी किया गया है। इसी टैरिफ आदेश में प्रदेश के सर्वसाधारण उपभोक्ता, जो प्रतिमाह 150 से 300 यूनिट बिजली की खपत करते हैं, उन्हें 7.05 रुपये प्रति यूनिट से बिजली बेचने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रदेश में ही उत्पादित की गई बिजली बाहर सस्ते रेट पर लेकिन वही बिजली प्रदेश के उपभोक्ताओं को मंहगे रेट पर बेची जाना जबरदस्त विसंगति है तथा प्रदेश के उपभोक्ताओं के साथ भारी अन्याय है।नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्श मंच, भारतीय वरिष्ठ नागरिक संगठन, महिला समिति, मानव अधिकार क्रांति संगठन, सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसो., पेंशनर्स समाज तथा किसान संगठन ने 28 मार्च को घंटाघर के पास प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर मांग की कि प्रदेश में भी बाहर के सस्ते रेट से बिजली बेची जाए। इस अवसर पर डॉ. पीजी नाजपांडे, टीके रायघटक, डीके सिंह, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, मनीष शर्मा, अशोक नामदेव, संतोष श्रीवास्तव, दिलीप कुण्डे, पीएस राजपूत, डीआर लखेरा, रेखा झारिया, यशवंत कोष्टा, अशोक यादव, डीके चौरे, डीके निगम, अब्दुल रहमान सहित बड़ी संख्या में उपभोक्ता उपस्थित रहे।

बाइपोलर डिसऑर्डर दिवस आज

भारत में हर 150 में से एक व्यक्ति बाइपोलर डिसऑर्डर से पीड़ित

जबलपुर। विश्व द्विध्रुवी दिवस (World Bipolar Day) हर साल 30 मार्च को प्रसिद्ध चित्रकार विंसेंट वैन गॉग के जन्मदिन पर मनाया जाता है, जिन्हें मरणोपरांत बाइपोलर डिसऑर्डर का निदान किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य इस मानसिक स्थिति के प्रति जागरूकता बढ़ाना, कलंक (Stigma) को दूर करना और सही उपचार के बारे में शिक्षित करना है।शांतम प्रज्ञा आश्रम नशा मुक्ति, मनोआरोग्य, दिव्यांग पुर्नवास केंद्र जबलपुर के संचालक मुकेश कुमार सेन क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट ने बताया कि विश्व में लगभग 4.6 करोड़ लोग बाइपोलर डिसऑर्डर से प्रभावित हैं, वहीं भारत में बाइपोलर डिसऑर्डर (द्विध्रुवी विकार) के मामलों को लेकर अलग-अलग अनुमान हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, भारत में लगभग 8 करोड़ से अधिक लोग इस विकार से पीड़ित हो सकते हैं, जबकि अन्य आंकड़ों के अनुसार, देश में हर 150 में से एक व्यक्ति (लगभग 0.5% से 1%) इस समस्या से प्रभावित है। यह एक गंभीर मानसिक स्थिति है।

बाइपोलर डिसऑर्डर क्या है?

बाइपोलर डिसऑर्डर जिसको पहले मैनिक-डिप्रेसिव बीमारी या मैनिक डिप्रेशन के नाम से भी जाना जाता था। यह एक मानसिक स्थिति है जो बहुत ज़्यादा मूड स्विंग होने का कारण बनती है, जिसमें कई व्यक्तियों को उम्र बढ़ने के साथ-साथ मूड में तेजी से बदलाव और मानसिक स्थिति में उतार चढ़ाव का महसूस होना शुरू हो जाता है। जिनको उन्माद या हाइपोमेनिया भी कहा जाता है, इस तरीके के बदलाव घंटों, दिनों, हफ्तों या महीनों तक रह सकते हैं और आपके कार्यों को करने की क्षमता को बिगाड़ सकते हैं। बाइपोलर डिसऑर्डर के कई प्रकार होते हैं जिसमें आपके मूड में महत्वपूर्ण उतार-चढ़ाव होने का अनुभव हो सकता है जैसे कि हाइपोमेनिक/ मैनिक और अवसादग्रस्त एपिसोड। बाइपोलर डिसऑर्डर में व्यक्ति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती है यह उससे ही जुड़े बाइपोलर डिसऑर्डर का संकेत हो सकता है। जब आप उदास हो जाते हैं, उदास या निराश महसूस कर सकते हैं और ज्यादातर गतिविधियों में दिलचस्पी या आनंद खो सकते हैं। इसके साथ आपका लाइफस्टाइल भी प्रभावित हो सकता है। बाइपोलर डिसऑर्डर में व्यक्ति कभी तो ज्यादा उदास और कभी तो ज्यादा खुश महसूस कर सकता है जिसकी वजह से वह चिड़चिड़ा हो जाता है। यह मूड स्विंग नींद, ऊर्जा, गतिविधि, निर्णय, व्यवहार और स्पष्ट रूप से सोचने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। जो कोई भी व्यक्ति इस तरीके की बीमारी से पीड़ित होता है, उसके घरवालों को चाहिए की उस व्यक्ति को स्पोर्ट करें और उसके साथ रहें। इस तरीके की समस्या व्यक्ति को डिप्रेशन और मेनिया का शिकार बना सकती है। अगर व्यक्ति को इसका ट्रीटमेंट जल्दी न दिया जाये तो ये एक गंभीर बीमारी का रूप भी धारण कर सकती है।

उम्र के साथ बाइपोलर डिसऑर्डर क्यों बिगड़ता है?

आम तौर पर इसमें व्यक्ति की मानसिक स्थिति तेजी से बदलती है, कभी वह बहुत ही जयादा एनर्जेटिक, आत्मविश्वासी और बहुत ही तेज बोलने वाला हो जाता है, और कभी बहुत ज्यादा दुखी, थका हुआ और उदास हो जाता है। इसको मैनिक और डिप्रेसिव कहा जाता है, बाइपोलर डिसऑर्डर को "मूड डिसऑर्डर" भी बोला जाता है। ये व्यक्ति के काम, करियर, रिश्तों को भी प्रभावित करता है।यदि समय रहते इस बीमारी का उपचार किया जाये तो बाइपोलर डिसऑर्डर शीघ्र ही ठीक किया जा सकता है, बाइपोलर डिसऑर्डर एक दीर्घकालिक मानसिक स्थिति है, जिसे उचित उपचार से नियंत्रित किया जा सकता है। इसके मुख्य उपचार में मूड स्टेबलाइजर दवाएं (जैसे लिथियम), एंटीसाइकोटिक्स, साइकोथेरेपी (जैसे **CBT**) और जीवनशैली में बदलाव (नियमित नींद, नशा मुक्ति) शामिल हैं। यह एक जीवनभर चलने वाली बीमारी है, इसलिए मनोचिकित्सक की सलाह पर ही दवाओं का कोर्स जारी रखना चाहिए।

भेड़ाघाट में भू-माफियाओं पर जिला प्रशासन मेहरबान क्यों

सरस्वती घाट में पहाड़ी को काटकर अतिक्रमण हो रहा

भेड़ाघाट। सरकारी भूमि पर कब्जा करने की होड़ सी मची हुई हैं शहपुरा तहसील पटवारी हल्का नंबर 46 बिल्हा ग्राम पंचायत में सरस्वती घाट पर भूमाफियाओं द्वारा धर्मशाला की आड़ में कब्जा जमाने का खेल चल रहा है। दिलचस्प बात यह है कि धर्मशालाओं के नाम पर सांसद निधि विधायक निधि का उल्लेख कर आम लोगों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को गुमराह कर रहे यह क्षेत्र नगर परिषद भेड़ाघाट की सीमा से भी लगा हुआ है। आखिरकार भेड़ाघाट की प्राकृतिक सुंदरता को नष्ट करने पर भू माफिया उतारू है प्रशासनिक अमला को फुर्सत नहीं है की प्राकृतिक सुंदरता को नष्ट करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। वृक्ष है तो जीवन हैं लेकिन यह स्लोगन सुनने में तो अच्छा लगता है और मुख्यमंत्री की परिकल्पना भी साकार होगी यह कहां नहीं जा सकता है भेड़ाघाट क्षेत्र में वन विभाग और राजस्व विभाग में बैठे अधिकारियों की वजह से वन परिक्षेत्र मैं अंधाधुन वृक्षों की कटाई के साथ ही भू माफियाओं द्वारा प्राकृतिक सुंदरता को नष्ट किया जा रहा है सरस्वती घाट में पहाड़ी को जेसीबी मशीन से छलनी किया जा रहा है यहां पर सागौन के झाड़ भी लगे हुए हैं उनको भी जड़ से उखाड़ा जा रहा है ग्राम पंचायत बिल्हा नगर परिषद भेड़ाघाट की सीमा में यह क्षेत्र लगा है मां नर्मदा की प्राकृतिक सुंदरता को सरस्वती घाट संगम कहा जाता है ग्राम पंचायत के चक्कर में भूमाफिया वन भूमि पर कब्ज़ा कर रहे हैं नर्मदा तट से 300 मीटर पर किसी प्रकार की खुदाई या पक्का निर्माण नहीं किया जा सकता है लेकिन हाई कोर्ट के आदेशों को शासन प्रशासन में बैठे अधिकारी ठेंगा दिखा रहे हैं वन विभाग के राजस्व विभाग तहसीलदार या एस,डी, एम,को शिकायत के बाद भी अधिकारियों को यह नहीं दिख रहा है तभी तो भेड़ाघाट क्षेत्र का वन परिक्षेत्र का सफाया हो रहा है और राज्य शासन के सपनों पर पानी फेरा जा रहा है। भूमाफियाओं द्वारा रातों-रात वृक्षोंका कत्लेआम भी किया जा रहा हैं प्रशासन द्वारा कभी निरीक्षण नहीं किया जाता है जिससे भेड़ाघाट में घटते वृक्षों से पर्यावरण पर विपरीत असर पड़ रहा है भूमाफियाओं के हौसले बुलंद हैं। जिला प्रशासन द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं होने से भूमाफियाओं के हौसले बुलंद है

हाई कोर्ट के आदेशों की अवहेलना हो रही

शहपुरा तहसील बिल्हा ग्राम पंचायत क्षेत्र में शासकीय भूमि को लेकर भूमाफिया ओं द्वारा अवैध कब्जा करने की होड़-सी लगी हैं सरस्वती घाट में भी बेजा कब्जा किये जा रहे हैं पहाड़ियों को खोद कर धर्मशाला की आड़ में कब्जा जमाने का खेल चल रहा हैं शासन के जिम्मेदारों द्वारा भूमाफियाओं पर कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही हैं भूमाफियाओं को किसका संरक्षण प्राप्त है जिससे भू माफिया मिट्टी का कटाव कर पहाड़ी को समतल कर टीन सेट बनाकर बेजा कब्जा हो रहा हैं आखिरकार जिला प्रशासन राजस्व विभाग वन विभाग अधिकारियों द्वारा कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही या जन चर्चा का विषय बना हुआ है।

गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ का 15वां स्थापना दिवस एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न

370 मरीजों की जांच, वरिष्ठजनों को "हीरक मणि सम्मान", नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

जबलपुर। गहोई वैश्य वरिष्ठ संघ म.प्र. जबलपुर द्वारा 15वां सार्वजनिक निःशुल्क चिकित्सा शिविर, वार्षिक समारोह एवं स्थापना दिवस कार्यक्रम गहोई वैश्य पंचायती भवन, तमरहाई चौक में धूमधाम से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. अभिलाष पाण्डे (विधायक, उत्तर मध्य क्षेत्र), विशिष्ट अतिथि डॉ. रामकुमार हूँका (पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी) एवं राकेश चंद्र सरावगी (उपाध्यक्ष, महासभा) की उपस्थिति में अध्यक्ष इंजी. कमलकांत गुप्ता बहरे द्वारा दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लगभग 370 मरीजों की जांच कर परामर्श एवं दवाइयों का वितरण किया। द्वितीय सत्र में वार्षिक साधारण सभा एवं स्थापना दिवस समारोह का आयोजन रमेशचंद्र सरावगी (उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा, ग्वालियर) के मुख्य आतिथ्य तथा इंजी. रामगोपाल ददरया (अध्यक्ष, गहोई वैश्य समाज पंचायत, जबलपुर) एवं वीरेन्द्र कुमार सोनी (अध्यक्ष, मध्य मालवा क्षेत्रीय सभा, भोपाल) के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया।

इस दौरान संतोष सुहाने (महासचिव) ने बैठक विवरण, विजय बडौन्या (कोषाध्यक्ष) ने आय-व्यय तथा अध्यक्ष इंजी. कमलकांत गुप्ता बहरे ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में स्व. साधना नीखरा के परिजनों का सम्मान किया गया तथा 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों को "हीरक मणि सम्मान" प्रदान किया गया। सत्र 2026-2028 के लिए निर्वाचित अध्यक्ष इंजी. कमलकांत गुप्ता बहरे एवं महासचिव संतोष सुहाने को डॉ. अरूण सरावगी द्वारा शपथ दिलाई गई। रामनारायण पहारिया ने संघ की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डाला।

डॉ राहुल राजपूत और डॉ कुणाल पटले की फीजियोथैरिपी टीम ने भी शिविर में भागीदारी दी।

अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्रवृत्ति वृद्धि, विशेष प्रतिभा सम्मान (5000), शिक्षक सम्मान एवं स्वरोजगार योजनाओं (सिलाई मशीन वितरण) का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम में शंभूदयाल बड़ेरिया, अनंतराम बड़ेरिया, कैलाश कुमार लहरिया, सीता सरावगी, संतोष सिपोल्या, कृष्णकांत बरसैया, सतीष कुचया, राकेश इटोंदया, सुभाषचंद्र रावत, उत्तमचंद्र बिलैया, अशोक सेठ, राजेन्द्र मातेले, राजेन्द्र चपरा, सुरेश कुमार चौदहा, विष्णु दयाल ब्रिजपुरिया, अरूण खर्द, दिनेश चंद्र बिलैया, खेमचंद सोनी, सविता सरावगी, अनिल सरावगी, राजीव नीखरा, राजेन्द्र सिजारिया, सुरेश कुरेले, कृष्ण कुमार नौगरैया, आनंद तपा, पुरुषोत्तम लाल झुड़ेले सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन अनंतराम बड़ेरिया ने किया तथा अंत में महासचिव संतोष सुहाने ने आभार व्यक्त किया। दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित कर स्वरूचि भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

महाकोशल प्रांत की प्रांत बैठक संपन्न आगामी कार्ययोजना पर हुआ विचार-विमर्श

जबलपुर। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के महाकोशल प्रांत की महत्वपूर्ण बैठक विजय नगर स्थित कचनार क्लब में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के आगामी लक्ष्यों और समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्पों को धरातल पर उतारने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में हिंदू हेल्थ लाइन के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. एल.बी. सिंह चंदेल (बेटू भैया) का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने संगठन के कार्यकर्ताओं को हिंदू समृद्धि, सुरक्षा, सम्मान और स्वास्थ्य के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

बैठक में प्रमुख रूप से निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गई- सामुदायिक सहयोगः 1 लाख साप्ताहिक हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित करना और 1 करोड़ घरों से 'एक मुट्ठी अनाज' का संग्रह कर 1 करोड़ जरूरतमंदों तक पहुँचाना।

स्वास्थ्य सेवाः 1 लाख मुफ्त मेडिकल कैंप आयोजित करना, 1 करोड़ हिंदू साथियों का मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण (बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन, मोटापा) करना और प्रतिदिन एक रोगी को मुफ्त देखने वाले 30 हजार डॉक्टरों को जोड़ना।

सामाजिक सुरक्षा एवं जागरूकताः जनसंख्या नियंत्रण कानून की आवश्यकता, महिला सुरक्षा प्रशिक्षण और राष्ट्र को आतंक मुक्त बनाने का संकल्प।

बैठक में महाकोशल प्रांत के अध्यक्ष अभिषेक मालू, प्रांत महामंत्री डॉ. अशोक सोनी, प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष अधि. प्रीति धनधारिया, प्रांत मंत्री अर्पित ठाकुर सहित महाकोशल प्रांत के 23 जिलों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री रामनाथ शाह- रेलवे क्रासिंग के पास गढ़ा रोड निवासी श्री रामनाथ शाह (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अनिल विश्वकर्मा- बृजमोहन नगर छापर रामपुर निवासी श्री मदन विश्वकर्मा के पुत्र श्री अनिल विश्वकर्मा (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री विनोद कुमार विश्वकर्मा- न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री विनोद कुमार विश्वकर्मा (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भगवान दास लेखवानी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री भगवान दास लेखवानी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री निहाल वासवानी- स्नेह नगर गढ़ा रोड निवासी श्री सुरेंद्र वासवानी के पुत्र श्री निहाल वासवानी (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष यादव- चांदमारी लालमाटी पंचशील स्कूल रोड निवासी श्री संतोष यादव (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री धर्मेंद्र साहू- कटंगा टीवी टावर के पास केंट निवासी श्री धर्मेंद्र साहू (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विकसित शर्मा- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री मुकेश शर्मा के पुत्र श्री विकसित शर्मा (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कु. रिंकी घोषी- विनोबा नगर गुजराती मोहल्ला अधारताल निवासी श्री तीरथ प्रसाद घोषी की पुत्री कु. रिंकी घोषी (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. कामनी भलावी- शंकरशाह नगर रामपुर निवासी श्री मनोज भलावी की पुत्री कु. कामनी भलावी (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अजय शर्मा- नेपियर टाउन इनकम टैक्स आफिस के पास निवासी श्री अजय शर्मा (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उमरावती देवी राम- कांचघर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी श्री राधेश्याम राम की धर्मपत्नी श्रीमती उमरावती देवी राम (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रामकृष्ण विश्वकर्मा- नेता कॉलोनी अधारताल निवासी श्री रामकृष्ण विश्वकर्मा (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भागवती देवी- एपीआर कॉलोनी नं. 2 बिलहरी निवासी श्री शिव सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती भागवती देवी (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सुमंत्रा बाई- दुर्गा नगर भटौली गौरीघाट निवासी श्री मनबोध की धर्मपत्नी श्रीमती सुमंत्रा बाई (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अमावस राय- शीला टाकीज कम्पाउंड निवासी श्री अमावस राय (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री भोला सेन- बगीचा नं. 55, सदर निवासी श्री भोला सेन (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. निकिता कुशवाहा- उदय नगर नं. 2 व्हीकल रोड निवासी श्री सुरेंद्र सिंह कुशवाहा की पुत्री कु. निकिता कुशवाहा (23) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री अशोक मोंगरे- पुराना तांगाखाना के पास सदर केंट निवासी श्री अशोक मोंगरे (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग

खबर संक्षेप

आरबीआई ने तीन सरकारी बैंकों पर लगाया जुर्माना

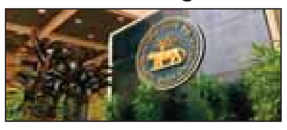

मुंबई। आरबीआई ने कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और पाइन लैब्स पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर 95.40 लाख रुपये, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 63.60 लाख रुपये, बैंक ऑफ इंडिया पर 58.50 लाख रुपये और पाइन लैब्स पर 3.10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

जियो फाइनेंशियल की बीमा क्षेत्र में उतरने की तैयारी

मुंबई। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज (जेएफएस) इस साल साधारण बीमा और जीवन बीमा कारोबार क्षेत्र में उतरने की योजना बना रही है। कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी की बिना गारंटी वाले ऋण और टिकाह उपभोक्ता सामान (जैसे टीवी, फ्रिज आदि) के ऋण बाजार में तत्काल उतरने की कोई योजना नहीं है।

पूंजीकरण में रिलायंस को सबसे अधिक नुकसान

नई दिल्ली। कम कारोबारी सत्रों वाले बीते सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 1.75 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 949.74 अंक या 1.27 प्रतिशत नीचे आया।

मांग बढ़ने से तेल-तिलहन में सुधार, मूंगफली स्थिर

नई दिल्ली। आवक कम रहने, डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने के साथ-साथ शादी-विवाह के मौसम की मांग बढ़ने से देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह अधिकांश खाद्य तेल-तिलहनों की कीमतों में मजबूती दर्ज हुई और सरसों और सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल की कीमतें मजबूती दर्शाती बंद हुईं।

बिहार सरकार बिजली पारेषण कंपनी करेगी सूचीबद्ध : सचिव

नई दिल्ली। बिहार सरकार अपनी बिजली पारेषण कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की तैयारी कर रही है। यह कदम राज्य की वृद्धि में जनता की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण है। बिहार के बिजली सचिव ने कहा पारेषण कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की योजना बना रहे हैं और मर्चेंट बैंकर की नियुक्ति के लिए रुचि पत्र जारी किया है।''

बायोकॉन ने तांबे को सीईओ किया नियुक्त

नई दिल्ली। बायोकॉन लि. ने श्रीहास तांबे को कंपनी का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की। यह नियुक्ति एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगी। कंपनी ने बयान में कहा कि एकीकृत बायोकॉन के पहले सीईओ के रूप में वह बायोसिमिलर्स और जेनेरिक दवाओं के संयुक्त मंच का नेतृत्व करेंगे। इससे कंपनी की बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता मजबूत होगी और वह वैश्विक बाजारों में प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा कर पाएगी।

अमेरिकी शेयर बाजार में मची खलबली, निवेशकों ने बेचे 9 अरब डॉलर के शेयर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अमेरिकी शेयर बाजार (वॉल स्ट्रीट) इस समय बड़े निवेशकों के भारी दबाव में नजर आ रहा है। पिछले हफ्ते की रिपोर्ट के मुताबिक, संस्थागत निवेशकों ने अमेरिकी इक्विटी मार्केट से करीब 9.3 अरब डॉलर की भारी निकासी की है।

- संस्थागत निवेशकों ने अमेरिकी इक्विटी बाजार से भारी निकासी की

यह बिकवाली पिछले पांच हफ्तों का सबसे बड़ा आंकड़ा है, जो बाजार में बढ़ती अनिश्चितता और निवेशकों के बीच सावधानी बरतने के संकेतों को साफ तौर पर दर्शाता है। पिछले तीन हफ्तों के दौरान इन्हीं निवेशकों ने बाजार में 12.6 अरब डॉलर की जोरदार खरीदारी की थी, लेकिन अचानक बदले मूड के बाद उन्होंने 11 अरब डॉलर के शेयर बेच डाले। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि ग्लोबल इकोनॉमी में चल रही हलचल और ब्याज दरों को लेकर बने सस्पेंस की वजह से बड़े प्लेयर्स अब वेट-एंड-वॉच की मुद्रा में आ गए हैं और सुरक्षित ठिकानों की तलाश कर रहे हैं।

वॉल स्ट्रीट इस समय बड़े निवेशकों के भारी दबाव में नजर आ रहा

व्यक्तिगत शेयरों पर सबसे ज्यादा मार

बिकवाली का सबसे ज्यादा असर व्यक्तिगत शेयरों पर देखने को मिला है। पिछले हफ्ते इंडिविजुअल स्टॉक्स से करीब 8.3 अरब डॉलर का आउटफ्लो हुआ, जो साल 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद चौथी सबसे बड़ी निकासी मानी जा रही है। इसके अलावा, ईटीएफ से भी निवेशकों ने हाथ खींचे हैं और वहां से 1.1 अरब डॉलर निकाले गए हैं, जो पिछले 6 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। पिछले 16 हफ्तों के कुल आंकड़ों को देखें तो अब तक बाजार से 25.5 अरब डॉलर की भारी रकम बाहर जा चुकी है।

अनिश्चितता के बीच किनारे हुए निवेशक : मार्केट की इस मौजूदा स्थिति को देखकर साफ लग रहा है कि बड़े संस्थागत निवेशक अब किसी भी तरह का रिस्क लेने के मूड में नहीं हैं और साइडलाइन्स पर जा रहे हैं। 2008 के बाद की इस बड़ी बिकवाली ने विश्लेषकों को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि, हेज फंड्स की एंट्री से बाजार को थोड़ा सहारा मिलने की उम्मीद है, लेकिन जब तक बड़े संस्थान दोबारा कॉन्फिडेंस के साथ वापस नहीं लौटते, तब तक अमेरिकी बाजार में उतार-चढ़ाव का यह दौर जारी रहने की संभावना है।

हेज फंड्स ने दिखाई थोड़ी हिम्मत

जहां बड़े संस्थान बाजार से बाहर निकल रहे हैं, वहीं हेज फंड्स का रुख थोड़ा अलग नजर आया। लगातार चार हफ्तों की बिकवाली के बाद हेज फंड्स ने बाजार में वापसी करते हुए 1.8 अरब डॉलर की चुनिंदा खरीदारी की है। इससे यह संकेत मिलता है कि मार्केट के कुछ हिस्सों में गिरावट के बाद अब हेज फंड्स को वैल्यू नजर आने लगी है। वहीं, रिटेल यानी छोटे निवेशकों की बात करें तो उन्होंने बाजार में अपना भरोसा बनाए रखा है और उनकी तरफ से केवल 80 मिलियन डॉलर की ही मामूली बिकवाली हुई है।

दोनों जहाज 94,000 टन का एलपीजी कार्गो लेकर आ रहे

भारत के दो एलपीजी जहाज एक दिन का रसोई गैस भंडार लेकर आ रहे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दो और भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकर युद्ध-प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकल चुके हैं और अगले कुछ दिन में इनके भारतीय तटों पर पहुंचने की उम्मीद है। इन जहाज पर देश के लगभग एक दिन के इस्तेमाल का रसोई गैस का भंडार है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''दो एलपीजी जहाज बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम, जो लगभग 94,000 टन का एलपीजी कार्गो ले जा रहे हैं, सुरक्षित रूप से इस क्षेत्र से गुजर चुके हैं और भारतीय तटों की ओर बढ़ रहे हैं। जहां बीडब्ल्यू टीवाईआर मुंबई की ओर बढ़ रहा है और इसके 31 मार्च को पहुंचने की उम्मीद है, वहीं बीडब्ल्यू ईएलएम न्यू मंगलौर की ओर जा है और इसके एक अप्रैल को आने की उम्मीद है।

ईरान के अधिकारियों से भारत का समन्वय बना हुआ

अमेरिका और इजराइल के हमलों और ईरान की व्यापक प्रतिक्रिया के कारण जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई है। यह संकीर्ण समुद्री मार्ग खाड़ी देशों से दुनिया में तेल और गैस के निर्यात का रास्ता है। हालांकि, ईरान ने पिछले सप्ताह कहा था कि ''जो देश शत्रु नहीं हैं उनके जहाज ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय के बाद इस मार्ग से निकल सकते हैं।'' इससे पहले चार भारतीय झंडे वाले एलपीजी टैंकर सुरक्षित रूप से इस मार्ग से निकल चुके हैं।

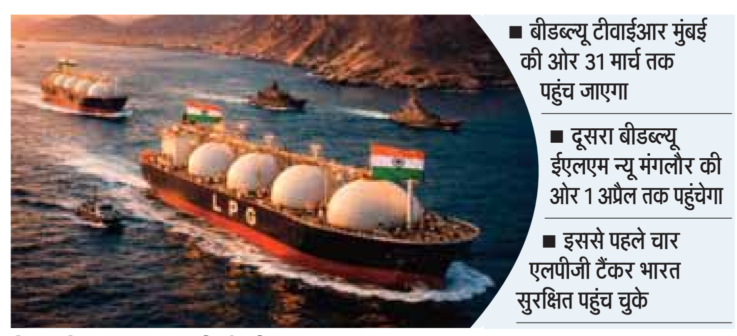

- बीडब्ल्यू टीवाईआर मुंबई की ओर 31 मार्च तक पहुंच जाएगा
- दूसरा बीडब्ल्यू ईएलएम न्यू मंगलौर की ओर 1 अप्रैल तक पहुंचेगा
- इससे पहले चार एलपीजी टैंकर भारत सुरक्षित पहुंच चुके

शिवालिक व नंदा देवी ने 92,712 टन एलपीजी लाई

पाइन गैस और जग वसंत, जो 92,612 टन एलपीजी ला रहे थे, 26 मार्च और 28 मार्च के बीच भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचे। इससे पहले, एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी, जो लगभग 92,712 टन एलपीजी ले जा रहे थे, क्रमशः 16 मार्च को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह और 17 मार्च को कांडला बंदरगाह पहुंचे थे।

भारत 60 फीसदी आयात खाड़ी देशों से पूरा करता है

एक ऐसा देश के लिए जो अपनी रसोई गैस की जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत खाड़ी देशों से आयात से पूरा करता है, उसके लिए इन जहाजों का आना एलपीजी संकट को कम करने में मदद करेगा। भारत ने पिछले साल 3.31 करोड़ टन एलपीजी का उपभोग किया, जिसमें लगभग 60 प्रतिशत मांग आयात से पूरी की गई। इसमें से 90 प्रतिशत आयात पश्चिम एशिया से आया था। जलडमरूमध्य के 'बंद' होने के बाद भारत अमेरिका और अर्जेंटीना जैसे देशों से एलपीजी प्राप्त कर रहा है।

खाड़ी क्षेत्र में कुल 18 भारतीय ध्वज वाले जहाज

एक बयान में कहा गया, ''पश्चिमी फारस की खाड़ी क्षेत्र में कुल 18 भारतीय ध्वज वाले जहाज हैं जिनपर 485 भारतीय नाविक सवार हैं।'' मूल रूप से, पश्चिम एशिया में युद्ध के शुरू होने पर जलडमरूमध्य में 28 भारतीय ध्वज वाले जहाज थे। इनमें से 24 पश्चिम की ओर और चार पूर्वी दिशा में थे। पिछले कुछ दिन में पश्चिम दिशा से छह जहाज और पूर्व से दो जहाज सुरक्षित निकलने में सफल रहे हैं।

महानिदेशालय का नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे काम कर रहा

एक और टैंकर जग प्रकाश जो ओमान से अफ्रीका तक पेट्रोल ले जा रहा था, वह भी तंजानिया की ओर जाने के दौरान सुरक्षित निकल चुका है। एलपीजी जहाज जग विक्रम, ग्रीन आशी और ग्रीन सान्वी अभी भी होर्मुज में हैं। एक खाली पोत को एलपीजी से भरा जा रहा है।पोत परिवहन महानिदेशालय का नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे काम कर रहा है और अब तक 4,523 कॉल और 8,985 ईमेल संभाल चुका है। इनमें पिछले 24 घंटों में 92 कॉल और 120 ईमेल शामिल हैं।

कच्चे तेल के दाम तय करेंगे घरेलू शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- रुपए और डॉलर के रुख की भी होगी महत्वपूर्ण भूमिका
- विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को करेंगी प्रभावित

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह पश्चिम एशिया संघर्ष की वजह से कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ने वाले असर और वैश्विक रुझानों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा रुपये-डॉलर का रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां भी इस कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में धारणा को प्रभावित करेंगी। शेयर बाजार मंगलवार को 'महावीर जयंती' और शुक्रवार को 'गुड फ्राइडे' के मौके पर बंद रहेंगे।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह वैश्विक वृहद घटनाक्रम खासकर कच्चे तेल की कीमतें और अमेरिका-ईरान के बीच संघर्षविराम को लेकर बातचीत की प्रगति से बाजार की दिशा प्रभावित होगी। विदेशी संस्थागत निवेशकों का प्रवाह बढ़ाने के लिए रुपये की स्थिरता जरूरी है। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर, फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े और मार्च का एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई महत्वपूर्ण रहेगा।

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और कमजोर होते रुपये के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने घरेलू शेयर बाजार से 1.14 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.3 अरब डॉलर) निकाले हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष 28 फरवरी को शुरू हुआ था। जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला किया।

बाजार में बना रहेगा उतार-चढ़ाव

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा, ''आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा काफी हद तक वैश्विक रुख से तय होने की उम्मीद है। कच्चा तेल, मुद्रा का उतार-चढ़ाव और भूराजनीतिक घटनाक्रम बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे।''

आवास बिक्री में तिमाही आधार पर 17 % की गिरावट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी एनारॉक ने जारी की रिपोर्ट

पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण नकारात्मक धारणा के चलते जनवरी-मार्च की अवधि में दिल्ली-एनसीआर में घरों की बिक्री तिमाही आधार पर 17 प्रतिशत घटकर लगभग 16,000 इकाई रह गई। रियल एस्टेट क्षेत्र की परामर्श कंपनी एनारॉक ने यह जानकारी दी।

हालांकि, सालाना आधार पर मांग में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका कारण पिछले साल का निचला आधार प्रभाव है। एनारॉक के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में जनवरी-मार्च की मौजूदा अवधि के दौरान घरों की बिक्री 15,985 इकाई रही, जो इससे पिछली तिमाही के 19,250 इकाई की तुलना में 17 प्रतिशत कम है। दिल्ली-एनसीआर में बिक्री पिछले वर्ष की जनवरी-मार्च अवधि में 11,120 इकाई की तुलना में 44 प्रतिशत बढ़ी है। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि भारत के आवास क्षेत्र के दीर्घकालिक बुनियादी सिद्धांत मजबूत बने हुए हैं, लेकिन ईरान युद्ध के अल्पकालिक प्रभाव पहली तिमाही में स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च के दौरान शीर्ष सात शहरों में घरों की बिक्री सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़ी, जबकि पश्चिम एशिया संकट की वजह से बिक्री में सात प्रतिशत की गिरावट आई। तिमाही के दौरान इन सात शहरों में घरों की बिक्री बढ़कर 1,01,615 इकाई रही।

एनएसई शुरू करेगा ब्रेंट कच्चे तेल में वायदा कारोबार

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) 13 अप्रैल से दिनांकित ब्रेंट कच्चे तेल (प्लैट्स) का वायदा कारोबार शुरू करेगा। इससे एक्सचेंज के वैश्विक तेल बेंचमार्क से जुड़े जिंस वायदा पेशकश का विस्तार होगा। यह अनुबंध, एसएंडपी ग्लोबल एनर्जी (प्लैट्स) दिनांकित ब्रेंट मूल्यांकन पर आधारित होगा, और इसका कारोबार 'बीआरक्रूडऑयल' के रूप में किया जाएगा। एनएसई ने एक परिपत्र में कहा, ''एक्सचेंज अपने सदस्यों को यह सूचित करते हुए खुशी महसूस कर रहा है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिलने के बाद वह 13 अप्रैल से दिनांकित ब्रेंट कच्चा तेल (प्लैट्स) वायदा अनुबंध शुरू करने जा रहा है। इस अनुबंध को पेश करने का उद्देश्य बाजार प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बेंचमार्क के अनुरूप हेजिंग के लिए माध्यम उपलब्ध कराना है।

कैरेटलेन की 2026-27 में 40 नए स्टोर खोलने की योजना

एजेंसी ⏭ मुंबई

- टाटा समूह समर्थित आभूषण ब्रांड है
- कंपनी के अभी 369 स्टोर कार्यरत

टाटा समूह समर्थित आभूषण ब्रांड कैरेटलेन की आगामी वित्त वर्ष में 40 स्टोर खोलने की योजना है। इनमें 10 प्रतिशत स्टोर कंपनी के स्वामित्व वाले होंगे। कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी ने यह जानकारी दी। कैरेटलेन के प्रबंध निदेशक सौमेन भौमिक ने कहा, ''अभी हमारे लगभग 369 स्टोर हैं, और हमें अगले साल (2026-27) लगभग 40 स्टोर और जुड़ने की उम्मीद है। हालांकि, हम उन्हें खोलने में जल्दबाजी नहीं करेंगे। पहली तिमाही में, हम शायद स्टोर की संभावनाएं तलाशेंगे और दूसरी तिमाही में हम वित्त वर्ष 2026-27 के लिए विस्तार शुरू करेंगे। इन नए स्टोर में से लगभग 10 प्रतिशत कंपनी के स्वामित्व वाले होंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा 369 परिचालन वाले स्टोर में से लगभग 13 प्रतिशत कंपनी के स्वामित्व वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह विस्तार उत्तर, पूर्व और दक्षिण में ज्यादा होगा।

कोष आंतरिक संसाधनों से जुटाया जाएगा

भौमिक ने कहा कि इन स्टोर के विस्तार के लिए जरूरी कोष आंतरिक संसाधनों से जुटाया जाएगा। हालांकि, उन्होंने इसके लिए कुल पूंजीगत खर्च का ब्योरा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 में राजस्व 3,983 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष में हम इसमें ऊंची दो अंकीय वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

संघर्ष लंबा खिंचने पर प्रभावित क्षेत्रों को सरकार दे सकती है राहत पैकेज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- एमएसएमई क्षेत्र के लिए और पैकेज ला सकती है
- पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कटौती जैसे कदम उठा चुकी सरकार

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के लंबा खिंचने की स्थिति में सरकार अर्थव्यवस्था के कमजोर वर्गों, खासकर सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए और राहत पैकेज ला सकती है।

सरकार पहले ही पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती जैसे कई कदम उठा चुकी है और जरूरत पड़ने पर आगे भी राहत उपाय करने से पीछे नहीं हटेगी। सरकार ने पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर तीन रुपये प्रति लीटर कर दिया है और डीजल को इस कर से मुक्त कर दिया है, ताकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का असर आम लोगों पर कम पड़े। साथ ही, देश में उपलब्धता बढ़ाने के लिए डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर फिर से शुल्क लगाया गया है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है।

इस महीने की शुरुआत में कच्चे तेल की कीमत 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो बाद में घटकर करीब 100 डॉलर प्रति बैरल रह गई है। इससे पहले सरकार ने निर्यातकों को उनकी निर्यात प्रतिबद्धताएं पूरी करने के लिए कुछ रियायतें दी थीं। पश्चिम एशिया संकट के बाद से कारोबारी समुदाय की दिक्कतें बढ़ी हैं। वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि मौजूदा हालात में सरकार को सबसे अधिक प्रभावित व्यवसायों और परिवारों को तुरंत राहत देने की जरूरत है, साथ ही भविष्य की जरूरतों के लिए संसाधन भी तैयार करने होंगे।

खर्च की प्राथमिकता नए सिरे से तय करनी होगी

नागेश्वरन ने शनिवार को जारी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि संकट को देखते हुए हमें खर्च की प्राथमिकता नए सिरे से तय करने और प्रभावित कारोबारी क्षेत्रों और परिवारों को लक्षित राहत प्रदान करने की जरूरत है।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से निकाले 1.14 लाख करोड़

- एफपीआई की भारतीय बाजार में सबसे बड़ी मासिक निकासी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में अब तक घरेलू शेयर बाजार से 1.14 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.3 अरब डॉलर) निकाले हैं। यह एफपीआई की भारतीय बाजार से सबसे बड़ी मासिक निकासी है।

पश्चिम एशिया संघर्ष, कमजोर होता रुपया और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भारत की वृद्धि पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर विदेशी निवेशक आशंकित हैं, जिससे वजह से वे बिकवाली कर रहे हैं। इस महीने का एक कारोबारी सत्र अभी बचा है, जिससे निकासी का आंकड़ा और बढ़ सकता है। इससे पहले अक्टूबर, 2024 में एफपीआई ने एक महीने में सबसे अधिक 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, इसके साथ ही एफपीआई 2026 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार, 27 मार्च तक एफपीआई ने 1,13,380 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

केंद्रीय बैंक ने बैंकों के लिए खींची लक्ष्मण रेखा

रुपए को डूबने से बचाने आरबीआई का इमरजेंसी एक्शन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय मुद्रा के मूल्य में आ रही ऐतिहासिक गिरावट ने भारतीय रिजर्व बैंक की नींद उड़ा दी है। शुक्रवार को रुपया पहली बार 94 रुपए प्रति डॉलर के स्तर के नीचे गिरा। रुपए को और ज्यादा टूटने से बचाने और सट्टेबाजी को रोकने के लिए आरबीआई ने अब कुछ सख्त कदम उठाए हैं।

आरबीआई ने विदेशी मुद्रा में लेनदेन करने वाले अधिकृत बैंकों को एक कड़ा निर्देश जारी किया है। नए नियम के मुताबिक, बैंकों को दिन के अंत तक रुपए में अपनी 'ओपन पोजीशन' को 100 मिलियन डॉलर तक सीमित रखना होगा। केंद्रीय बैंक ने साफ कर दिया है कि सभी कमर्शियल बैंकों को यह रोजाना लिमिट 10 अप्रैल तक हर हाल में लागू करनी होगी। इस लिमिट को आगे और भी घटाया या बढ़ाया जा सकता है।

नहीं रुकी गिरावट तो होगी और सख्ती : विशेषज्ञों का कहना है कि अगर रुपए में गिरावट जारी रहती है तो आरबीआई आगे और भी सख्त कदम उठा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि रुपए को सहारा देने के लिए आरबीआई ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) का काफी इस्तेमाल किया है, जिससे उसकी हस्तक्षेप करने की क्षमता कुछ सीमित हो गई है।

- बैंक डॉलर की बड़ी जमाखोरी या सट्टेबाजी नहीं कर पाएंगे

जंग शुरू होने के बाद से रुपया 4 फीसदी गिरा

शुक्रवार को रुपया पहली बार 94 रुपए प्रति डॉलर के नीचे चला गया और करीब 1 फीसदी गिरा। अमेरिकी-ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक इसमें कुल मिलाकर 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। वहीं ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है, जो आरबीआई के अक्टूबर में तय किए गए 70 डॉलर के अनुमान से काफी ज्यादा है। इससे भारत का आयात बिल बढ़ा है और महंगाई व मुद्रा संतुलन बनाए रखना आरबीआई के लिए मुश्किल हो गया है।

सुधार की उम्मीद

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, रुपया आने वाले समय में सुधरकर करीब 91 प्रति डॉलर तक पहुंच सकता है। साथ ही, 10 साल के सरकारी बांड की यील्ड भी मौजूदा 6.83 प्रतिशत से घटकर करीब 6.65 प्रतिशत तक आ सकती है। यह सामान्य स्थिति आने में 2-3 महीने लग सकते हैं।

चालू खाता घाटा बढ़ने की आशंका

एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि ईंधन की कीमतें बढ़ने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था अभी स्थिर बनी हुई है, लेकिन कच्चे तेल की कीमतें आगे भी देश के बाहरी संतुलन को प्रभावित करेंगी। अगर वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो इससे भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) बढ़ सकता है और इसका असर आर्थिक विकास और महंगाई पर भी पड़ सकता है।

चिंतन

चुनाव में नारी ही 'नारायणी'

देश में अगले महीने होने जा रहे 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय लोकतंत्र में महिला मतदाता अब केवल संख्या नहीं, बल्कि निर्णायक शक्ति बन चुकी हैं। राजनीतिक दलों की रणनीतियों का केंद्र अब 'नारी शक्ति' ही है, जिसे कभी 'नारायणी' तो कभी 'तारणहार' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रश्न यह है कि क्या यह वास्तविक सशक्तिकरण है या फिर चुनावी लाभ का सुनियोजित गणित? पांच राज्यों के चुनावी परिदृश्य पर नजर डालें तो साफ दिखता है कि चार राज्यों तमिलनाडु, असम, केरल और पश्चिम बंगाल में सरकारों और दलों ने महिलाओं को सीधे नकद सहायता देने की योजनाओं पर बड़ा दांव लगाया है। इन योजनाओं के तहत करोड़ों महिलाओं के खातों में हजारों करोड़ रुपये ट्रांसफर किए जा रहे हैं। तमिलनाडु में 2-2 हजार रुपये का विशेष पैकेज, असम में बिहू के अवसर पर 4-4 हजार रुपये, केरल में मासिक सहायता के रूप में एक-एक हजार और पश्चिम बंगाल की 'लक्ष्मी भंडार' योजना, ये सभी उदाहरण इस नए चुनावी ट्रेंड को दर्शाते हैं। इन योजनाओं का दायरा भी कम नहीं है। चारों राज्यों में लगभग 4.1 करोड़ महिलाएं इनका लाभ ले रही हैं, जो कुल मतदाताओं का लगभग 23% हैं। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि राजनीतिक दलों के लिए यह वर्ग कितना महत्वपूर्ण हो चुका है। यही कारण है कि पिछले 5 वर्षों में ऐसी नकद हस्तांतरण योजनाओं वाले राज्यों की संख्या एक से बढ़कर 15 हो गई है और कुल मिलाकर 13 करोड़ से अधिक महिलाओं को सालाना 2.46 लाख करोड़ रुपये तक की सहायता दी जा रही है। इन योजनाओं का एक सकारात्मक पक्ष भी है। ये महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम हो सकती हैं। विशेषकर ग्रामीण और निम्न आय वर्ग की महिलाओं के लिए यह सहायता जीवन स्तर सुधारने, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करने में सहायक बन सकती हैं। हरियाणा की 'लाडो लक्ष्मी', मध्य प्रदेश की 'लाड़ली बहना' या कर्नाटक की 'गृह लक्ष्मी' जैसी योजनाओं ने यह दिखाया है कि यदि सही ढंग से लागू हों, तो ये योजनाएं राजनीतिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर प्रभाव डाल सकती हैं, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी उतना ही गंभीर है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि इन योजनाओं के बढ़ते बोझ का असर राज्यों की वित्तीय स्थिति पर पड़ रहा है। कई राज्यों को अपने विकास कार्यों में कटौती करनी पड़ रही है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर खर्च घटाने के उदाहरण सामने आए हैं। 'मुफ्त योजनाओं' की बढ़ती प्रतिस्पर्धा एक खतरनाक प्रवृत्ति को जन्म दे रही है, जो दीर्घकाल में आर्थिक असंतुलन पैदा कर सकती हैं। इस संदर्भ में यह भी जरूरी है कि महिला सशक्तिकरण को केवल नकद सहायता तक सीमित न रखा जाए। वास्तविक सशक्तिकरण तब होगा, जब महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सुरक्षा के बेहतर अवसर मिलें। आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देना कहीं अधिक स्थायी समाधान हो सकता है। कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा कि चुनावों में नारी आज 'नारायणी' बन चुकी हैं। परंतु यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लाभ का माध्यम न बन जाए, इसका ध्यान रखना आवश्यक है। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि मतदाता अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक विकास और सुशासन को प्राथमिकता दें। तभी सच्चे अर्थों में नारी शक्ति का सम्मान और राष्ट्र का समग्र विकास संभव हो सकेगा।

संभावनाएं
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

अब वैश्विक शिक्षा केंद्र बनने का अवसर

वर्ष 2025 में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों का अभूतपूर्व प्रदर्शन रहा है। भारत ने इस साल विभिन्न विषयों और संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में से 27 स्थान हासिल किए हैं, जो कि पिछले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए 12 स्थानों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। वास्तव में यह रैंकिंग भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की बढ़ती वैश्विक साख और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाती है। इस समय भारत एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिक्षा गंतव्य देश बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही वर्ष 2030 तक भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में हर साल लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है।

इन दिनों वैश्विक शिक्षा केंद्रों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में भारत के वैश्विक शिक्षा के नए केंद्र के रूप में स्थापित होने की संभावनाएं प्रस्तुत की जा रही हैं। हाल ही में 25 मार्च को वैश्विक उच्च शिक्षा सेवाओं का मूल्यांकन करने वाली ख्याति प्राप्त अग्रणी कंपनी ब्रिटेन स्थित क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा प्रकाशित 16वीं वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों का अभूतपूर्व प्रदर्शन रहा है। भारत ने इस साल विभिन्न विषयों और संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में से 27 स्थान हासिल किए हैं, जो कि पिछले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए 12 स्थानों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। वास्तव में यह रैंकिंग भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की बढ़ती वैश्विक साख और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस समय भारत एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिक्षा गंतव्य देश बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही वर्ष 2030 तक भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में हर साल लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। गौरतलब है कि जहां वर्ष 2022 में 39 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत आए थे, वहीं वर्तमान में लगभग 200 देशों के 72 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत हैं। अब केंद्र सरकार ने 'स्टडी इन इंडिया' पहल के तहत 2030 तक प्रतिवर्ष 2 लाख विदेशी छात्रों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। यह संकेत है कि सरकार भारत को केवल प्रतिभाओं की आपूर्तिकर्ता के रूप में नहीं, वरन वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करने की राह पर आगे बढ़ रही है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अब हर साल बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण कौशल, अनुसंधान सुविधाओं और उच्च शिक्षा के बाद विदेश में ही करियर के अवसरों को पाने के मद्देनजर विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। हाल ही में संसद में बताया गया कि वर्ष 2023 में 9.08 लाख भारतीय छात्र विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए गए थे। वर्ष 2024 में यह संख्या गिरकर 7.7 लाख पर आ गई और वर्ष 2025 में यह संख्या और घटकर 6.26 पर पहुंच गई। निसंदेह भारत में वर्ष-प्रतिवर्ष उच्च शिक्षा के लिए आने वाले विदेशी छात्रों की बढ़ती संख्या और भारत से उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में कमी के कई कारण हैं। सरकार ने पिछले कुछ सालों में उच्च शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के कई कदम उठाए हैं। 'नेशनल एजुकेशन पॉलिसी' (एनईपी) 2020 के जरिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार किए गए हैं। एनईपी के तहत एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड करने, मान्यता देने की व्यवस्था मजबूत करने, रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने और डिजिटल एजुकेशन का विस्तार करने का अभियान लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। उच्च शिक्षा में ऐसे गुणात्मक सुधार से भारत के शिक्षा संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक मान्यता मिल रही है। यही कारण है कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारतीय संस्थानों की संख्या 2014-15 के मात्र 11 से बढ़कर नवीनतम संस्करण में 54 हो गई है। वैश्विक स्तर की शिक्षा व्यवस्था को भारत में लाने के मद्देनजर 19 विदेशी यूनिवर्सिटीज को भारत में कैंपस स्थापित करने की

इजाजत दी गई है। इससे जिस वैश्विक शिक्षा के लिए पहले छात्रों को विदेश जाना पड़ता था, अब वही शिक्षा आसानी से भारत में ही मिलने की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। निश्चित रूप से विदेशी यूनिवर्सिटीज को भी भारत में बड़ी संख्या में छात्र मिलने का लाभ है। भारत में उच्च शिक्षा की मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है। इस समय उच्च शिक्षा में छात्रों की जो संख्या 4.46 करोड़ से अधिक है, वह बढ़कर 2035 तक 8.6 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। चूंकि वैश्विक यूनिवर्सिटीज भारत में डिग्री प्रदान कर सकती हैं, अतएव छात्रों के लिए विदेश जाने के खर्च और अनिश्चितताओं के बिना अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भारत में ही लेना लाभप्रद है। इतना ही नहीं, भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा के प्रमुख गंतव्य देश, खासकर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में आव्रजन नियमों में सख्ती आई है और वीजा जांच के अलावा वित्तीय लागत बढ़ गई है। हाल ही में प्रकाशित अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट की रिपोर्ट मार्च 2026 के मुताबिक पिछले वर्ष जनवरी से अगस्त 2025 के बीच अमेरिका के द्वारा परमानेंट रेजिडेंट और टेंपरेरी वीजा मंजूरी में साल भर पहले की तुलना में 11 फीसदी की कमी आई है। इसका असर भारत के छात्रों पर अधिक पड़ा है और अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में तेज गिरावट आई है। इतना ही नहीं, अमेरिका में जो छात्र अध्ययनरत हैं, उनके लिए भी रोजगार ढूंढना मुश्किल हो गया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि सरकार हरसंभव तरीके से भारत को वैश्विक शिक्षा व डिजिटल शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए प्रयास कर रही है। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न आवंटनों को वैश्विक शिक्षा और अर्थव्यवस्था की वास्तविक जरूरतों के मद्देनजर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), इनोवेशन, ऑटोमेशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल बिजनेस से सम्बद्ध करने संबंधी प्रभावी पहल की गई है। निश्चित रूप से भारत के पास बदलते हुए दौर में उच्च शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनने के अवसर मौजूद हैं। इसे मुठ्ठी में करने के लिए रणनीतिक रूप से और तेजी से आगे बढ़ना होगा। देश को शिक्षा के तहत आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में तेजी से उन्नत कौशल विकसित करने की रणनीति अपनाना होगी। देश में वैश्विक शिक्षा को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बनाकर खासतौर से एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया सहित कई विकसित और विकासशील देशों के छात्रों के कदम भारत की यूनिवर्सिटीज की ओर मोड़ने के लिए प्रयास करने होंगे। भारत को इंजीनियरिंग, प्रबंधन, स्वास्थ्य विज्ञान, डिज़ाइन, मीडिया और उभरती प्रौद्योगिकियों की वैश्विक शिक्षा का हब बनाने के विशेष प्रयत्न करने होंगे। देश की यूनिवर्सिटीज को उद्यमिता, नवाचार, अनुसंधान की गुणवत्ता, प्रयोगशालाओं में निरंतर निवेश, वैश्विक संस्थानों के साथ आसान सहयोग, नियामक ढांचों के लिए कठोर मानकों के साथ यूनिवर्सिटिज को अधिक स्वायत्तता से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना होगा। देश में विदेशी परिसरों को आकर्षित करने के मद्देनजर भारतीय यूनिवर्सिटियों की रैंकिंग को और ऊंचाई पर पहुंचाना होगा। इन सबके साथ-साथ सरकार के द्वारा उच्च शिक्षा और डिजिटल शिक्षा पर निवेश बढ़ाना होगा। उम्मीद करें कि सरकार पश्चिम एशिया युद्ध से बदलती हुई दुनिया में भारत को एआई तथा भविष्य की टेक्नोलॉजी पर आधारित वैश्विक और डिजिटल शिक्षा का ऐसा सस्ता और गुणवत्तापूर्ण हब बनाने की राह पर आगे बढ़ेगी, जिससे भारत से उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में और कमी आए तथा विदेश से उच्च शिक्षा के लिए भारत आने वाले छात्रों की संख्या में और वृद्धि हो।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

स्वास्थ्य
बाल मुकुन्द ओझा

घटिया और नकली दवाओं से बिगड़ रही देश की सेहत

सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद देश में घटिया और नकली दवाओं पर पूरी तरह लगाम नहीं लगाई जा सकी है, जिसके कारण देश के लाखों लोगों की सेहत सुधरने के बजाय बिगड़ रही है। भारत में नकली, घटिया और अवैध दवाओं का धंधा तेजी से फैल रहा है, जिसकी वजह से रोगियों की जान जोखिम में है। विशेषज्ञों के मुताबिक जो दवाएं धोखाधड़ी से निर्मित या पैक की गई हैं, उन्हें नकली और घटिया दवाएं कहा जाता है क्योंकि उनमें या तो सक्रिय अवयवों की कमी होती है या गलत खुराक होती है। नकली दवाओं के काले-कारोबार पर पुलिस और सरकारी एजेंसियों की छापेमारी की खबरें आये दिन मीडिया की सुर्खियां बनती हैं। अनेक बार लाखों करोड़ों रुपयों की घटिया दवाएं खपत होने के बाद सरकारी एजेंसियों की नज़र में आती है। बहुदा ऐसा भी देखा जाता है कि जब तक इन दवाओं की घटिया होने की रिपोर्ट आती है, तब तक ये बाजार में बिक चुकी होती हैं। रोजमर्रा में काम आने वाली दवाओं के जांच में फेल होने पर लोग सकते में है। केंद्रीय औषधि नियामक ने अपनी कई रिपोर्टों में साफतौर पर जाहिर किया है कि बुखार, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, पेट में संक्रमण आदि स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिन दवाओं का आप इस्तेमाल करते हैं, असल में उनकी क्वालिटी खराब है। इतना ही नहीं, बहुत सी दवाएं तो नकली हैं, जिन्हें बड़ी कंपनियों के ब्रांड के नाम से बेचा जा रहा है।

इन दवाओं के उपयोग को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा हो गई हैं। आप दवाई खरीदने के लिए बाजार में जा रहे हैं तो पूरी सावधानी और सतर्कता

बरतते हुए दवाइयों की जांच करके लें और अपनी दवाइयों को डॉक्टर को एक बार जरूर दिखा दें, क्योंकि इन दिनों बाजार में घटिया दवाइयों को असली बता कर खुलेआम बेचा जा रहा है। देश में हर बीमारी के लिए नकली दवाएं उपलब्ध हैं। इन नकली दवाओं की पहचान करना आप और हमारे लिए बेहद मुश्किल और लगभग असंभव है। हमारे देश में अंग्रेजी दवाइयों ने घर-घर में अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया है। जिसे देखो अंग्रेजी दवाइयों के पीछे भागता मिलेगा। सामान्य बीमारियों से लेकर असाध्य बीमारियों की दवा आज घरों में मिल जाएगी। इनमें चिकित्सकों द्वारा लिखी दवाइयों के अलावा वे दवाइयां भी शामिल हैं जो मेडिकल स्टोर्स से बीमारी बताकर खरीदी गई हैं अथवा गूगल से खोजकर निकाली गई हैं। ये दवाइयां असली हैं या घटिया अथवा नकली, ये भी आम लोगों को मालूम नहीं है। घटिया दवाइयों का बाजार आजकल खूब फलफूल रहा है। आए दिन घटिया और नकली दवाइयां बरामद करने की खबरें मीडिया में सुर्खियों में पढ़ने को मिल रही हैं। इन दवाइयों के सेवन से साधारण खांसी-बुखार और जुकाम को ठीक होने में एक पखवाड़ा या महीना लग जाता है। इसके बावजूद ऐसी दवाइयां खरीदने में हमें कोई हिचकिचाहट नहीं हो रही है। भारत दवाओं का सबसे ज्यादा प्रोडक्शन करने वाला देश है। मगर देशवासियों को अच्छी गुणवत्ता की दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के मुताबिक, भारत में फार्मा इंडस्ट्री बीते कुछ सालों में तेजी से बढ़ रही हैं। इसमें साल 2020 से 2025 के बीच 37 प्रतिशत कंपाउंडएनुअल ग्रोथ का अनुमान जताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक मात्रा में दवाइयां बनाने में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है। देश में सबसे तेज गति से बढ़ रहे इस कारोबार के 55 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ ही नकली और घटिया दवाओं का अवैध कारोबार भी बढ़ रहा है, जिससे लोगों की जान पर खतरा बढ़ता जा रहा है। एसोचैम ने अपनी एक रिपोर्ट में देश में बनने वाली कुल दवाओं का 25 प्रतिशत नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं बनने और बिकने का खुलासा किया था, जो विश्व की कुल नकली दवाओं का 35 प्रतिशत है। देश में नकली और घटिया दवाओं की बाढ़ आ गई है। आए दिन देश के विभिन्न भागों में घटिया और अमानक दवाएं पकड़ी जा रही हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सहित विभिन्न देशों में नकली दवाओं का कारोबार लगभग तीस अरब डॉलर तक पहुंच गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत नकली दवाओं का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। भारत में 25 फीसदी के करीब दवाइयां नकली बिक रहीं हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शिव के अंश से जन्म पर मनुष्य होता है ज्ञानी

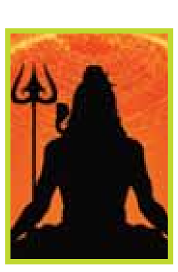

संकलित
दर्शन

साधक दो प्रकार के होते हैं। एक प्रकार के साधक का स्वभाव बंदर के बच्चे की तरह होता है, दूसरे प्रकार के साधक का स्वभाव बिल्ली के बच्चे की तरह। बंदर का बच्चा स्वयं अपनी मां को पकड़े हुए उससे लिपटा रहता है, पर बिल्ली का बच्चा स्वयं मां को नहीं पकड़ता, मां उसे जहां छोड़ दे, वहीं पड़ा रहता है। बंदर का बच्चा स्वयं अपनी मां को पकड़े रहता है, इसलिए अगर कभी उसका हाथ छूट जाए तो वह गिर पड़ता है और उसे चोट पहुंचती है। पर बिल्ली के बच्चे को यह भय नहीं है, क्योंकि उसे उसकी मां स्वयं पकड़कर एक जगह से दूसरी जगह ले जाती है। इसी प्रकार, ज्ञानयोगी या कर्मयोगी साधक बंदर के बच्चे की तरह स्वयं के प्रयत्न से मुक्तिलाभ करने का प्रयास करता है, परंतु भक्त साधक ईश्वर को ही एकमात्र कर्ता जानकर बिल्ली के बच्चे की तरह उन्हीं के चरणों में निर्भय होकर निश्चित पड़ा रहता है। ज्ञानी कहता है सोहम। मैं ही वह शुद्ध आत्मा हूं। परंतु भक्त कहता है, अहा, यह सब उनकी ही महिमा है। यह सब कुछ मैं हूं, यह सब कुछ तुम हो, तुम स्वामी हो, मैं सेवक-इन तीन भावों में से किसी भी एक में दृढ़ रूप से प्रतिष्ठित होने पर ही भगवत्प्राप्ति होती है। शिव के अंश से जन्म होने पर मनुष्य ज्ञानी होता है। उसका मन सदा ब्रह्म सत्य, जगत मिथ्या, इसी बोध की ओर जाता है। विष्णु के अंश से जन्म हो तो प्रेम-भक्ति होती है। उसके मन से प्रेम-भक्ति कभी नहीं जाती। बहुत ज्ञान विचार करने के बाद यदि किसी समय यह प्रेम-भक्ति कुछ कम भी हो जाए तो फिर और एक समय यह यदुवंश का ध्वंस करने वाले मूसल की तरह देखते ही बढ़ भी जाती है।

जब बड़ा काम हो तो बुद्धि का इस्तेमाल करना चाहिए

संकलित
प्रेरणा

गणेश जी प्रथम पूज्य हैं और इससे संबंधित एक कथा है। शास्त्रों के मुताबिक, एक दिन गणेश जी और कार्तिकेय स्वामी के बीच प्रतियोगिता हुई कि कौन सबसे पहले संसार का चक्कर लगाकर लौटता है। कार्तिकेय स्वामी का वाहन मयूर यानी मोर है और गणेश जी का वाहन चूहा है, जो कि मोर की अपेक्षा बहुत धीरे चलता है। कार्तिकेय तो अपने वाहन मयूर पर बैठकर उड़ गए, लेकिन गणेश जी का वाहन चूहा है तो उन्होंने विचार किया कि अगर मैं चूहे पर बैठकर संसार की परिक्रमा करूंगा तो बहुत समय लग जाएगा, कार्तिकेय ये प्रतियोगिता जीत जाएंगे। उन्होंने कुछ सोचा और फिर शिव-पार्वती की परिक्रमा करनी शुरू कर दी। गणेश जी ने कहा कि मेरा संसार को मेरे माता-पिता ही हैं। गणेश जी की बुद्धिमानी से शिव जी इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने अपने पुत्र गणेश को प्रथम पूज्य होने का वरदान दे दिया। हालांकि इस बात से कार्तिकेय स्वामी गणेश जी के साथ ही शिव-पार्वती से भी नाराज हो गए थे। नाराज होकर कार्तिकेय स्वामी क्रौंच पर्वत पर रहने चले गए। ये पर्वत वर्तमान में मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग जहां है, वहां स्थित है। गणेश जी तो प्रथम पूज्य बन गए, लेकिन नाराज कार्तिकेय को मनाने के लिए शिव-पार्वती ने बहुत कोशिशें कीं। जब कार्तिकेय स्वामी की नाराजगी दूर नहीं हुई, तब शिव-पार्वती ने तय किया कि अब से वे हर अमावस्या और पूर्णिमा पर बारी-बारी से कार्तिकेय से मिलने पहुंचेंगे। मान्यता है कि इसी कथा की वजह से मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग में शिव-पार्वती ज्योति स्वरूप में विराजित रहते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

आमजन समझदारी बरते

ईरान और इजरायल युद्ध के कारण हमारा देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के लगभग सभी देश पैट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कमी आने के कारण चिंता में हैं। लगभग सभी देश यहीं से आने वाले कच्चे तेल, पैट्रोल, डीजल और रसोई गैस पर निर्भर हैं। हमारा देश भी इससे अछूता नहीं है। केंद्र सरकार इस समस्या का हल निकालने के लिए प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके लिए देश के लगभग सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात भी की है। लेकिन यह भी सच है कि कुछ लोग इन चीजों को लेकर अफवाहों को फैलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। इन अफवाहों के कारण कुछ लोग इन चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी भी कर रहे हैं। इन चीजों का उपयोग आम जन को समझदारी से करना होगा। *- पूजा यादव, रेवाड़ी*

करंट अफेयर

उ. कोरिया ने मिसाइल इंजन का किया परीक्षण

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने उच्च शक्ति वाले ठोस ईंधन इंजन के परीक्षण का अवलोकन किया और इसे देश की सामरिक सैन्य क्षमता को बढ़ाने वाला घटनाक्रम बताया। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। यह परीक्षण संभवतः इस बात का संकेत है कि किम ऐसी मिसाइलों के जखीरे का विस्तार एवं आधुनिकीकरण करना चाहते हैं जो अमेरिका की मुख्यभूमि तक पहुंचने में सक्षम हो। 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) के यह जानकारी देने से कुछ दिन पहले ही, किम जोंग उन ने संसद में अपने भाषण में कहा था कि वह उत्तर कोरिया को स्थायी तरीके से परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्थापित करेंगे और 'सबसे बड़े दुश्मन' दक्षिण कोरिया के खिलाफ कड़ा रुख अपनाए रहेंगे। किम ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का जिक्र करते हुए अमेरिका पर आतंकवाद और आक्रामकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। केसीएनए के अनुसार, किम ने मिश्रित कार्बन फाइबर सामग्री से बनाए गए नए उन्नत इंजन का 'ग्राउंड जेट' परीक्षण (इंजन का जमीन पर किया गया परीक्षण) देखा। एजेंसी ने बताया कि इंजन का अधिकतम थ्रस्ट 2,500 किलोटन है, जो सितंबर में इसी तरह के ठोस ईंधन इंजन के एक परीक्षण में बताये गये लगभग 1,971 किलोटन से अधिक है।

ऑफ बीट

पालतू बिल्ली से एलर्जी का खतरा क्यों ज्यादा होता है

अगर आपने अपने घर में बिल्ली पाल रखी है, तो सावधान हो जाएं। पालतू बिल्लियां धूल के कणों के बाद एलर्जी उभरने की दूसरी सबसे बड़ी वजह हैं। लेकिन, पालतू बिल्लियों से एलर्जी का वास्तविक स्रोत क्या है? और क्या बिल्लियों की कुछ नस्लें एलर्जी के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील होती हैं? बिल्लियों से एलर्जी को लेकर कई भ्रम और गलतफहमियां हैं। आइए, इनमें से कुछ को दूर करें। बाल जिम्मेदार नहीं-आम धारणा के विपरीत बिल्ली के बाल लोगों में एलर्जी के लिए जिम्मेदार नहीं होते। अलबत्ता, बिल्ली की लार और त्वचा की ग्रंथियों में पैदा होने वाला प्रोटीन 'फेल डी 1' एलर्जी के खतरे को बढ़ावा देता है। यूं तो बिल्लियों के शरीर में एलर्जी के लिए जिम्मेदार आठ कण का उत्पादन होता है, लेकिन विभिन्न अध्ययनों में 'फेल डी 1' को इनमें सर्वाधिक घातक पाया गया है। 'फेल डी 1' एक सूक्ष्म प्रोटीन है, जो कपड़ों और अन्य सतहों से आसानी से चिपक जाता है। यह हवा में भी लंबे समय तक सक्रिय रह सकता है, जिससे इसके श्वास के रास्ते शरीर में प्रवेश करने की आशंका रहती है। विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि 'फेल डी 1' उन घरों में भी मौजूद हो सकता है, जहां बिल्लियां नहीं होतीं। बिल्ली की लार के माध्यम से इस प्रोटीन के कण उसके बालों और त्वचा पर आ सकते हैं।

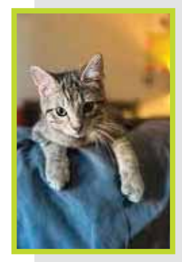

ट्रेंड

मछुआरों पर गर्व

हमें अपने मछुआरों पर गर्व है! ओडिशा, लक्षद्वीप और कर्नाटक के उन प्रयासों को विशेष रूप से दर्शाया गया है जो यह दिखाते हैं कि यह क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में किस प्रकार योगदान दे रहा है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

फिटनेस पर ध्यान दें

मेरा हमेशा से यह आग्रह रहा है कि आप सभी अपनी फिटनेस पर ज़रूर ध्यान दें। 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' पर अब 100 दिवस से भी कम दिन बचे हैं, वैश्विक स्तर पर योग को दुनियाभर में बढ़ावा मिल रहा है। हमें खाने के तेल में 10 प्रतिशत की कमी और शुगर इंटेक को कम करना होगा।
- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

पीड़ितों को न्याय नहीं

ऊना की चीख आज भी इंसाफ के दरवाज़े पर दस्तक दे रही है। बीते 10 सालों से पीड़ित न्याय के लिए दर-दर भटक रहे हैं। अपमान, हिंसा और हत्या- बीजेपी शासित गुजरात में दलितों, आदिवासियों की यही हकीकत बना दी गई है।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

भाजपा राज में जंग खा रहीं मशीनें

भाजपा राज में सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी का इन्सिनेरेटर पूरी तरह ज़ंग खाकर जर्जर हो चुका है। ऐसे में यदि संक्रमण और प्रदूषण फैलाने वाला मेडिकल कूड़ा-कचरा सही तरीक़े से भस्म नहीं किया जाएगा तो वो स्वयं बीमारियों का कारण बनेगा।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

यूएस मीडिया रिपोर्ट का खुलासा- 3500 मरीन मिडिल ईस्ट में धावा बोलेंगे

अमेरिका कर रहा बड़े जमीनी हमले की तैयारी, उधर ईरान ने कहा हमारे सैनिक इंतजार में हैं, जलाकर राख कर देंगे

स्पेशल फोर्स और इंफ्रेंट्री के जवान होंगे ऑपरेशन में शामिल

अमेरिका और ईरान के बीच जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। पाकिस्तान में हुई बैठक भी कोई समाधान नहीं निकल पाई। कुल मिलाकर शांति की जगह ये जंग और भयंकर रूप ले रही है। अमेरिका जहां सैकड़ों मरीन, सैनिक और पोत भेजने की तैयारी कर रहा है वहीं ईरान की इसकी खबर लगते ही उसने साफ शब्दों में कह दिया कि आइए हमारे सैनिका उनका स्वागत करके नर्क भेजेंगे और जलाकर राख कर देंगे?

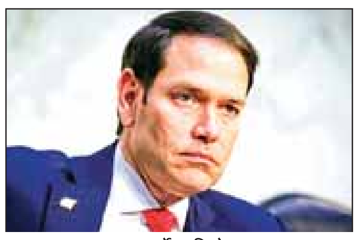
मार्को रूबियो

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन/तेहरान

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग को लेकर यूएस की मीडिया ने बड़ा खुलासा किया है। यूएस मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि हजारों की संख्या में अमेरिकी सैनिक मिडिल ईस्ट पहुंच रहे हैं। यह युद्ध का एक नया और खतरनाक दौर बन सकता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग) ईरान में जमीनी हमले की तैयारी कर रहा है। यूएस अधिकारियों के हवाले दावा किया है कि कोई भी संभावित जमीनी ऑपरेशन पूरी तरह से हमला नहीं होगा। इसके बजाय, इसमें स्पेशल ऑपरेशन फोर्स और इंफ्रेंट्री के जवान शामिल होंगे। ऐसे मिशन में यूएस सैनिकों को कई तरह के खतरों का सामना करना पड़ सकता है। इसमें ईरानी ड्रोन और मिसाइलें, आमने-सामने की जंग और आईईडी का हमला शामिल हैं। वहीं ट्रंप लगातार दोहरी बात कर रहे हैं।

कभी वह कहते हैं कि युद्ध अब खत्म होने वाला है, तो कभी वह इसे और बढ़ाने की धमकी देते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका बिना जमीनी सैनिकों के भी अपने सभी लक्ष्य हासिल कर सकता है, लेकिन रिपोर्ट में बताया कि इसके लिए काफी पहले से ही योजना बनाई जा रही है। एक अधिकारी ने कहा कि यह कोई आखिरी समय में की गई योजना नहीं है।विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी अम्फीबियस फोर्स समुद्र-आधारित हमलों और जमीनी अभियानों दोनों के लिए सक्षम है। पेंटागन ने पहले 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के पैराट्रूपर्स को भी मध्य पूर्व भेजने का आदेश दिया था, जो क्षेत्र में तनाव बढ़ने का संकेत है। विश्लेषकों के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ईरान की तेल सुविधाओं और मिसाइल क्षमता को लक्ष्य बनाकर क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहता है। हालांकि, जमीनी अभियान से अमेरिकी सैनिकों को काफी जोखिम हो सकता है और युद्ध लंबा खिंचने की आशंका बनी हुई है।

ईरान का दावा 10 से ज्यादा घायल हुए अमेरिकी सैनिक

हमले में बर्बाद हुआ 6600 करोड़ का एयरक्राफ्ट

मलबे में बदल गया अमेरिकी विमान

ईरानी मिसाइल ने तोड़ी यूएस एयरफोर्स की बैकबोन!

सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमले ने अमेरिका की सैन्य क्षमताओं को बड़ा झटका दिया है। 27 मार्च को हुए इस हमले में अमेरिकी वायुसेना का बेहद अहम ई-3 सेंचुरी अवेकस विमान क्षतिग्रस्त हो गया, साथ ही हवा में ईंधन भरने वाले कई टैंकर विमान भी इस हमले की चपेट में आए। ईरान के दावे के मुताबिक उसके इस हमले में 10 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक भी घायल हुए हैं। जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में ई-3सेंचुरी अवेकस विमान को भारी नुकसान पहुंचा दिख रहा है। हालांकि, अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने इस घटना पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग ने भी अपने एक्स हैंडल से हमले में बर्बाद हुए इस विमान की तस्वीरें पोस्ट की हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, हमले से पहले इस बेस पर करीब छह ई-3 सेंचुरी विमान तैनात थे। यह एक सर्विलांस विमान होता है, जिसका इस्तेमाल आसमान से दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और संभावित खतरे का पता लगाने के लिए होता है। ईरानी हमले में इस महत्वपूर्ण विमान को हुए नुकसान से क्षेत्र में अमेरिका के एरियल ऑपरेशन की क्षमता को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस एक विमान की कीमत 6600 करोड़ रुपए के करीब है।

क्यों अहम है ई-3 सेंचुरी विमान

ई-3 सेंचुरी विमान को अमेरिका के एरियल ऑपरेशन का बैकबोन माना जाता है। यह विमान हवा में उड़ता हुआ एक कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की तरह है, जो अमेरिकी वायुसेना को इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस (खुफिया जानकारी जुटाना) जैसी महत्वपूर्ण क्षमताएं प्रदान करता है। 1970 के दशक से सेवा में मौजूद यह विमान कई बड़े सैन्य अभियानों- जैसे ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म, कोसोवो युद्ध, इराक और अफगानिस्तान अभियानों, ऑपरेशन इनहेरेंट रिजॉल्व में निर्णायक भूमिका निभा चुका है। यह प्लेटफॉर्म विशाल हवाई क्षेत्र की निगरानी करने, विभिन्न लड़ाकू विमानों के बीच तालमेल बैठाने में सक्षम है। अमेरिका के अलावा फ्रांस, ब्रिटेन और सऊदी अरब जैसे कई देशों की सेनाएं भी इसका इस्तेमाल करती हैं।

अमेरिकी सैनिकों को नर्क में भेजकर दम लेंगे हमारे सैनिकः ईरान

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच महीनेभर से मिडिल ईस्ट में जंग छिड़ी हुई है। दोनों देशों ने मिलकर ईरान पर कई हमले किए हैं, जिस पर तेहरान ने जवाबी कार्रवाई करके पलटवार किया है। अब अमेरिका ईरान में जमीनी सैनिकों को उतारने की तैयारी कर रहा है। उसने मिडिल ईस्ट में हजारों अमेरिकी सैनिकों को भेज भी दिया है। अटकलें लग रही हैं कि अमेरिकी सैनिक ईरान के लिए सबसे महत्वपूर्ण खर्ग द्वीप पर कब्जा जमाने के लिए जाएंगे। इस बीच, ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर कालिबफ ने रविवार को चेतावनी देते हुए कहा हैकि अगर ईरान की सेनाएं जमीन पर अमेरिकी सैनिकों के आने का इंतजार कर रही हैं, ताकि उन्हें जलाकर राख कर सकें और उनके क्षेत्रीय सहयोगियों को हमेशा के लिए सजा दे सकें। उन्होंने कहा कि हमारी गोलाबारी जारी है। हमारी मिसाइलें अपनी जगह पर तैनात हैं। हमारा संकल्प और विश्वास और बढ़ गया है। ईरान के आधिकारिक मीडिया के अनुसार, उन्होंने अमेरिका को जमीनी हमले के खिलाफ चेतावनी दी, और धमकी दी कि अगर अमेरिकी सेना ईरानी जमीन पर उतरी, तो इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैनिकों और उनके सहयोगियों के खिलाफ कड़ा जवाबी हमला किया जाएगा। उन्होंने अमेरिका की 15 सूत्रीय योजना को, जिसे पाकिस्तान ने पिछले हफ्ते ईरान को सौंपा था उनकी इच्छाएं बताया, और कहा कि ट्रंप प्रशासन इस योजना के ज़रिए वह हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जिसे वह ताकत के बल पर हासिल करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा, जब तक अमेरिकी ईरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते रहेंगे, हमारा जवाब साफ है। हम अपमान स्वीकार करने से कोसों दूर हैं। अमेरिकी मीडिया ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि पेंटागन ईरान में हफ्तों तक चलने वाले सीमित जमीनी अभियानों की तैयारी कर रहा है। इन अभियानों में संभवतः खर्ग द्वीप और होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित तटीय ठिकानों पर छापे मारना भी शामिल हो सकता है। अपनी रिपोर्ट में बताया कि ये योजनाएं, जो पूर्ण-स्तरीय आक्रमण से कम हैं, विशेष अभियानों और पारंपरिक पैदल सेना के सैनिकों द्वारा की जाने वाली छापेमारी को शामिल कर सकती हैं। इससे अमेरिकी सैनिकों को ईरानी ड्रोन और मिसाइलों, जमीनी गोलाबारी और तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों के खतरे का सामना करना पड़ सकता है।

3500 मरीन पहुंच गए मध्य पूर्व क्षेत्र में

इस बीच, यूएस सेंट्रल कमांड ने घोषणा की कि लगभग 3,500 मरीनों की एक टास्क फोर्स मध्य पूर्व पहुंच गई है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यूएस सैलर्स और मरीन्स यूएसएस ट्रिपोली (एलएचए 7) पर सवार होकर 27 मार्च को यूएस सेंट्रल कमांड क्षेत्र में पहुंचे।

सीधी भिड़ंत से दुनिया में मची खलबली

अमेरिका-क्लास एम्फीबियस असेल्ट शिप ट्रिपोली ट्रिपोली एम्फीबियस रेडी ग्रुप/ 31वीं मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट (एमईयू) का फ्लैगशिप है। इसमें परिवहन और स्ट्राइक फाइटर एयरक्राफ्ट, एम्फीबियस असेल्ट और टैक्टिकल एसेट्स शामिल हैं। यह यूनिट तेजी से तैनाती, सामरिक स्थानों को सुरक्षित करने, निकासी या तटीय लक्ष्यों पर हमलों के लिए जानी जाती है। यह तैनाती ईरान के साथ चल रहे युद्ध से जुड़ी व्यापक अमेरिकी सैन्य बढ़ोतरी का हिस्सा है।

दोनों की तस्वीरें जारी कर कहा लो इन्हें पहचान लीजिए

ईरान ने स्कूल पर हमले के लिए यूएस के अधिकारियों को ठहराया जिम्मेदार

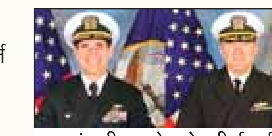
कमां. लीआर टेट,जेफरी ईयार्क

तेहरान वैसे तो इतिहास की किताबों में विवादों के न जाने कितने काले पन्ने दर्ज हैं, लेकिन पिछले दिनों ईरान के मीनाब शहर ने जो मंजर देखा, उसने इंसानियत को हमेशा-हमेशा के लिए शर्मसार कर दिया है। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरानी शहर मीनाब के 'शजरे तैयबा' गर्ल्स स्कूल पर एक नहीं, दो नहीं, बल्कि लगातार तीन टॉमहॉक मिसाइलें दागी गईं। इस भीषण हमले में 168 मासूम स्कूली बच्चियों के चीथड़े उड़ गए। पूरा स्कूल परिसर देखते ही देखते मलबे में तब्दील हो गया। इस हमले की सबसे भयावह बात यह है कि इसमें 'ट्रिपल टैप' का इस्तेमाल किया गया। आंकड़ों से साफ हुआ है कि पहली मिसाइल गिरने के बाद जब चीख-पुकार मची और स्थानीय लोग व बचाव दल मलबे से बच्चों को निकालने के लिए दौड़े, ठीक उसी वक्त दूसरी और फिर तीसरी मिसाइल दागी गई। इस रणनीति का मकसद केवल तबाही मचाना नहीं, बल्कि मदद के लिए पहुंचने वाले लोगों को भी खत्म करना होता है। ईरान ने इस घटना के बाद सीधे तौर पर अमेरिकी नौसेना के दो अधिकारियों को कटघरे में खड़ा किया है। ईरान की ओर से दावा किया गया है कि बतौर कमांडिंग ऑफिसर ली आर टेट ने टॉमहॉक मिसाइलों को लॉन्च करने का आदेश दिया था। वहीं, कार्यकारी अधिकारी जेफरी ई यॉर्क ने इस पूरे घातक ऑपरेशन की योजना बनाई थी। ईरान ने अब दोनों अधिकारियों की तस्वीर साझा करते हुए इन्हें युद्ध अपराधी करार दिया है।

ईरान बोला- होर्मुज के पास हमारा दबदबा बढ़ा

ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट के आसपास उसका दबदबा बढ़ गया है और अमेरिकी जहाजों को पीछे हटना पड़ा है। ईरानी नौसेना के एक कमांडर ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसके जहाज उनकी रेंज में आए तो उन्हें तटीय मिसाइलों से निशाना बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान अमेरिकी सेना के करीब आने का इंतजार कर रहा है, ताकि जवाबी कार्रवाई की जा सके। ईरान ने यह भी दावा किया कि उसके मिसाइल मूवमेंट के कारण अमेरिकी युद्धपोत USS अब्राहम लिंकन को सैकड़ों मील दूर हटना पड़ा।

ईरान ने 86वीं बार मिसाइल-ड्रोन स्ट्राइक की

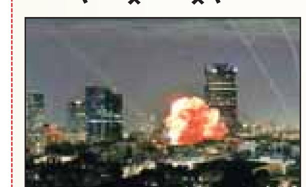
तेलअवीव में धमाका

ईरान ने इजराइल और अमेरिकी ठिकानों पर 86वीं बार मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के मुताबिक, यह हमला लेबनान में इजराइली हमले में मारे गए तीन पत्रकारों मारे गए थे। इस हमले में भी बड़ी संख्या में मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

यूएई ने ईरान के 42 ड्रोन और 16 मिसाइलें मार गिराईं

यूएई ने कहा है कि उसने ईरान से दागे गए 42 ड्रोन और 16 बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान अब तक यूएई पर 414 बैलिस्टिक मिसाइल, 15 क्रूज मिसाइल और 1,900 से ज्यादा ड्रोन दाग चुका है। अधिकारियों ने बताया कि देश की एयर डिफेंस सिस्टम लगातार हमलों को नाकाम कर रही है और हालात पर नजर रखी जा रही है।

ईरान में मरने वालों का आंकड़ा 2,076 पहुंचा

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में जारी जंग के बीच मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,076 हो गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मृतकों में 216 बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, अब तक 26,500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें 1,767 बच्चे शामिल हैं। हमलों के कारण 336 स्वास्थ्य और इमरजेंसी सेंटर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

अमेरिका-इजराइल हमलों से ईरान के मिसाइल ठिकानों को नुकसान

अमेरिका और इजराइल के हमलों में ईरान के कई अहम मिसाइल ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे उसकी सैन्य क्षमता प्रभावित हुई है।

खबर संक्षेप

नेपाल में भूकंप आया होई हताहत नहीं

काठमांडू। नेपाल के सिंधुपालचौक जिले में शनिवार रात को 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र ने यह जानकारी दी। भूकंप से किसी प्रकार की क्षति या जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। स्थानीय समयानुसार रात करीब 11.35 बजे आए भूकंप का केंद्र सिंधुपालचौक के नुलथला खारका क्षेत्र के पास स्थित था।

नेपाल में पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड्का गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस ने पूर्व ऊर्जा मंत्री और नेपाली कांग्रेस के नेता दीपक खड्का को धन शोधन के मामले में रविवार को गिरफ्तार कर लिया। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार रविवार सुबह खड्का को हिरासत में ले लिया। धन शोधन जांच विभाग से अनुरोध प्राप्त होने के बाद पुलिस ने खड्का को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

यूएस तक जाने वाले मिसाइल इंजन का टेस्ट

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने उच्च शक्ति वाले ठोस ईंधन इंजन के परीक्षण का अवलोकन किया और इसे देश की सामरिक सैन्य क्षमता को बढ़ाने वाला घटनाक्रम बताया। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार यह परीक्षण संभवतः इस बात का संकेत है कि किम ऐसी मिसाइलों के जखीरे का विस्तार एवं आधुनिकीकरण करना चाहते हैं जो अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम हो।

सुरक्षा बलों की सख्ती और सरकार की पुनर्वास व विकास योजनाओं के चलते हिंसा में भारी गिरावट आई

अब खात्मे के कगार पर पहुंचा नक्सलवाद

दस साल में 10 हजार से ज्यादा माओवादियों का आत्मसमर्पण, अर्बन नक्सल पर भी नकेल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में नक्सलवाद अब अपने अंत की ओर है। पिछले 10 साल में 10,000 से ज्यादा माओवादियों ने हथियार डाल दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों के दबाव और सरकार की पुनर्वास नीतियों ने इस उग्रवाद को करारा झटका दिया है। केंद्र सरकार ने देश से नक्सलवाद खत्म करने के लिए 31 मार्च की समयसीमा तय की थी। आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में 2,300 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। वहीं, 2026 के पहले तीन महीनों में ही 630 से ज्यादा कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया। सरकार ने अब पुरानी और बिखरी हुई नीतियों की जगह एक मजबूत और एकजुट रणनीति अपनाई है। पहले लाल गलियारे (बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश) में ठेकेदार काम करने से डरते थे। अब केंद्र सरकार ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को मुख्य इलाकों में सड़कें बनाने का काम दिया। इसमें विद्रोह के इन गढ़ों में पांच मुख्य सड़कों और छह ज़रूरी पुलों का निर्माण शामिल था। माओवादी से प्रभावित इलाकों में 15,000 किलोमीटर से ज्यादा सड़कें बनाई गई हैं, जिनमें से 12,250 किलोमीटर सड़कें अकेले पिछले 10 वर्षों में पूरी की गई हैं।

माओवादियों को मुख्यधारा में लौटने के लिए गंभीरता से प्रेरित किया गया

हर साल सैकड़ों नक्सली कर रहे आत्मसमर्पण

एआई इमेज

सुरक्षा के मोर्चे पर बड़े बदलाव

सुरक्षा के मोर्चे पर भी बड़े बदलाव हुए हैं। साल 2014 में केवल 66 मजबूत पुलिस स्टेशन थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 586 हो गई है। पिछले 6 साल में 361 नए सुरक्षा कैंप बने हैं। ऑपरेशन की ताकत बढ़ाने के लिए 68 नाइट-लैंडिंग हेलीपैड भी बनाए गए हैं। इसका असर यह हुआ कि नक्सली घटनाओं वाले पुलिस स्टेशनों की संख्या 330 से घटकर सिर्फ 52 रह गई है। छत्तीसगढ़ में पहली बार माओवादी आंदोलन बिना किसी बड़े नेता के रह गया है।

आम लोगों तक पहुंच रहीं योजनाएं

इसका असर है कि सरकार की योजनाओं का लाभ अब आम लोगों तक पहुंच रहा है। पीएम-आवास योजना के तहत घरों की संख्या 92,847 से बढ़कर 2.54 लाख से ज्यादा हो गई है। आधार नामांकन और आयुष्मान कार्डों की संख्या में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। शिक्षा के लिए 250 एकलव्य स्कूल मंजूर हुए हैं, जिनमें से 179 चल रहे हैं। इनके अलावा, 11 केंद्रीय विद्यालय और 6 नवोदय विद्यालय भी संचालित हो रहे हैं। युवाओं को रोजगार देने के लिए 48 जिलों में आईटीआई और कौशल विकास केंद्र बनाए गए हैं। इससे नक्सलियों की नई भर्ती रुकी है। संचार के लिए 9,000 मोबाइल टावर लगाए गए हैं। रेलवे ने भी बस्तर से छत्तीसगढ़ के बीच रेल लाइन बिछाई है। दंतेवाड़ा से मुनुगुरु तक नई रेल लाइन का सर्वे भी पूरा हो गया है।

मदद, ट्रेनिंग व रहने को घर

नक्सलियों की फंडिंग रोकने के लिए एनआईए और ईडी ने करोड़ों रुपए की संपत्ति जब्त की है। इससे शहरी नक्सलियों और उनके सूचना तंत्र को गहरा नुकसान पहुंचा है। सरकार की नई पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद, ट्रेनिंग और घर भी दिया जा रहा है।

पीएम मोदी को फोन किया और मिल गया तेल

38 हजार मीट्रिक टन तेल भारत ने श्रीलंका भेजा, राष्ट्रपति ने कहा-शुक्रिया

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

फाइल फोटो

ईरान युद्ध के बाद पैदा हुए उर्जा संकट के बीच तेल भेजने के लिए श्रीलंका ने भारत का धन्यवाद किया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत ने 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम सप्लाई भेजकर हमें मुश्किल से निकाला, जिसके लिए हम आभारी हैं। श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने रविवार को बताया कि उनकी इस मुद्दे पर भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी से बात हुई थी। इसके कुछ ही दिन में भारत से मदद आ गई है। अनुरा कुमारा दिसानायके ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि कुछ दिन पहले मैंने पीएम नरेंद्र मोदी से बात की थी। मेरी उनसे श्रीलंका को मध्य-पूर्व के संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति में आ रही रुकावटों पर चर्चा हुई थी। इसके बाद कल कोलंबो में 38,000 एमटी ईंधन पहुंच गया। भारत के त्वरित सहयोग के लिए मैं आभारी हूं। करीबी समन्वय के लिए एस. जयशंकर को भी धन्यवाद देता हूं।

भारत ने श्रीलंका को भेजी मदद

भारत ने श्रीलंका को 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम की आपूर्ति की है। इसमें 20,000 एमटी डीजल और 18,000 एमटी पेट्रोल है, जो शनिवार को कोलंबो पहुंचा है। प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच फोन कॉल के बाद हुआ है। ऐसे में श्रीलंका के नेता लगातार दिल्ली को शुक्रिया कह रहे हैं। भारत के तेल भेजने के फैसले कीश्रीलंका के सांसद हर्षा डी सिल्वा ने जमकर तारीफ की है। सिल्वा ने कहा है कि पड़ोसी देश भारत ऐसे समय में हमें मदद भेज रहा है, जब हमें इसकी बहुत ज्यादा जरूरत है। भारत ने पहले भी बुरे वक्त में श्रीलंका का साथ दिया है। जब हम मुश्किल में होते हैं तो वे हमारी मदद के लिए हाथ बढ़ाते हैं। हम उनका शुक्रिया करते हैं।

सरकार के पास पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक

94000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत आ रहे दो और बड़े-बड़े जहाज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एआई इमेज

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच जंग के बीच होर्मुज संकट के मध्य भारत के लिए राहत भरी खबर है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि लगभग 94,000 मीट्रिक टन एलपीजी कार्गो ले जाने वाले दो एलपीजी वाहक- बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम सुरक्षित रूप से होर्मुज कर चुके हैं और भारत के तटों की ओर बढ़ रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में विवरण साझा करते हुए, इसने आगे कहा कि बीडब्ल्यू टीवाईआर 31 मार्च को पहुंचने की अपेक्षित समय के साथ मुंबई की ओर बढ़ रहा है,और बीडब्ल्यू ईएलएम 1 अप्रैल की अनुमानित आगमन तिथि के साथ न्यू मैंगलोर के रास्ते में है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि क्षेत्र में कार्यरत भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं।

भारतीय नौ सेना को मिले कई तरह के अनुभव, जंग के कई तरीके सीखने के मिले अवसर

अभ्यास में बांग्लादेश, फ्रांस, इंडोनेशिया, केन्या, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, तंजानिया और तिमोर-लेस्ते के देशों ने भाग लिया

हिंद महासागर क्षेत्र से जुड़े जटिल समुद्री सुरक्षा मुद्दों पर काम किया गया

भारतीय नौसेना की मेजबानी में आईओएनएस समुद्री अभ्यास हुआ.... 16 देशों ने भाग लिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नौसैनिकों का समूह फोटो

भारतीय नौसेना ने 27 मार्च 2026 को कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसेना कमान के मैरीटाइम वारफेयर सेंटर में आईओएनएस मैरीटाइम एक्सरसाइज (आईएमईएक्स) टेबल-टॉप एक्सरसाइज (टीटीएक्स) 2026 का आयोजन किया। इस उच्च स्तरीय बैठक में हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) से जुड़े देशों की नौसेनाओं के प्रतिनिधि, आईओएस सागर के अंतरराष्ट्रीय अधिकारी और भारतीय नौसेना के अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान हिंद महासागर क्षेत्र में उभर रही गैर-पारंपरिक समुद्री सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा की गई। इस अभ्यास में बांग्लादेश, फ्रांस, इंडोनेशिया, केन्या, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, तंजानिया और तिमोर-लेस्ते के देशों ने भाग लिया। यह विविध बहुराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व पूरे क्षेत्र में आपसी विश्वास को बढ़ावा देने और सहयोगात्मक समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सोलह वर्षों के अंतराल के बाद भारत द्वारा 2026-2028 चक्र के लिए आईओएनएस की अध्यक्षता ग्रहण करने के साथ, आईएमईएक्स टीटीएक्स 2026 क्षेत्रीय समुद्री नेतृत्व को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

अलग-अलग संभावित परिस्थितियों का अभ्यास

इस अभ्यास में बिना वास्तविक तैनाती के अलग-अलग संभावित परिस्थितियों का अभ्यास किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को पेशेवर आदान-प्रदान के नए रास्ते तलाशने और आपसी विश्वास को गहरा करने में सक्षम बनाया। आईएमईएक्स टीटीएक्स 2026 ने फिर साबित किया कि आईओएनएस रचनात्मक संवाद, सामूहिक जिम्मेदारी और समुद्री चुनौतियों के क्षेत्रीय रूप से संचालित समाधानों के माध्यम से सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। इस अभ्यास से प्राप्त जानकारियों से आईओएनएस ढांचे को और मजबूत करने की उम्मीद है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में एक सुसंगत, उत्तरदायी और स्थिर समुद्री व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

गदा यात्रा में अखंड हिन्दू राष्ट्र का संकल्प दिलवाएंगे टी. राजा सिंह

हिन्दू सेवा परिषद् चतुर्दश स्थापना दिवस एवं हिन्दू नव संवत्सर 2083 पर निकलेगी ऐतिहासिक गदा यात्रा

जबलपुर। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी हिन्दू सेवा परिषद् के चतुर्दश स्थापना दिवस एवं हिन्दू नव संवत्सर 2083 के उपलक्ष्य में आगामी 31 मार्च 2026 को गदा यात्रा एवं हिन्दू धर्म सभा का आयोजन होने जा रहा है। उक्त विषय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें संपूर्ण आयोजन की समुचित जानकारी संगठन के पदाधिकारियों द्वारा प्रदान की गई। वार्ता में परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष अतुल जेसवानी एवं उपाध्यक्ष नितिन सोनपाली एवं समस्त पदाधिकारीगण मंचासीन रहे। हिन्दू सेवा परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष अतुल जेसवानी ने वार्ता प्रारंभ करते हुये बताया कि इस वर्ष तीन अखाड़ा लगातार यात्रा में प्रदर्शन करेंगे तथा 10 फुट की दादा भगवान श्री हनुमान की अनूठी मूर्ति आकर्षण का केन्द्र रहेगी। यह भी बताया कि 31 मार्च 2026 दिन मंगलवार को दोपहर 12 बजे नौदरा ब्रिज स्थित श्री हनुमान जी के मंदिर में धर्म सभा के पश्चात यात्रा प्रारंभ होकर करमचंद चौक, तुलाराम चौक, अंधेरदेव, खजांची चौक, फुहारा, लार्डगंज, सुपर मार्केट, मालवीय चौक, सिविक सेंटर में सम्पन्न होगी। यात्रा प्रारंभ होने के पूर्व हनुमान जी के मंदिर में संस्कारधानी के समस्त संतों की अगुवाई में महाआरती कर भगवा ध्वज दिखाकर गदा यात्रा प्रारंभ की जायेगी। 31 मार्च को गदा यात्रा में हिन्दू राष्ट्र की हुंकार भरी जाएगी तथा मुख्य अतिथि के रूप में हैदराबाद से पधारे टी. राजा सिंह हिंदुओं को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। यह भी बताया कि गदा यात्रा संस्कारधानी की पहचान बन चुका है तथा यह गदा यात्रा पुनः ऐतिहासिक बनेगी जिसमें संस्कारधानी के परमपूज्य संत, महात्माओं की विशेष उपस्थिति के अलावा भारत वर्ष से मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य वक्ता टी राजा सिंह कार्यक्रम में उपस्थित होंगे। गदा यात्रा का मुख्य आकर्षण 31 फिट का मिट्टी का चांदी कलर का गदा बेलगाड़ी में रहेगा। गदा यात्रा में गदा के अलावा दादा हनुमान की विशालकाय प्रतिमा, बैण्ड बाजे, ढोल एवं भगवा ध्वज यात्रा में रहेंगे। गदा यात्रा में 11 हजार से भी अधिक श्रीराम भक्त शामिल होंगे। जबलपुर की यात्रा में 10 प्रखण्डों से भक्तगण नौदरा ब्रिज स्थित श्रीराम मंदिर में एकत्रित होंगे। यह गदा यात्रा निकालने का उद्देश्य रहता है कि हिन्दू की एकता का संदेश समाज तक पहुंचे तथा हिन्दू का शक्ति प्रदर्शन सदैव उच्च स्तरीय हो एवं हिंदू राष्ट्र बनाने की हुंकार भरी जाए। पत्रकारवार्ता में अतुल जेसवानी, नितिन सोनपाली, सौरभ जैन, उत्कर्ष रावत, अक्षय झा, निखिल कनौजिया, अभिषेक अहिरवार, अंकित विश्वकर्मा एवं कार्यकर्ता उपस्थित होकर मीडिया के माध्यम से यह अपील की कि जबलपुर के सभी हिन्दू यात्रा में शामिल हों।

बज्मे गुलशने मदीना कमेटी ने ईद-उल-फित्र के शांतिपूर्ण आयोजन पर जताया आभार

जबलपुर। बज्मे गुलशने मदीना कमेटी ने ईद-उल-फित्र के शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण आयोजन के लिए प्रशासन, प्रेस प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। कमेटी ने शहर में कौमी एकता और भाईचारे के अनुपम उदाहरण की सराहना की। बज्मे गुलशने मदीना कमेटी के समाजसेवी शाहिद मुबीन, तारिक भाई, आशिफ सिराजी, जामिन भाई, पप्पू वसीम खान, फरीद अहमद, बाबा रिजवान, अतीक जावेदी, मोहम्मद सारिक, कलीम मामू, शकिब खोखार, मोहम्मद जावेद (AR) आदि सदस्यों ने संयुक्त रूप से यह आभार व्यक्त किया।कमेटी ने विशेष रूप से जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और नगर निगम आयुक्त सहित सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी सक्रिय भूमिका के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और ईद-उल-फित्र के दौरान आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित करने में प्रशासन की भूमिका की सराहना की।

इस अवसर पर कमेटी ने प्रेस प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को भी विशेष धन्यवाद दिया। मीडिया ने पर्व से संबंधित सटीक जानकारी प्रसारित कर शहर में शांति और सौहार्द का माहौल बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।उन्होंने शहर के सभी निवासियों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जबलपुर की गंगा-जमुनी तहजीब का ही परिणाम है कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ईद-उल-फित्र का पर्व शांति और सौहार्द के साथ संपन्न हुआ, जो संस्कारधानी की पहचान को दर्शाता है।

माँ सिद्धिदात्री मंदिर का जवारा चल समारोह आज

जबलपुर। 360 गौत्रीय खटीक समाज एवं माँ सिद्धिदात्री मंदिर समिति के तत्वावधान में माँ सिद्धिदात्री की स्थापना दिनांक 20.04.2000 के उपरांत निरंतर प्रत्येक छह मास में जवारा चल समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस चैत्र नवरात्रि पर 101 घटों (जवारों) की स्थापना की गई है, जिनका पूजन अर्चन मुन्नू पंडा के द्वारा किए जाने के उपरांत 30 मार्च सोमवार को शाम 7.30 बजे 52वां विसर्जन जुलूस हनुमानताल सरोवर के लिए निकाला जाएगा। चल समारोह में अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील अध्यक्ष महेन्द्र जांगड़े, उपाध्यक्ष राजू पटारिया, सचिव अखिल पटारिया ने की है।

महाराष्ट्र शिक्षण मंडल में नौनिहालों को प्रतियोगिता से किया संस्कारित

जबलपुर। महाराष्ट्र शिक्षण मंडल जबलपुर द्वारा विगत दिवस इंदौर की संस्था "सानंद" के तत्वावधान में "दादा-दादी, नाना-नानी कहानी बताओ" दादा-दादी, नाना-नानियों के लिए प्रतियोगिता का सफलतम आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य मातृभाषा मराठी के माध्यम से नौनिहालों में संस्कार और नैतिकता का अंकुरण कर उन्हें भावी समाज के संस्कारित नागरिक बनाने का प्रयास है, जो हमारी संस्कृति में प्राचीनकाल से प्रचलित है, परंतु वर्तमान जीवन शैली में हम हमारी इन प्राचीन परंपराओं जो संस्कारित समाज की नींव है, से दूर होते जा रहे हैं। इसके साथ ही नौनिहालों में अपनी मातृभाषा का बीजारोपण भी है।प्रतियोगिता का संचालन महाराष्ट्र शिक्षण मंडल की सदस्य वर्षा भावे तथा वर्षा भालेराव द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक सानंद इंदौर से पधारी अरुणा कुलकर्णी एवं सुमंगली पोतदार थीं। इस अवसर पर शिक्षण मंडल के सचिव प्रमोद पाठक, संदीप पाठक, अजय भालेराव एवं विलास परांजपे मौजूद रहे।

जीआरपी ने ट्रेनों एवं स्टेशनों में अवैध वेंडर्स के विरुद्ध चलाया चेकिंग अभियान

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक (रेल) जबलपुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं उप पुलिस अधीक्षक (रेल) जबलपुर के दिशा निर्देश में जीआरपी थाना जबलपुर अंतर्गत ट्रेनों एवं स्टेशनों में अवैध वेंडर के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाकर 28/3/2026 को रेलवे स्टेशन जबलपुर के पीएफ नंबर 4/5 पर अवैध रूप से समोसा, चना एवं ककड़ी बेचकर यात्रियों के आवागवन में बाधा उत्पन्न करने पर निम्न के खिलाफ इस्तगासा क्रमांक 52/26, 53/26, 54/26, 55/26, 56/26 धारा 34(3)पुलिस एक्ट के अंतर्गत तीन महिला एवं दो पुरुष के खिलाफ कार्यवाही की गई, जिनका विवरण इस प्रकार है- 1. चुन्नीलाल पिता अनुसूया प्रसाद उम्र 42 साल निवासी हनुमान नगर नई बस्ती थाना कोलगवां सतना, 2. सौरभ प्रजापति पिता महेश प्रजापति उम्र 24 साल निवासी ग्वालटोला संजय नगर होशंगाबाद नर्मदा पुरम, 3. नेहा पति मधु केवट उम्र 35 साल निवासी रेलवे स्टेशन के पास सिहोदा थाना भेड़ाघाट जबलपुर, नंबर 4. मीराबाई बसोर पति स्वर्गीय धर्मेंद्र बंशकार उम्र 40 साल निवासी कांचघर शीतला माई मंदिर थाना घमापुर जबलपुर, 5. शकुन बाई पति प्रकाश केवट उम्र 60 साल निवासी ग्राम रायपुरा थाना पनागर जबलपुर।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत, एएसआई नरेश, प्र.आर. संतोष कुशवाहा, प्र.आर. धीरेंद्र, आर. परशुराम, आर. गोपाल, आर. रविकांत, म.आर. ज्योति, म.आर. आस्था, म.आर. आरती शामिल रहे।

टाउन हॉल में स्वतंत्रता सेनानी प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सम्मानित

जबलपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार उत्तराधिकारी वंशज संगठन प्रकोष्ठ के जबलपुर शहर के नवनियुक्त नगर अध्यक्ष राजेन्द्र रज्जू सराफ एवं जिला ग्रामीण अध्यक्ष नारायण शर्मा का स्वागत सम्मान समारोह स्वतंत्रता संग्राम परिवार के वंशजों परिवारों द्वारा गांधी भवन टाउन हॉल में किया गया। समारोह का आयोजन मनोज नामदेव, प्रभारी केशव प्रसाद चौरसिया, प्रकाश गोलछा, डॉ. निधि शर्मा, यशोदा जायसवाल, ओमप्रकाश जायसवाल के संयोजन में किया गया। सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात नवनियुक्त अध्यक्षों का शाल, श्रीफल एवं फूलमाला से सम्मान किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार उत्तराधिकारी पत्रकार विनोद यादव, एसके चोहटेल एड., अनिल उसरेटे, शिवमंगल यादव, राजेश नामदेव, अनिल भटनागर एड., अरुण राजनेकर, गणेश प्रसाद केशरवानी सहित बड़ी संख्या में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से स्वतंत्रता संग्राम परिजनों ने नवनियुक्त अध्यक्षों का पुरजोर स्वागत सम्मान किया। अंत में राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सांई यज्ञ, हवन, कन्या पूजन व भंडारे के साथ त्रिदिवसीय सांई महोत्सव का समापन

जबलपुर। सांई मंदिर दक्षिण सिविल लाइन में रामनवमीं एवं सांई जन्मोत्सव का तीन दिवसीय आयोजन सांई यज्ञ, कन्या पूजन एवं भंडारे के साथ 28 मार्च को संपन्न हुआ। क्षेत्रीय विधायक अशोक रोहाणी द्वारा प्रत्येक वर्षों की तरह इस वर्ष भी मंदिर पहुंचकर भोग आरती, कन्या पूजन एवं प्रसाद वितरण कराया। सैकड़ों सांई भक्तों ने यज्ञ में आहुतियां दी एवं बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्याम कनौजिया भी उपस्थित रहे। संध्या महाआरती जगतगुरु राघव देवाचार्य महाराज द्वारा संपन्न कराई गई, तत्पश्चात स्वामीजी ने अपने आशीर्वचन दिए। अतिथियों का स्वागत सांई बाबा की चादर, श्रीफल से रविनंदन सिंह, सुनील चंदेल, मृगेन्द्र नारायण सिंह, प्रेम भंडारी, संतोष अवस्थी, उमेश पिल्ले, कमलेश अग्रवाल, डॉ. तनुश्री सिंह आदि ने किया। तीन दिवसीय रामनवमीं एवं सांई जन्मोत्सव को सफल बनाने में संजय सेठ, डॉ. सुनील देशपांडे, लक्ष्मण दास, श्याम खत्री, भीमराव, मनोहर कनौजिया, पं. रवि पांडे, राजेन्द्र तोमर, अशोक स्वामी, लालजी रजक, राजेश कुशवाहा आदि का सक्रिय योगदान रहा।

झारिया समाज का सम्मेलन 26 अप्रेल को

जबलपुर। झारिया कल्याण संघ जबलपुर के तत्वावधान में झारिया समाज का सम्मेलन मानस भवन जबलपुर प्रेक्षागृह में 26 अप्रेल को आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए सुयोग्य जीवन साथी तलाशने के लिए उनको अधिक से अधिक संख्या में मंच पर आमंत्रित कर स्वयं का परिचय देने का अवसर प्रदान किया जाएगा। वहीं विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने वर्ष 2025 में कक्षा दसवीं एवं उच्च कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। दहेज रहित, निःशुल्क, आदर्श विवाह संपन्न कराए जाएंगे। वरिष्ठजनों एवं समाज की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जाएगा। संघ के डॉ. एनपी झारिया, गनेश सिंह झारिया, संतोष मेहरा, सोमराज झारिया, पुष्पा झारिया, संतोष झारिया, अजय झारिया, मथुरा प्रसाद झारिया, रामस्वरूप झारिया, अशोक झारिया, राधा झारिया, बलराम झारिया इत्यादि पदाधिकारियों ने स्वजातीय बंधुओं से सपरिवार उपस्थित होकर सम्मेलन को सफल बनाने की अपील की है।

रामनवमीं पर हनुमान बाग धाम से निकली भव्य श्रीराम रथ यात्रा

जबलपुर। संस्कारधानी गढ़ा स्थित श्री अवधेश्वर राजा राम मंदिर हनुमान बाग धाम में रामनवमी के शुभ अवसर पर भव्य श्रीराम रथ यात्रा का आयोजन किया गया। हनुमान बाग धाम के संस्थापक धर्म विभूषण पंडित ब्रजेश महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि 27 मार्च 2026 दिन शुक्रवार को शाम 4 बजे से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जन्म उत्सव पर श्रीराम रथ यात्रा का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य हो कि इस रथयात्रा का यह दसवाँ वर्ष रहा। सर्वप्रथम सम्पूर्ण राम दरबार के गर्भगृह में विराजित भगवान राम के विग्रह स्वरूप का अभिषेक, पूजन किया गया। तत्पश्चात भगवान श्रीराम रथ यात्रा के रूप में नगर भ्रमण करने के लिए निकले, जिसमें श्रीराम रथ के साथ अश्व दल, बैंड दल, धमाल पार्टी एवं विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक चेतना हेतु

झांकियाँ सम्मिलित की गईं। रथ यात्रा श्री हनुमान बाग धाम से छोटी बजरिया, आनंदकुंज, गढ़ा बाजार, पंडा मढ़िया, शाही नाका, संजीवनी नगर, गौतम जी की मढ़िया, गुलौआ चौक, शुक्ला नगर, एकता चौक, बी.टी. तिराहा, छोटी बजरिया होते हुए हनुमान बाग धाम में पूर्ण हुई।

श्रीराम रथयात्रा का स्वागत उपनगरीय गढ़ा क्षेत्र की विभिन्न दुर्गोत्सव समतियाँ, गणेश उत्सव समितियाँ एवं विभिन्न सामाजिक धार्मिक संस्थाओं ने किया। हनुमान बाग धाम के संस्थापक धर्म विभूषण पंडित ब्रजेश महाराज एवं समिति पदाधिकारी, अभय पचौरी, डॉ. आशीष मिश्रा, दीपक उपाध्याय, सुशील विश्वकर्मा सहित क्षेत्र के सभी धर्म प्रेमियों की उपस्थिति रही।

प्रदेश के शिक्षकों की टीईटी परीक्षा ली जाना न्यायसंगत नहीं

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के नवीनतम फैसलों के अनुसार, अब सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए एवं शिक्षक के रूप में नियुक्त होने और पदोन्नति पाने के लिए TET पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। मध्य प्रदेश में 1.5 लाख से अधिक कार्यरत शिक्षकों के लिए भी TET परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है, जो उचित नहीं है। लोक शिक्षण संचालनालय 2 मार्च 2026 के आदेश में प्रदेश के लाखों शिक्षकों को TET परीक्षा उत्तीर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे शिक्षकों में असंतोष की स्थिति है। कई शिक्षक पिछले 20-28 वर्षों से शिक्षाकर्मी एवं संविदा शाला शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। भर्ती के समय लागू सेवा शर्तों में TET परीक्षा का ऐसा किसी प्रकार का प्रावधान नहीं था। शिक्षाकर्मी भर्ती अधिनियम 1997-98, अध्यापक भर्ती अधिनियम 2008 तथा राज्य शिक्षा सेवा भर्ती अधिनियम 2018 में भी सेवारत शिक्षकों के लिए TET परीक्षा अनिवार्य करने का उल्लेख नहीं किया गया है। ऐसे में वर्षों से कार्यरत शिक्षकों पर TET परीक्षा लादकर अनिवार्य करना न्यायसंगत नहीं है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, हेमन्त ठाकरे, राजेश सहारिया, दिनेश गोंड, राकेश श्रीवास, राजकुमार यादव, रऊफ खान, गुडविन चार्ल्स, फिलिप अन्थोनी, लालजी प्रसाद, एनोस विक्टर, गोपीशाह आदि ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता को समाप्त करने हेतु शिक्षकों के हित में अतिशीघ्र निर्णय लिया जाए।

स्टेशन चैकिंग के दौरान जीआरपी ने पकड़ा शातिर मोबाइल चोर

कब्जे से कीमती मोबाईल जब्त किये

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक (रेल) सिमाला प्रसाद जबलपुर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (रेल) भावना मरावी व पुलिस उप अधीक्षक एक भाग (रेल) अंकिता सुल्या जबलपुर के मार्गदर्शन में अपराधियों की धरपकड़ एवं अपराधों की रोकथाम हेतु विशेष चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में रेलवे स्टेशन सिहोरा में स्टेशन चैकिंग के दौरान आरोपी सत्य कुमार काछी पिता व टोला जगदीश काछी उम्र 32 वर्ष निवासी टोला पान उमरिया थाना पानउमरिया सान जिला कटनी को संदिग्ध हालत में रेलवे स्टेशन सिहोरा में पकड़ा गया जिसके कब्जे से चार नग मंहगे मोबाइल विभिन्न कंपनियों के कुल कीमती 74000 रुपये के जब्त किये गये। मोबाइलों के संबंध में आरोपी से पूछताछ की गई जिसने चोरी के मोबाइल बेचने के लिये अपने पास रखे होना बताया, आरोपी के पास

कोई बिल दस्तावेज नहीं पाये गये, आरोपी 71.2. सत्यकुमार काछी के विरूद्ध अपराध क्र. 171/26 धारा 317(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया है आरोपी पूर्व में चोरी, मारपीट, अवैध शराब, अपहरण एवं रासुका के मामले में थाना में बंद हो चुका है। उक्त कार्यवाही में जीआरपी थाना जबलपुर से **SHO** संजीवनी राजपूत, प्रधान आरक्षक सतेंद्र सिंह, अरूण तिवारी, देवेंद्र मिश्रा, शेलेंद्र चंदेल आरक्षक राजकुमार नाफा मेहरा, परसुराम यादव, उमेश चोरे एवं आरपीएफ पोस्ट जबलपुर के आशीष कुमार श्री यादव एवं सुग्रीव सिंह का उल्लेखनीय योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर द्वारा अधिकारी, कर्मचारियों को नगद ईनाम से पुरष्कृत करने की घोषणा की गई है।

मालाबार गोल्ड डायमंड्स की पहल, छात्राओं को मिली स्कॉलरशिप

जबलपुर। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जानी-मानी ज्वेलरी कंपनी मालाबार गोल्ड एंड डायमंड की ओर से छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी छात्राओं को उनकी पढ़ाई में मदद के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में छात्राएं, उनके अभिभावक और स्थानीय गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। मंच से कंपनी के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो किसी भी व्यक्ति और समाज के भविष्य को उज्जवल बनाती है। इसी सोच के साथ मालाबार गोल्ड एंड डायमंड द्वारा समय-समय पर विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस मौके पर कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि कई बार

आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण प्रतिभाशाली छात्र अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। ऐसे में इस तरह की पहल विद्यार्थियों के लिए नई उम्मीद लेकर आती है और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करती है, कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति मिलने से बच्चों की पढ़ाई में काफी मदद मिलेगी और उनका मनोबल भी बढ़ेगा। कई विद्यार्थियों ने कहा कि वे आगे भी मेहनत कर अपने परिवार और समाज का नाम रोशन करना चाहते हैं, इस अवसर पर विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति समर्पण और मेहनत के साथ आगे बढ़ने का संदेश भी दिया गया, ताकि वे भविष्य में अपने सपनों को साकार कर सकें और समाज के विकास में योगदान दे सकें।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जबलपुर के मेयर जगत बहादुर सिंह (अन्नू), मध्य भारत क्षेत्र के कर्नल एडमिन नीरज मेहता और मालाबार गोल्ड और डायमंड्स के स्टोर मैनेजर अंशुल सिंह ठाकुर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।